आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 95 रांची, गुरुवार, 19 मार्च, 2026 (चैत्र, शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत 2083) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

संसद की 19-20 मार्च की बैठकें रद्द

नई दिल्ली। संसद में इस हफ्ते गुरुवार और शुक्रवार को अवकाश होने के कारण अगले सप्ताहांत में शनिवार और रविवार को दोनों सदनों की बैठक आयोजित होगी। सदन के पटल पर 19-20 मार्च को रखे जाने वाले प्रश्न अब 23 मार्च को रखे जाएंगे। लोकसभा में पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने बुधवार को बताया कि लोकसभा ने त्योहारों की वजह से 19-20 मार्च की बैठकें रद्द कर दी हैं। इसके बदले अब सदन 28-29 मार्च (शनिवार-रविवार) को काम करेगा। यह निर्णय काम के घंटों की भरपाई के लिए लिया गया है। राज्यसभा में इस बाबत घोषणा पहले ही की जा चुकी है। जगदंबिका पाल ने कहा कि लोकसभा ने 19 मार्च और 20 मार्च को निर्धारित सदन की बैठकों को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की है। अब सदन आवश्यक कार्यवाहियों के संचालन के लिए 28 मार्च और 29 मार्च को बैठेगा।

प्रधानमंत्री मोदी 28 मार्च को करेंगे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को करेंगे। इस बात का ऐलान खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को अपनी सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल पूरे होने पर आयोजित एक समारोह में इसकी घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यहां लोकभवन में 'नवनिर्माण के नौ वर्ष' पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्य सरकार के नौ साल के कार्यकाल के दौरान की उपलब्धियों की एक किताब का भी विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने जेवर एयरपोर्ट को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का गेम-चेंजर बताते हुए कहा कि इससे भविष्य में एक लाख करोड़ रुपये की कमाई होने की उम्मीद है।

विधानसभा चुनाव के लिए हर 70 मतदाता पर एक चुनाव कर्मी की तैनाती

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के विभिन्न चरणों को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 25 लाख से अधिक चुनाव कर्मियों को तैनात किया है। इन चुनावों में पात्र मतदाताओं की संख्या 17.4 करोड़ से अधिक है। यानी लगभग हर 70 मतदाता पर एक चुनावकर्मी तैनात है। चुनाव आयोग के अनुसार तैनात कर्मियों में लगभग 15 लाख मतदानकर्मी, 8.5 लाख सुरक्षाकर्मी, 40 हजार मतगणना कर्मी, 49 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 21 हजार सेक्टर अधिकारी, मतगणना के लिए 15 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हैं। आयोग के अनुसार 21 लाख से अधिक बीएलओ सहित जमीनी स्तर की चुनाव मशीनरी मतदाताओं के लिए फोन कॉल और ईसीआईएनईट ऐप पर बीएलओ को कॉल बुक करने की सुविधा के माध्यम से उपलब्ध है।

आज से चैत्र नवरात्र शुरू, विधि-विधान से होगी कलश स्थापना

27 मार्च तक मनाया जाएगा नवरात्र, भक्त मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की करेंगे पूजा-अर्चना

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। हिंदू धर्म में आस्था और शक्ति की उपासना का पावन पर्व चैत्र नवरात्र आज से शुरू हो गया है। 9 दिनों तक चलने वाला यह पर्व 27 मार्च तक मनाया जाएगा, जिसमें भक्त मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना करेंगे। नवरात्र की शुरूआत प्रतिपदा तिथि पर घटस्थापना यानी कलश स्थापना के साथ होती है। इस दौरान श्रद्धालु व्रत रखकर मां दुर्गा की आराधना करते हैं और घरों में विधि-विधान से पूजा करते हैं। मान्यता है कि इन नौ दिनों में मां दुर्गा पृथ्वी पर आकर अपने भक्तों की प्रार्थनाएं स्वीकार करती हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्र पूजा के लिए उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण सबसे शुभ माना जाता है। पूजा करते समय साधक का मुख पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए, जिससे सकारात्मक ऊर्जा और फलदायी परिणाम प्राप्त होते हैं।

पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार, माता सती ने अपने पिता के यज्ञ में अपमानित होकर देह त्याग दिया था, जिसके बाद उन्होंने शैलराज हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया और शैलपुत्री कहलायीं। कलश स्थापना के दौरान मिट्टी का कलश सबसे शुभ माना जाता है। श्रद्धालु नौ लौंग को कलावे में बांधकर माला बनाकर मां को अर्पित करते हैं, जिससे मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पूरे देश में इस पर्व को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। मंदिरों और घरों में भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की आराधना की जा रही है।

नवरात्र पर वैष्णो देवी में बिना आरएफआईडी कार्ड नहीं मिलेगी एंट्री, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एजेंसी

जम्मू। आज 19 मार्च से शुरू होने जा रहे पावन चैत्र नवरात्र के दौरान श्री माता वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और श्राइन बोर्ड ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपराज्यपाल के निर्देशों के बाद श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि यात्रा मार्ग पर आरएफआईडी कार्ड प्रणाली का सख्ती से पालन किया जाएगा। केवल वैध कार्ड धारकों को ही भवन की ओर जाने की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरे मार्ग को पांच जोन- कटड़ा, बाणगंगा, अर्धकुंवारी, ताराकोट-सांझीछत और भवन में बांटा गया है। पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के समन्वय से एक मजबूत सुरक्षा ग्रिड तैयार किया गया है, जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया दल भी शामिल रहेंगे।

राज्य में वीबी-जी राम-जी नहीं, मनरेगा ही रहेगा नाम

150 दिन रोजगार की मांग, सदन में कमीशन और आउटसोर्सिंग पर हंगामा

राशन डीलरों के कमीशन को लेकर जोरदार बहस

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की राजनीति में बुधवार को बड़ा दिन रहा। रांची में चल रहे विधानसभा सत्र के दौरान मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बनाए रखने का संकल्प पारित किया गया। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह द्वारा पेश प्रस्ताव में केंद्र के प्रस्तावित वीबी-जी राम-जी कानून की जगह मनरेगा को जारी रखने और 100 दिन के बजाय 150 दिन रोजगार देने की मांग की गई।
सदन में सरकार ने स्पष्ट किया कि नए प्रस्तावित प्रावधानों से रोजगार की कानूनी गारंटी, ग्राम सभा की शक्तियों और राज्य के वित्तीय हितों पर असर पड़ सकता है। साथ ही महिलाओं के सशक्तिकरण और ग्रामीण रोजगार पर भी नकारात्मक प्रभाव की आशंका जताई गई। वहीं, विधानसभा में राशन डीलरों के कमीशन को लेकर भी जोरदार बहस हुई। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव ने कमीशन बढ़ाने की मांग उठाई, जिस पर खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि डीलरों के हितों का ध्यान रखा जा रहा है।
सदन में आउटसोर्सिंग नियुक्तियों में गड़बड़ी का मुद्दा भी गरमाया। विधायक प्रदीप यादव ने आरोप लगाया कि कंपनियां युवाओं से पैसे लेकर नौकरी दिला रही हैं।
इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने आश्वासन दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वाली एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई होगी। कुल मिलाकर, विधानसभा में मनरेगा से लेकर रोजगार, कमीशन और पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर दिनभर तीखी बहस और राजनीतिक गर्माहट देखने को मिली, जिसने राज्य की नीतियों और प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए।

झारखंड विस का बजट सत्र संपन्न 1.58 लाख करोड़ का बजट पारित

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी से 18 मार्च तक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। सत्र की शुरूआत 18 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ हुई। इस सत्र की खास बात यह रही कि पहली बार राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष की ओर से कोई संशोधन प्रस्ताव नहीं लाया गया। कुल 17 कार्य दिवसों तक चला यह सत्र अधिकांश समय सुचारु रूप से संचालित हुआ और केवल एक बार कुछ मिनटों के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सत्र के शुरूआती 10 कार्य दिवसों तक विपक्ष, विशेषकर बीजेपी, अपेक्षाकृत शांत नजर आई और किसी प्रकार का कार्य स्थगन प्रस्ताव पेश नहीं किया गया। इतना ही नहीं, पहली बार प्रमुख विपक्षी दल के एक विधायक ने अपना कटौती प्रस्ताव भी वापस ले लिया।

राज्यसभा सदस्यों की विदाई अवसर पर पीएम मोदी ने कहा -

लंबे अनुभव से नई पीढ़ी के सांसदों को लेनी चाहिए सीख

देवगौड़ा, खड़गे और शरद पवार के लंबे संसदीय अनुभव का किया उल्लेख

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को 37 सदस्यों को विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावपूर्ण संबोधन देते हुए सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों के योगदान की सराहना की और नए सदस्यों से उनके अनुभवों से सीखने की अपील की। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सदन से विदा ले रहे कई सदस्य ऐसे हैं, जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय कार्यप्रणाली को समर्पित किया है। उन्होंने विशेष रूप से एच. डी. देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खड़गे और शरद पवार का उल्लेख करते हुए कहा कि इन नेताओं ने अपनी आधी से अधिक उम्र संसद में बिताई है।
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतने लंबे अनुभव से नई पीढ़ी के सांसदों को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी और समर्पण का भाव इन वरिष्ठ नेताओं से सीखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी विदा हो रहे सदस्यों के योगदान को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
यहां बताते चलें कि संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण का बुधवार को आठवां दिन है। इससे एक दिन पहले ही निलंबित किए गए आठ सांसदों का निलंबन भी वापस ले लिया गया, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चली। राज्यसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदस्यों के सवालों के जवाब दिए और इसके बाद विनियोग विधेयक 2026 पेश किया। इस विधेयक के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार के 2.01 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।
चर्चा के बाद राज्यसभा ने विनियोग विधेयक को वॉइस वोट से पारित कर लोकसभा को भेज दिया। इस दौरान सदन में विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा भी हुई, जिससे संसदीय प्रक्रिया की सक्रियता और गंभीरता का प्रदर्शन हुआ।

बिहार विधान परिषद समिति के सदस्यों ने सीएम से की मुलाकात

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति के सदस्यों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति की ओर से किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि उन्होंने झारखंड विधानसभा परिभ्रमण के अवसर पर झारखंड विधानसभा की महिला बाल विकास समिति की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा एक-दूसरे के कार्यों के अनुभव भी साझा किए। मौके पर झारखंड विधानसभा की महिला बाल विकास समिति की सभापति विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति की अध्यक्ष डॉ. कुमुद वर्मा, सदस्य रीना यादव, मुन्नी देवी एवं निवेदिता सिंह सहित अन्य शामिल थे।

केंद्रीय कैबिनेट : जल विद्युत योजना, औद्योगिक पार्क, किसान इंफ्रास्ट्रक्चर की मिली बड़ी सौगात

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल बैठक में देश के विकास को रफ्तार देने वाले कई बड़े फैसलों पर मुहर लगी। सबसे अहम निर्णय के तहत 2,584 करोड़ रुपये की लघु जल विद्युत (एसएचपी) विकास योजना को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत 1500 मेगावाट क्षमता के छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इससे खासकर पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में ऊर्जा उत्पादन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार ने 33,660 करोड़ रुपये की भव्य योजना को भी हरी झंडी दी है। इसके तहत देशभर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे, जिससे विनिर्माण, स्टार्टअप और निवेश को नया बल मिलेगा। इस योजना से लाखों रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।
किसानों के हित में भी बड़ा फैसला लेते हुए कैबिनेट ने भारतीय कपास निगम को 1,718 करोड़ रुपये की एमएसपी फंडिंग मंजूर की है। इससे कपास किसानों को बाजार में गिरते दाम के बावजूद न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिलता रहेगा।

एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के बाद इंतजार करें : सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोगों से अपील की है कि लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की बुकिंग के बाद इंतजार करें और वितरणकर्ताओं के यहां लाइन लगाने से बचें। वर्तमान में एलपीजी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं बुकिंग के लिए अब 93 प्रतिशत लोग ऑनलाइन तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकार ने लोगों से अफवाहों पर विश्वास नहीं करने और गैस का उचित उपयोग करने को कहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भले ही कीमतें बढ़ रही हों, फिलहाल भारत में डीजल-पेट्रोल की कीमतों में कोई इजाफा नहीं होगा।

तबाही : सुलेमानी की मौत के बाद भड़का ईरान, इजरायल पर बरसा दिए क्लस्टर बम

एजेंसी

तेहरान। ईरान और इजरायल के बीच छिड़ा संघर्ष अब अपने 19वें दिन में प्रवेश कर चुका है, और स्थिति पहले से कहीं अधिक विस्फोटक हो गई है। युद्ध के 18वें दिन इजरायल द्वारा तेहरान में की गई एक बड़ी सैन्य कार्रवाई ने इस आग में घी डालने का काम किया है। इस हमले में ईरान के दो बेहद प्रभावशाली नेता सुरक्षा प्रमुख अली लारिजानी और बसीज बलों के कमांडर गुलारजा सुलेमानी मारे गए हैं। इन मौतों की पुष्टि के बाद पूरे तेहरान में शोक की लहर है और ईरान ने इसका भीषण बदला लेने का संकल्प लिया है। जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने इजरायल पर क्लस्टर बमों और मल्टी-वॉरहेड मिसाइलों से हमला किया है।
ईरान का दावा है कि ये हमले सीधे तौर पर तेहरान में हुई हत्याओं का प्रतिशोध हैं। इस बीच, युद्ध की लपटें अन्य खाड़ी देशों तक भी पहुंचती दिख रही हैं। सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस के पास एक बैलिस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया है, जबकि दुबई और दोहा से भी धमाकों की खबरें मिली हैं। बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को भी ड्रोन के जरिए निशाना बनाया गया है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। मानवीय क्षति के आंकड़े भी डराने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत आमिर सईद इरवानी के अनुसार, अब तक अमेरिका-इजरायल हमलों में 1,300 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों का अनुमान है कि यह संख्या 1,858 तक पहुंच सकती है। इसके अलावा, लेबनान में हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच जारी संघर्ष में अब तक 773 लोगों की जान जा चुकी है। राजनयिक स्तर पर भी तनाव कम होने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। खबरों के अनुसार, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ किसी भी समझौते या मध्यस्थता के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो की भूमिका पर सवाल उठाए

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो की भूमिका पर सवाल उठाए हैं, जबकि वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में 1% की मामूली गिरावट देखी गई है। जैसे-जैसे संघर्ष लंबा खींच रहा है, अंतरराष्ट्रीय समुदाय एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध की आशंका से सहमा हुआ है।

खामेनेई के बाद फिर गदगद हुए नेतन्याहू, लाइव आकर कहा - आईआरजीसी का गुंडा मार दिया

यरूशलेम। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण युद्ध के 18वें दिन इजरायल ने एक बड़ा सैन्य दावा करते हुए पूरी दुनिया को चौंका दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि ईरान के सुरक्षा प्रमुख और डी-फैक्टो लीडर अली लारीजानी को एक सटीक हवाई हमले में मार गिराया गया है। 28 फरवरी को सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु के बाद, लारीजानी ही व्यावहारिक रूप से ईरान की कमान संभाल रहे थे। उनकी मौत को मौजूदा संघर्ष में ईरान के सैन्य और रणनीतिक ढांचे के लिए अब तक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है।

जैसलमेर में पाकिस्तानी सीमा पर सेना का शक्ति प्रदर्शन

एजेंसी

जैसलमेर। जैसलमेर में भारतीय सेना ने बैटलफील्ड थंडर अभ्यास के जरिए अपनी रॉकेट आर्टिलरी की ताकत का प्रदर्शन किया। पिनाका और बीएम-21 ग्रेड जैसे आधुनिक मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चरों ने सटीक और तेज हमलों से अपनी मारक क्षमता दिखाई। इस अभ्यास ने सन्देश दिया कि भारतीय सेना किसी भी चुनौती का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीय सेना की कोणार्क कोर ने ब्लैजिंग स्टील, डिसाइसिव इम्पैक्ट थीम के तहत यह अभ्यास किया। इसमें रॉकेट आर्टिलरी यूनिट्स ने अपनी ऑपरेशनल तैयारी और समन्वय का प्रदर्शन किया। थार के आसमान में एक साथ कई रॉकेट दागे गए, जिससे पूरे क्षेत्र में सेना की ताकत का अहसास हुआ। जैसलमेर फील्ड फायरिंग रेंज में हुए इस अभ्यास के दौरान सैनिकों ने भीषण गर्मी और उड़ती धूल के बीच लगातार प्रशिक्षण लिया। मुख्य आकर्षण लंबी दूरी के लक्ष्यों को पूरी सटीकता से ध्वस्त करना रहा। यह केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि विभिन्न युद्ध प्रणालियों के बेहतर तालमेल की जांच भी थी।

हिन्दू नववर्ष पर रामगढ़ आएंगे डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। हिन्दू नववर्ष के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया का गुरुवार को रामगढ़ आगमन होगा। उनके स्वागत को लेकर जिले भर के विभिन्न हिन्दू संगठनों में उत्साह देखा जा रहा है और कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए हिन्दू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि डॉ. तोगड़िया सड़क मार्ग से रामगढ़ पहुंचेंगे और उनके स्वागत के लिए कई स्थानों पर कार्यक्रम तय किए गए हैं। सिद्धू कान्हु मैदान से होगा स्वागत कार्यक्रम प्राप्त जानकारी के अनुसार संध्या करीब 5 बजे सिद्धू कान्हू मैदान बाजार टांड़ में सनातन प्रेमियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद रोड शो के माध्यम से उनका काफिला शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरेगा। थाना चौक से सुभाष चौक तक रोड शो कार्यक्रम के अनुसार थाना चौक होते हुए लगभग सवा पांच बजे सत्कौड़ी कॉम्प्लेक्स के समीप बजरंग क्लब के युवाओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद जुलूस की शक्ल में काफिला आगे बढ़ते हुए सुभाष चौक पहुंचेगा। दुर्गा मंदिर के समीप होगा उद्बोधन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार करीब साढ़े पांच बजे सुभाष चौक स्थित दुर्गा मंदिर के समीप डॉ. तोगड़िया सभा को संबोधित करेंगे, जहां बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। दूसरी बार रामगढ़ आगमन को लेकर उत्साह दीपक मिश्रा ने बताया कि डॉ. प्रवीण तोगड़िया का यह दूसरा रामगढ़ दौरा है, जिसको लेकर कार्यकताओं और सनातन समर्थकों में खासा उत्साह है। उन्होंने जिले भर के लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा एवं व्यवस्था की तैयारी भी स्थानीय स्तर पर की जा रही है ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

सिल्ली थाना परिसर में ईद , सरहुल और रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली थाना परिसर में बुधवार को ईद-उल-फितर, सरहुल और रामनवमी पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। अध्यक्षता रामदेव यादव एवं संचालन मोहम्मद फारूख ने किया। बैठक में जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी कुमारी, एस आई रामदेव यादव, उदय कुमार युधिष्ठिर महतो, अरुण यादव, एवं रामनवमी के विभिन्न अखाड़ा, सरहुल पुजा समिति एवं मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में शांतिपूर्ण व भाईचारे के साथ ईद, सरहुल व रामनवमी मनाने का निर्णय लिया गया। बताया गया कि संभावित 20 एवं 21 मार्च को सिल्ली के विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा की जाएगी। 21 मार्च को सरहुल, 27 मार्च को पारंपरिक मार्ग पर सरकारी गाइड लाइन के तहत रामनवमी का जुलूस निकाला जाएगा। बैठक में जिप सदस्य, पुर्व कमलनाथ मांझी राजेश साहु, भागवत सोनार, बबलु साव, कार्तिक चंद्र महतो, कमल किशोर कुशवाहा, राधिका महतो आदि ने विचार व्यक्त किए। एस आई रामदेव यादव ने आगामी त्योहारों को लेकर सरकार की गाइड लाइन की जानकारी देते हुए कहा कि जुलूस में डीजे बजाने और विवादास्पद गाने बजाने पर सख्त मनाही है।

संक्षिप्त

कांके थाना प्रभारी के पद पर इंस्पेक्टर कुणाल कुमार ने दिया योगदान

कांके। राजधानी रांची के कांके थाना में नवपदस्थापित किए गए थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर कुणाल कुमार ने बुधवार को योगदान दिया। इसके पूर्व वे सीआईडी में पदस्थापित थे। बताते चलें मंगलवार को कांके के थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रकाश कुमार रजक को हटाते हुए लाइन हाजिर कर दिया गया था। नौ मार्च से कांके थाना में प्रोबेशनर आईपीएस साक्षी जमुआर थाना प्रभारी के रूप में कार्य कर रही हैं।
साक्षी जमुआर ने इंस्पेक्टर कुणाल कुमार का थाना में पदस्थापित सभी सब इंस्पेक्टर, एसआई आदि पदाधिकारियों से परिचय कराया। इंस्पेक्टर कुणाल कुमार ने पहले दिन ही सुकुरहुटू सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण भी किया।

सीसीएल ने सीएसआर के तहत रामगढ़ कॉलेज को दिये 09 अलमीरा

रामगढ़। सीसीएल की ओर से रामगढ़ कॉलेज को प्रबंधन को सहयोग किया है। बुधवार को कॉलेज प्रबंधन को 09 अलमारी उपलब्ध कराया गया। मौके पर रामगढ़ कॉलेज की प्राचार्या डॉ रत्ना पांडेय के अनुरोध पर महाविद्यालय को सीसीएल के बरकाकाना स्थित सेंट्रल रिपेयर शॉप की ओर से सीएसआर के तहत 09 स्टील अलमारी दिया है। रामगढ़ महाविद्यालय, रामगढ़ को अलमीरा प्राप्त होने के बाद महाविद्यालय की प्राचार्या ने जीएम को पत्र भेज कर आभार व्यक्त किया है।

खूंटी जिला पुलिस को मिले 14 नये वाहन

खूंटी। राज्य सरकार की ओर खूंटी जिला पुलिस को 14 नए वाहन उपलब्ध कराया गया है। उपायुक्त आर रोनिता और पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर सभी वाहनों को रवाना किया। एसपी ने बताया कि खूंटी, तोरपा और कर्रा थाना को दो दो वाहन तथा रनिया, मुरहू, अड़की सायको, मारांगहदा सहित अन्य थानों को एक एक वाहन दिया गया है। एसपी ने कहा कि नए वाहनों के मिलने से अपराध नियंत्रण में सुविधा होगी।

एक लाख के इनामी पीएलएफआई एरिया कमांडर ने किया आत्मसमर्पण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर हाबिल मुंडू उर्फ प्रफुल्ल मुंडा (30) वर्ष ने बुधवार को खूंटी की उपायुक्त आर रॉनिटा और पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मौके पर उपायुक्त ने गुलदस्ता देकर उसका स्वागत किया। प्रफुल्ल के खिलाफ विभिन्न थानों में 22 मामले दर्ज हैं। सरकार की ओर से प्रफुल्ल के खिलाफ एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। एसपी कार्यालय में आत्मसमर्पण के दौरान प्रफुल्ल की पत्नी और बच्चा भी मौजूद थे। मौके पर जिले के पुलिस कप्तान मनीष टोप्पो ने कहा कि झारखंड सरकार के नक्सल मुक्त राज्य के संकल्प के तहत चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के एरिया कमांडर हाबिल मुंडू उर्फ प्रफुल्ल मुंडा ने सरकारी आत्मासर्पण नीति से प्रभावित होकर समाज की मुख्य धारा में शामिल होने का निर्णय लिया। हाबिल मुरहू प्रखंड के कोड़ाकेल पंचायत अंतर्गत बम्हनी गांव का निवासी है। उसके खिलाफ मुरहू, खूंटी, कर्रा और तोरपा थाना में उग्रवादी हिंसा सहित अन्य संगीन मामलों को लेकर करीब 22 मामले दर्ज हैं।
खूंटी पुलिस कार्यालय में आयोजित सादे समारोह में उपायुक्त आर रॉनिटा और पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो के समक्ष उसने आत्मसमर्पण किया। इस दौरान उपायुक्त ने उसे एक लाख रुपये के चेक का प्रतीकात्मक भेंट किया। मौके पर उसकी पत्नी रंदाय कंडीर अपने पांच माह के पुत्र निलेश मुंडू के साथ मौजूद थी।
एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि हाबिल मुंडू (30) पर झारखंड पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। आत्मसमर्पण के दौरान उसने 09 एमएम पिस्टल, 7.65 एमएम पिस्टल, एक देशी कट्टा, 13 कारतूस और दो वॉकी-टॉकी पुलिस को सौंपे। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर और अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा चलाए जा रहे संयुक्त अभियान से उग्रवादी संगठनों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति नई दिशा का भी सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है।
एसपी के अनुसार, संगठन के भीतर शोषण, भय और सुरक्षा बलों की कार्रवाई से परेशान होकर कई उग्रवादी संगठन छोड़ रहे हैं या आत्मसमर्पण कर रहे हैं। उपायुक्त आर रॉनिटा ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के पुनर्वास की जिम्मेदारी जिला प्रशासन उठाएगा। उन्होंने शेष उग्रवादियों से भी अपील किया कि वे सरकार की नई दिशा नीति से जुड़कर आत्मसमर्पण करें और सामान्य जीवन की ओर लौटें। मौके पर खूंटी के एसडीपीओ वरुण रजक, तोरपा एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा, खूंटी के थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह सहित काफी संख्या में पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

सरहुल, ईद और रामनवमी को लेकर सोनाहातू थाना में शांति समिति की बैठक

सोनाहातू । थाना में सरहुल, ईद,ओर रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक हुई, जिसमें सभी ने आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने का निर्णय लिया और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुझाव दिए। सभी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई, साफ-सफाई, बिजली-पानी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। पर्व के दौरान शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाने, दूसरे समुदाय के धार्मिक भावनाओं का ध्यान रखने पर भी चर्चा हुई। जुलूस में शामिल होनेवाले अखाड़ेधारियों से तय मार्गों से जाने की बात कही गई। पर्व के दौरान शरारती तत्वों के खिलाफ प्रशासन सख्त कार्रवाई करने की बात कही गई। सोशल मीडिया में गलत पोस्ट नहीं करने की बात भी कही गई। मौके पर थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप, एसआई राकेश कुमार, अनूप एक्का, रूपकुमार साहु, आनंद कुमार, भीष्मदेव महतो, तुलसी कोइरी, सनातन लोहारा, योगेश्वर लोहारा, ललित प्रसाद महतो, दिलेश्वर महतो, हराधन महतो, आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों ने गोमदा पेयजलापूर्ति केंद्र को चालू कराने की मांग रखी

राहे। प्रखंड का वृहत जलापूर्ति केंद्र को पुनः चालू कराने की मांग ग्रामीणों ने कॉंग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के समक्ष रखा है। ग्रामीणों के मांग और पेयजल की आवश्यकता को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने विभागीय मंत्री को पत्र लिखकर गोमदा पेयजलापूर्ति केंद्र को चालू कराने की मांग किया है।गोमदा पेयजलापूर्ति केंद्र से राहे ,गोमदा, नावागांव, कटियाडीह गांव के 400 परिवार को पेयजल की आपूर्ति राहे- गोमदा के जलापूर्ति केंद्र से होता रहा है। विगत दो वर्ष से जलापूर्ति बंद है। करोड़ों का पानी टंकी बेकार पड़ा हुआ है। जलापूर्ति केंद्र को पुनः चालू कर देने से संबंधित गांव में पेयजल की समस्या काफी हद तक कम होगी।

इटकी थाना परिसर में गैस सिलिंडर के लिए उपभोक्ताओं की लगी लम्बी कतार

इटकी। इटकी में गैस सिलिंडर को लेकर परेशान लोगों को राहत मिली है । बुधवार को थाना परिसर में भारत गैस ऐजेंसी ने 360 उपभोक्ताओं के बीच गैस सेलेण्डर उपलब्ध कराया। गैस आने की सूचना मिलते ही लोगों खाली सेलेण्डर लेकर भागते पहुंचे, देखते ही देखते थाना परिसर में उपभोक्ताओं भीड़ लग गई। इसके बाद पुलिस ने लम्बी कतार लगा कर बारी बारी से उपभोक्ताओं के बीच गैस सेलेण्डर बटवाया।

सिल्ली में हाथियों का आतंक

सिल्ली। सिल्ली के ग्रामीण इलाकों में हाथियों का आतंक फिर से शुरू हो गया है। बीते रात करीब 10 बजे सिल्ली के चिटा टांड़ गांव में अचानक 6 हांथी आ धमके। गांव एवं आसपास के इलाकों में अफरातफरी मच गई। लोग घरों में ही दुबके रहे। जो लोग बाहर थे वे बाहर ही रह गए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दे दी। वन विभाग ने गांव जाकर हाथियों को खदेड़ कर दूर जगह में भगा दिया। वनपाल जयप्रकाश साहू ने बताया कि ये हाथी मुरहू के निकट के जंगलों के तरफ से उतरे थे। उनको भगाने का काम चल रहा है हाथी अभी लोटा के निकट के जंगलों में शरण लिया हुए है। इनपर लगातार नजर रखी जा रही है। वन विभाग ने आम लोगों से हाथी से अपने आप को सतर्क रखने की सलाह दी है।

अल-फलाह इंटरनेशन स्कूल के कर्मियों को मिला ईद का कीट

प्रातः नागपुरी संवाददाता

कांके। उरुगुट्टू स्थित अल-फलाह इंटरनेशन स्कूल के प्रबंधक सह पूर्व जिला परिषद सदस्य कहीम अंसारी के द्वारा शिक्षक, शिक्षिकाओं व शिक्षकेत्तर कर्मियों को ईद का कीट और ईदी (तोहफा) देकर मुबारकबाद दिया। इस अवसर पर प्रबंधक हकीम अंसारी ने कहा कि ईद का पर्व अमन चैन, भाईचरा और खुशियों का त्योहार है, इसलिए हम सभी एक दूसरे का मुँह मीठा कराते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस वर्ष ईद, सरहुल, गुडफ्राइडे व रामनवमी एक साथ मनाने का अवसर मिला है। हम सभी लोग एक दूसरे का त्योहार को आपसी प्रेम और भाइचारे के साथ मनाएंगे। साथ ही किसी भी तरह का अफवाह से बचना होगा।

कांके में सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम आज, 21 को निकलेगी शोभायात्रा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

कांके। कांके में 47वां झारखंड स्तरीय सरहुल पूर्व संध्या नागपुरी कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित किया गया है। अध्यक्ष रंजीत टोप्पो व महासचिव बिनोद सांगा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक सुरेश कुमार बैठा करेंगे! मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे।
स्थानीय कलाकार पवन, नितेश कच्छप, सुमन गुप्ता, अविनाश नायक, ललिता देवी, पंकज उरांव, राजू केरकेट्टा देवी व राज मौर्य के द्वारा नागपुरी गीत संगीत की प्रस्तुति देंगे। इसके पूर्व कांके सरना समिति के संस्थापक स्वर्गीय शंकर उरांव का प्रतिमा सरना मैदान में अनावरण किया जाएगा। वहीं 21 मार्च को अपने अपने मौजा के पहानों द्वारा पारंपरिक पूजा अर्चना करने के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा पारंपरिक परिधान और ढोल मांदर के साथ कांके सरना मैदान पहुंचेगी। शोभायात्रा में शामिल लोगों का सरना समिति के पदधारियों द्वारा स्वागत किया जाएगा।

रामगढ़ में जिला स्तरीय एफएलएन प्रदर्शनी मेला, मनुवा मांडू विद्यालय प्रथम स्थान पर

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय के सभागार में बुधवार को जिला स्तरीय एफएलएन (बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान) प्रदर्शनी मेला का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार, विशिष्ट अतिथि पीएमश्री विद्यालय के राज्य प्रभारी शशि सिंह, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नलिनी रंजन, उपेंद्र कुमार तथा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार अनल ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर और शॉल ओढ़ाकर किया गया। इस प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न पीएमश्री विद्यालयों ने भाग लिया, जिनमें उत्क्रमित उच्च विद्यालय रजरप्पा प्रोजेक्ट चितरपुर, बरियातू गोला, कूल्ही दुलमी, मनुवा मांडू, तापीन मांडू, मध्य विद्यालय मंझिला टोला रामगढ़, कोईरीटोला रामगढ़ और पाली पतरातु शामिल रहे। मेले में विद्यार्थियों ने शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) के माध्यम से आकर्षक और शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पीएमश्री उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय मनुवा मांडू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रजरप्पा प्रोजेक्ट चितरपुर विद्यालय को द्वितीय और बरियातू विद्यालय को तृतीय स्थान मिला। विजेता विद्यालयों को मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्षों को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने सभी मॉडलों का निरीक्षण करते हुए कहा कि टीएलएम आधारित शिक्षण से बच्चों में व्यावहारिक ज्ञान विकसित होता है और वे अपने आसपास उपलब्ध संसाधनों से सीखने की क्षमता विकसित करते हैं। इससे कठिन विषय भी सरलता से समझ में आते हैं। राज्य प्रभारी शशि सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में नवाचार की भावना को बढ़ावा देते हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वहीं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नलिनी रंजन ने कहा कि ऐसे रचनात्मक कार्यों में भाग लेने वाले बच्चे भविष्य में वैज्ञानिक बनकर देश की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

घर-घर पहुंच रहीं डाक विभाग की योजनाएं

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। डाक विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से हजारीबाग डाक प्रमंडल के निर्देश पर जिले भर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बुधवार को डाक कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को विभिन्न बचत, बीमा और निवेश योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। इस दौरान खाता खोलने का कार्य भी किया जा रहा है। यह अभियान डाक अधीक्षक निरंजन कुमार, सहायक डाक अधीक्षक ब्रजेश कुमार पासवान, डाक निरीक्षक आशीष कुमार पांडेय के दिशा-निर्देश पर संचालित किया जा रहा है। अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि डाक विभाग की योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोग इसका लाभ उठा सकें। अभियान के तहत रामगढ़ सब डिवीजन के मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर राय ने अपने सहकर्मी शुभम सौरव के साथ रामगढ़ थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडेय से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने डाक विभाग की ओर से गंगाजल और विभाग का वार्षिक कैलेंडर भेंट किया और विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडे ने कहा कि आज के समय में सुरक्षित जीवन के लिए बीमा बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे पुरानी और भरोसेमंद बीमा योजनाओं में डाक विभाग की बीमा योजनाएं प्रमुख हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले लोगों को जानकारी के लिए डाकघर जाना पड़ता था, लेकिन अब डाक कर्मचारी स्वयं घर-घर जाकर योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं, जो सराहनीय कार्य है। उन्होंने डाक विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की प्रशंसा की। वहीं मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर राय ने बताया कि अभियान के दौरान कई लोगों के डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, बचत खाता, सुकन्या समृद्धि खाता, भविष्य निधि खाता, आवर्ती जमा खाता खोले गए हैं।

मुरी ओपी में शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। ईद, सरहुल एवं रामनवमी त्योहार को लेकर मुरी ओपी के सभागार में शांति समिति का बैठक ओपी प्रभारी राहुल कुमार मेहता अध्यक्षता में हुई। एवं संचालन मो फारूख ने किया। इस बैठक के मुख्य रूप से अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का उपस्थित थी।उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से ही जुलूस निकाले उन्होंने कहा कि ईद व रामनवमी पूजा व सरहुल पर्व को आपसी भाईचारे के साथ मनाएं। प्रशासन पूरी तरह से असामाजिक तत्व पर नजर रखेगी । त्यौहार में माहौल खराब करने वाले लोगों को किसी भी हालत में बक्सा नहीं जाएगा। मौके पर थाना प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने कहा कि सोशल मीडिया एम व्हाट्सएप ग्रुप पर कड़ी नजर रहेगी ईद व रामनवमी पर्व को लेकर जुलूस निकाली जाएगी जिसे शांतिपुर्व एवं भाईचारे के साथ निकाले डीजे पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगी अश्लील गाना नहीं बजाना है। बैठक में गोपाल केडिया, सुशील महतो, चांद हुसैन, अमित कुमार, शिशुपाल महतो आदि ने भी अपना विचार व्यक्त किए। इस मौके पर श्रीराम कमेटी के सदस्य, सरहुल समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यगण विभिन्न मस्जिद के सदर एवं सदस्य गण रामनवमी अखाड़ा के अध्यक्ष एवं सदस्य गण समेत शांति समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

मत्स्य बीज उत्पादन से जुड़कर आमदनी बढ़ाएं : अमरेन्द्र कुमार

मत्स्य बीज उत्पादकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के दिशा-निर्देश के आलोक में बुधवार को मत्स्य बीज उत्पादकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ हुआ। मत्स्य निदेशक अमरेन्द्र कुमार ने इसका उद्घाटन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रांची, जमशेदपुर, खूंटी, जामताड़ा और पलामू जिले के मत्स्य कृषकों ने भाग लिया। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 बैच में विभिन्न जिलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

निदेशक मत्स्य अमरेन्द्र कुमार ने कहा कि मत्स्य बीज उत्पादन एक मौसमी कार्य है, जिसे अपनाकर किसान स्वरोजगार से जुड़ सकते हैं। प्रशिक्षण के बाद स्वनियोजित होने के लिए अनुदान पर मत्स्य स्पॉन, फीड और फ्राई कैचिंग नेट के साथ साथ रिचार्ज कूपन भी सरकार के द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं।

ब्लाक चेन के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करा कर अपने जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा अनुशंसित कृषक ही इस प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। इस अवसर पर उप मत्स्य निदेशक मनोज कुमार ठाकुर और संजय कुमार गुप्ता सहित विभिन्न जिलों से आए कृषक उपस्थित थे। मौके पर मत्स्य बीज उत्पादक विनोद तिग्गा, लाजरूस एक्का, प्रगतिशील मत्स्य बीज उत्पादकों ने भी अपने अनुभवों को साझा किया। उक्त जानकारी मत्स्य निदेशालय के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

विधायक नवीन जायसवाल की बेटी के विवाह उपरांत समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री, नवदंपति को दिया आशीर्वाद

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन बुधवार को रांची के कटहल मोड़ स्थित दीपाटोली में हटिया से विधायक नवीन जायसवाल के आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां विधायक नवीन जायसवाल की पुत्री माही जायसवाल के विवाह के बाद आयोजित आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की और हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस

मौके पर कल्पना सोरेन ने भी नवदंपति को मंगलकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायक नवीन जायसवाल और उनके परिवारजनों से मुलाकात कर खुशी व्यक्त की और पारिवारिक माहौल में कुछ समय बिताया।

संक्षिप्त

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को भेंट की झारखंड राइजिंग पुस्तक

रांची। रांची स्थित झारखंड मंत्रालय में बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को राज्य सरकार की ओर से प्रकाशित झारखंड राइजिंगः ए ग्लोबल स्टोरी पुस्तक और एक कॉफी टेबल बुक भेंट की। इस पुस्तक में जनवरी माह में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के दावोस और यूनाइटेड किंगडम (लंदन) दौरे का विस्तृत विवरण शामिल है, जबकि कॉफी टेबल बुक में राज्य सरकार के विकासात्मक कार्यों की समग्र जानकारी प्रस्तुत की गई है। मौके पर मुख्यमंत्री ने संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को भी झारखंड राइजिंगः ए ग्लोबल स्टोरी पुस्तक और कॉफी टेबल बुक भेंट की।

कांग्रेस का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, राहुल गांधी भी करेंगे मार्गदर्शन

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत देशभर में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों का चयन किया गया है। संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से चयनित अध्यक्षों के लिए अब विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में झारखंड के चाईबासा स्थित ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर (टीआरटीसी) में झारखंड और ओडिशा के डीसीसी अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर 22 से 31 मार्च तक चलेगा। मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने बुधवार को बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना, जिला स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि शिविर में जनसंपर्क, संगठन विस्तार, राजनीतिक रणनीति और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

झारखंड विस : जगराहा डैम पर सरकार लाएगी नई योजना, बिजली विभाग में जल्द होगी भर्ती

बजट सत्र के 17वें दिन चंदवा स्थित जगराहा डैम का मुद्दा सदन में उठा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची में चल रहे झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 17वें दिन बुधवार को चंदवा स्थित जगराहा डैम का मुद्दा सदन में प्रमुखता से उठा। इस दौरान जल संसाधन विभाग की नई योजना की महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। जमशेदपुर पूर्व से विधायक सरयू राय ने डैम की वर्तमान स्थिति को लेकर सरकार से कई सवाल पूछे।

उन्होंने बताया कि टोरी रेलवे स्टेशन (चंदवा) के पास एक प्राकृतिक भूगर्भ जल स्रोत है, जहां से निरंतर स्वच्छ पानी निकलता है और करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित जगराहा डैम में जाकर जमा होता है। उन्होंने कहा कि यह डैम चंदवा क्षेत्र में जलापूर्ति और मत्स्य पालन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में डैम में प्लास्टिक, गाद, जलकुंभी और कचरे का जमाव बढ़ गया है, जिससे इसकी गहराई घट रही है और जलमार्ग संकरा होता जा रहा है। सरयू राय ने यह भी बताया कि डैम की सिंचाई क्षमता लगभग दो हेक्टेयर है और यह आसपास के क्षेत्र के भूजल स्तर को संतुलित रखने में भी मदद करता है। उन्होंने डैम में पानी लाने वाले नाले की सफाई और मरम्मत कराने की मांग की। इस पर जवाब देते हुए जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा कि यह डैम निजी जमीन (राजा की संपत्ति) में आता है, इसलिए विभाग सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि वर्तमान नीति के तहत पांच एकड़ से बड़े तालाबों का ही जीर्णोद्धार और सौंदर्याकरण किया जाता है। हालांकि, मंत्री ने एक अहम घोषणा करते हुए कहा कि सरकार जल्द नई योजना लाने जा रही है, जिसके तहत अब 2.5 एकड़ तक के छोटे तालाबों का भी जीर्णोद्धार और सौंदर्याकरण किया जाएगा। इससे छोटे जलस्रोतों के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

बिजली विभाग में जल्द शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

सदन में बिजली विभाग में रिक्त पदों को लेकर भी चर्चा हुई। डुमरी से विधायक जयराम महतो ने कहा कि पर्याप्त कर्मचारियों की कमी के कारण बिजली व्यवस्था प्रभावित हो रही है और लंबे समय से पद खाली पड़े हैं। इस पर ऊर्जा मंत्री योगेंद्र महतो ने जानकारी दी कि नियुक्ति के लिए नियमावली तैयार कर ली गई है और जल्द ही रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इससे विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी और बिजली आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी।

मां छिन्नमस्तिका मंदिर सौंदर्यीकरण मामला : हाईकोर्ट ने रामगढ़ डीसी को तलब किया, अगली सुनवाई 25 मार्च को

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में बुधवार को रामगढ़ के प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण से जुड़े मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने आदेश के अनुपालन को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष रामगढ़ के उपायुक्त (डीसी) पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि निदेशों के तहत कुछ कार्य पूरे कर लिए गए हैं, जबकि कुछ कार्य अभी शेष हैं। उन्होंने जानकारी दी कि मंदिर परिसर में करीब आठ चेंजिंग रूम बनाए गए हैं और आसपास स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गई है। साथ ही सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कुछ कंपनियों के साथ एमओयू भी किया गया है। हालांकि, अदालत ने कार्यों को संतोषजनक नहीं मानते हुए अगली सुनवाई में पर्यटन सचिव और रामगढ़ डीसी दोनों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। अदालत ने आदेश के अनुपालन से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को निर्धारित की गई है। खंडपीठ ने रामगढ़ डीसी को मंदिर परिसर के आसपास अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही नदी तट पर रेड जोन बनाकर घेराबंदी करने को कहा, ताकि डूबने की घटनाओं को रोका जा सके।

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा में कोएलिसेन्स 26 का समापन

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा में आयोजित कोएलिसेन्स 26 का समापन हुआ। यह एक तकनीकी कार्यक्रम था, जिसका आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स (आईआईसीएई) स्टूडेंट चैप्टर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में वक्ता सत्रों और रसायन अभियंत्रण के प्रमुख अनुप्रयोगों पर आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत उद्घाटन समारोह के साथ हुई। इसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे से पराग भार्गव, केमिकल लोटे से जितेंद्र लोटे तथा कोल इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधक रोशन कुमार ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। उन्होंने इंजीनियरिंग और सार्वजनिक क्षेत्र में अपने व्यावसायिक अनुभव साझा किए। सत्रों में शैक्षणिक मार्ग, शोध को औद्योगिक उपयोग में बदलने की प्रक्रिया और इंजीनियरिंग से प्रबंधन क्षेत्र तक के करियर विकास पर चर्चा की गई।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

रांची। पर्यावरणीय स्थिरता एवं उन्नत सामग्रियों के क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 18-19 मार्च 2026 को किया गया। इस कार्यशाला का समन्वयन भौतिकी विभाग की डॉ. निशी श्रीवास्तव द्वारा किया गया, जबकि सह-समन्वयक के रूप में फार्मास्यूटिकल एंड टेक्नोलॉजी विभाग की डॉ. नीलिमा शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीसीएल के स्वास्थ्य शिविर में 146 लोगों की हुई जांच

रांची। सीसीएल के जन आरोग्य केन्द्र, गांधीनगर ने 18 मार्च, 2026 को धावन नगर बस्ती में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने 146 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की। उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। शिविर में विशेष रूप से हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, हाइपरटेंशन सहित विभिन्न रोगों की जांच की गई। सभी लाभार्थियों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर के सफल आयोजन में डॉ. भरत सिंह (सीएमओ इंचार्ज, गांधीनगर), डॉ. प्रीति तिग्गा (सीएमओ, सीएसआर इंचार्ज), डॉ. अनिता होरो, डॉ. रजनी कुजूर, डॉ. सत्यप्रकाश रंजन, डॉ. शिल्पी झा, डॉ. मेघा, डॉ. साइम, मुन्ना कुमार सिंह एवं सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

आरटीई से पहले टेट को मान्य नहीं किया जा सकता

शिक्षक संघ ने शिक्षा सचिव से की वार्ता, कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने भी की बात

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) के तहत निर्धारित की गई योग्यता एवं शर्त है। इसलिए आरटीई से पूर्व के नियुक्त शिक्षकों के लिए इसे अनिवार्य नहीं किया जाना चाहिए। इस मांग को लेकर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल शिक्षा सचिव उमा शंकर सिंह से मिला। तथ्यों को रखा। संघ ने शिक्षा सचिव को इस बात से भी अवगत कराया कि इस संबंध में एक सितंबर, 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित प्रतिकूल आदेश के विरुद्ध इस समय देश भर से लगभग चालीस पुनर्विचार याचिका दायर है। इसमें झारखंड के शिक्षकों सहित देश की कई राज्य सरकारों जैसे पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिसा, त्रिपुरा, मेघालय, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड आदि के द्वारा दायर याचिकाएं भी है। संघ ने शिक्षा सचिव से यह भी मांग किया कि टेट की अनिवार्यता के प्रतिकूल न्यायादेश के विरुद्ध अन्य राज्य सरकारों की तरह झारखंड सरकार को भी रिव्यू पिटीशन दायर करनी चाहिए। शिक्षा सचिव ने संघ के तथ्यात्मक पक्ष से सहमति जताते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी राज्य के शिक्षक हितों को समझते हुए विषय पर संज्ञान लिया। उन्होंने भी शिक्षा सचिव से दूरभाषिक बात कर टेट की अनिवार्यता को भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं करने की बात कही। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी, महासचिव राम मूर्ति ठाकुर, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, राजेश कुमार सिन्हा और सुधीर कुमार वर्मा शामिल थे।

झारखंड के कई जिलों में ओलावृष्टि और वज्रपात का अलर्ट

70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी आंधी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में मौसम ने करवट ले ली है। मौसम विभाग ने 20 मार्च को राज्य में गर्जन के साथ वज्रपात और ओलावृष्टि की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने की संभावना है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। विभाग ने बताया कि 21 मार्च तक राज्य के कई जिलों में हल्की

बारिश, गर्जन और वज्रपात की स्थिति बनी रह सकती है। इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जो मौसम के आंशिक रूप से खराब रहने का संकेत देता है।

तापमान की बात करें, तो पिछले 24 घंटों में डाल्टनगंज में सबसे अधिक 36.8 डिग्री सेल्सियस और कोडरमा में सबसे कम 14.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रहे, जिससे धूप की तीव्रता कुछ कम महसूस की गई।

गौरतलब है कि राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में पिछले चार-पांच दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। इस दौरान बादल, बारिश और तेज हवाओं के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है और तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री और न्यूनतम 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.1 और न्यूनतम 23.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 36.8 और न्यूनतम 19.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.2 और न्यूनतम 20.5 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 34.8 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

भक्तिमय माहौल में पांच दिवसीय श्रीराम कथा का समापन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। पिस्कामोड़ स्थित हरे कृष्ण मार्ग, नॉर्थ लक्ष्मी नगर में आयोजित 5 दिवसीय श्रीराम कथा का समापन भक्तिमय वातावरण और महाभंडारे के साथ संपन्न हुआ। हरे कृष्ण सत्संग ग्रुप द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। वृंदावन से पधारे 82 वर्षीय वरिष्ठ कथाकार संगीत माधव दास ने बालकांड के प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण और विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने भगवान श्रीराम के जन्म से जुड़े दिव्य रहस्यों को समझाते हुए कहा कि भगवान का जन्म सामान्य मनुष्यों की तरह नहीं, बल्कि दिव्य और अलौकिक होता है। कथावाचन के दौरान उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के प्रसिद्ध श्लोक जन्म कर्म च मे दिव्यम... का उल्लेख करते हुए बताया कि जो व्यक्ति भगवान के जन्म और कर्म के दिव्य स्वरूप को समझ लेता है, उसे

पुनर्जन्म से मुक्ति मिल जाती है। उन्होंने भगवान श्रीराम के प्रकट होने की लीला का मार्मिक चित्रण करते हुए बताया कि भगवान पहले चतुर्भुज रूप में प्रकट हुए, जिसे देखकर माता कौशल्या भावविभोर हो गईं। बाद में माता के आग्रह पर भगवान बाल रूप धारण कर रोने लगे, जिससे मातृ स्नेह की अनुभूति हुई। इस प्रसंग को उन्होंने मधुर भजनों के साथ प्रस्तुत किया, जिससे पूरा कथा स्थल भक्तिरस में डूब गया। भए प्रगट कृपालाद्ध जैसे भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कथा के समापन पर महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन को सफल बनाने में रामजतन शर्मा, पंकज लाल, ओम प्रकाश स्वर्णकार, कलावती देवी, रीता देवी सहित कई श्रद्धालुओं और सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अल्बर्ट एक्का चौक पर सजी भक्ति और उत्सव की झलक

रांची में हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। शहर के अल्बर्ट एक्का चौक पर हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर भव्य दीपोत्सव और आतिशबाजी का आयोजन किया गया। हिंदू जागृत मंच द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों ने बीते वर्ष को विदाई देते हुए नए वर्ष के स्वागत में खुशियां मनाईं। कार्यक्रम के दौरान दीप जलाकर, आतिशबाजी कर और मिठाइयां बांटकर उत्सव का माहौल बनाया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने इस मौके पर एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

मंच के संस्थापक लाल ऋषिनाथ शहदेव ने सभी सनातनियों को हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नया साल सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियां लेकर आए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस पर्व को पूरे उत्साह और धूमधाम से मनाएं। वहीं मंच के सदस्य सुजीत सिंह ने कहा कि हिंदू नववर्ष के साथ ही चैत्र नवरात्र की शुरूआत होती है,

इसलिए इस दिन पूजा-पाठ, प्रसाद और पारंपरिक पकवानों के साथ उत्सव मनाना चाहिए और आसपास के लोगों को भी इसमें शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर मंच के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। पूरे कार्यक्रम में भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक एकता की झलक देखने को मिली।

गवर्नमेंट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। कांके स्थित गवर्नमेंट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में एक शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका विषय रोल ऑफ ईएलटी एंड बेसिक्स ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस फॉर पैडागोजी टीचिंग था। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशिक्षु शिक्षकों अमित कुमार सानू, अचिंत्य, मनीष, विजय तिरु, सरुप, आकृति भारद्वाज, शिवम, अमन प्रभात, श्रीकांत कुमार राणा, अमित कुमार सिंह, प्रविंद, आदर्श, तनवीर, आलोक, सोमनाथ एवं प्रेम प्रभात ने एआई, डेटा साइंस एवं ईएलटी के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी भारत

सरकार झारखंड-बिहार के कार्यकारी निदेशक (प्रो.) डॉ. नितिन पूरी ने कहा कि साइबर सिक्योरिटी एवं डेटा सिक्योरिटी आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। विशेष रूप से शिक्षकों और ट्रेनी टीचर्स के लिए, ताकि वे क्लासरूम टीचिंग को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बना सकें। उन्होंने विभिन्न कोर्सेज की जानकारी देते हुए बताया कि बी.एड. के साथ-साथ भी इन पाठ्यक्रमों को किया जा सकता है तथा इंटर्नशिप की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इस अवसर पर सचिन धर द्विवेदी द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष कक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गवर्नमेंट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के शिक्षक डॉ. ओम प्रकाश ने कहा कि शिक्षण शास्त्र को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा के साथ-साथ स्टेम की समझ आवश्यक है, अन्यथा हम तकनीकी धोखाधड़ी (स्कैम) का शिकार हो सकते हैं।

पश्चिमी सिंहभूम में अवैध साल लकड़ी से भरा 12 चक्का ट्रक जब्त

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले में वन विभाग ने बंदगांव थाना क्षेत्र के पोड़ाहाट वन क्षेत्र से अवैध लकड़ी से भरा एक 12 चक्का ट्रक जब्त किया है। ट्रक में भारी मात्रा में साल की लकड़ी लदी हुई थी। हालांकि वन कर्मियों को देखते ही चालक और उसके साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, सोंगरा-केरा वन क्षेत्र के रेंजर तरुण कुमार सिंह को मंगलवार शाम गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध लकड़ी की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम का गठन कर हेसाडीह क्षेत्र में छापेमारी के लिए भेजा गया। रात करीब 10 बजे टेबो जंगल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-75ई पर संदिग्ध ट्रक को रोका गया, लेकिन चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। तलाशी के दौरान ट्रक से 75 से 80 पीस साल लकड़ी के बोटे बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत सात से आठ लाख रुपये बताई जा रही है। वन विभाग की टीम ट्रक को जब्त कर चक्रधरपुर कार्यालय ले आई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि ट्रक पर लगा नंबर फर्जी है और उस पर चाईबासा का नया रजिस्ट्रेशन नंबर दर्शाया गया है। अब विभाग चेसिस नंबर के आधार पर वाहन के वास्तविक मालिक की पहचान करने में जुटा है। वन विभाग ने अज्ञात तस्करों और वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ड्यूटी के बाद गेट पर गिरकर ठेका कर्मी की मौत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। शहर के औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार की रात एक ठेका कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसके बाद बुधवार की सुबह परिजनों में आक्रोश फैल गया। मृतक की पहचान बमार्माइन्स निवासी सत्यनारायण निशाद (48) के रूप में हुई है, जो टाटा स्टील में ठेका के तहत कार्यरत थे। मिली जानकारी के अनुसार सत्यनारायण निशाद की ड्यूटी दिन 2 बजे से रात 10 बजे तक थी। ड्यूटी समाप्त कर जैसे ही वे कंपनी गेट के बाहर निकले, अचानक चक्कर खाकर गिर पड़े। गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने तत्काल इसकी सूचना कंपनी प्रबंधन को दी। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से टाटा मेन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों का आरोप है कि मृतक के साथ काम करने वाली कंपनी और ठेकेदार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। बुधवार की सुबह ठेकेदार द्वारा परिवार को सहयोग और उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन सुबह 9:30 बजे तक ठेकेदार के नहीं पहुंचने से परिजनों का गुस्सा भड़क गया। नाराज परिजनों ने साफ कहा कि यदि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और सहायता नहीं मिली, तो वे कंपनी गेट पर प्रदर्शन और जाम करेंगे। मौके पर माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन की नजर बनी हुई है।

संक्षिप्त

चतरा में एसएसबी जवान ने खुद को गोली मारकर की खुदकुशी

चतरा। सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत शिला पिकेट में मंगलवार देर रात एसएसबी के एक जवान ने खुदकुशी कर ली। देर रात अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर साथी जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक जवान गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर चुका था। जानकारी के अनुसार, जवान ने अपनी ही सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। घटना के बाद पिकेट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल अवस्था में जवान को संभालने की कोशिश की गई, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत जवान की पहचान प्रह्लाद सिंह के रूप में हुई है। वे एसएसबी की 35वीं बटालियन में तैनात थे और झारखंड के देवघर जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

ड्यूटी के दौरान ट्रेन मैनेजर देवेंद्र शर्मा की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। ड्यूटी निभाते हुए रेलवे के ट्रेन मैनेजर देवेंद्र शर्मा (57) की मौत हो गई। वे जमशेदपुर के परसुडीह स्थित मां दुर्गा अपार्टमेंट फेज-6 के निवासी थे। घटना के बाद रेलवे की कार्यप्रणाली और कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, देवेंद्र शर्मा ने अपने करियर की शुरूआत ट्रेन्स क्लर्क के रूप में की थी। वर्ष 2004 में वे गार्ड बने, जिसे अब ट्रेन मैनेजर (गुड्स) कहा जाता है। चक्रधरपुर, आदित्यपुर और टाटा में सेवा देने के बाद हाल ही में वे ट्रेन मैनेजर (पैसेंजर) के रूप में चक्रधरपुर में पदस्थापित थे। बताया जा रहा है कि 16 मार्च 2026 की शाम करीब 5 बजे वे ट्रेन संख्या 12869 लेकर हावड़ा के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, लेकिन उन्होंने ट्रेन को बीच रास्ते में नहीं रोका। सहकर्मियों का आरोप है कि प्रशासनिक दबाव और कार्रवाई के डर से उन्होंने खराब हालत में भी ड्यूटी जारी रखी। करीब 11 घंटे की ड्यूटी के बाद 17 मार्च 2026 को सुबह 3:15 बजे उन्होंने ट्रेन को हावड़ा स्टेशन पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने अपनी तबीयत खराब होने की सूचना संतरागाछी गार्ड रोस्टर को दी, लेकिन कुछ ही देर में वे प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े।

सभी पर्व-त्योहार खुशनुमा माहौल में मनाएं : डॉ. ताराचंद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। ईद, सरहुल व रामनवमी को लेकर उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक नगर भवन में आयोजित हुई। इसमें उपायुक्त ने कहा कि आनेवाले दिनों में ईद, सरहुल, रामनवमी, चैती दुर्गा पूजा, चैती छठ, गुड फ्राईडे के त्योहार मनाये जाने हैं। यह सभी के लिए विशेष महीना है। हम सभी को यह पर्व-त्योहार मिलकर मनाना है।

उपायुक्त ने कहा कि ऐसा कोई भी कार्य ना करें जिससे जिला व राज्य की छवि देश में धूमिल हो। पुरानी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। सभी अपने गांव-मोहल्ले में सतर्क रहें और कभी भी असामाजिक तत्वों को संरक्षण देने का कार्य नहीं करें। गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखें। पर्व त्योहारों में नागरिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा। सभी पर्व-त्योहार खुशनुमा माहौल में मनाएं। पर्व-त्यौहारों में दण्डाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति रहेगी। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना को जिला प्रशासन के साथ साझा करें। किसी घटना को बड़ा ना होने दें। समय पर सूचना मिलने से प्रशासन तत्काल कार्रवाई करेगी। सभी धर्म, समुदाय हैं। आपस में सभी का सम्मान करें। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि किसी भी सूचना को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के लिए सोशल मीडिया आज एक सशक्त माध्यम है। इसके दुरूपयोग की भी आशंका बहुत अधिक हैं। किसी भी तरह के अफवाह को प्रसारित करने से बचें।

जिला प्रशासन की टीम की नजर सभी सोशल मीडिया अकाउंट पर है। अपने-अपने क्षेत्र में सभी अंचल अधिकारी व थाना प्रभारी आपस में समन्वय के साथ कार्य करें। गाईडलाइन के अनुसार फ्लैग मार्च भी करें। संवदेनशील रूट का संयुक्त निरीक्षण भी कर लें। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, नगर परिषद उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर अली, जिला परिषद संदीप कुमार समेत विभिन्न प्रखंडों से आए शांति समिति के सदस्यों ने भी अपने विचार रखे।

कांड्रा में अवैध बालू लदा हाइवा जब्त

सरायकेला। कांड्रा थाना क्षेत्र में खनन विभाग ने अवैध बालू के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार की अहले सुबह एक हाइवा को जब्त किया। यह कार्रवाई कांड्रा स्थित पेट्रोल पंप के समीप की गई। मिली जानकारी के अनुसार खनन विभाग को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि इचागढ़ थाना क्षेत्र से अवैध रूप से बालू का उठाव कर कांड्रा, आदित्यपुर और कपाली क्षेत्रों में आपूर्ति की जा रही है। सूचना के आधार पर खनन विभाग ने एक टीम गठित कर कांड्रा थाना के मुख्य मार्ग पर जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान बालू लदे एक हाइवा को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक टीम को देखकर वाहन लेकर भागने लगा। हालांकि स्थानीय पुलिस के सहयोग से वाहन को पकड़कर जब्त कर लिया गया और कांड्रा थाना को सुपुर्द कर दिया गया। जब्त हाइवा के संबंध में बताया जा रहा है कि इसका मालिक भक्तों कुंभकार है। सूत्रों के अनुसार भक्तों कुंभकार क्षेत्र में कथित रूप से बड़े बालू कारोबारियों में गिने जाते हैं और उनके पास 8 से 10 हाइवा वाहन बताए जाते हैं। बताया जाता है कि ये वाहन इचागढ़ क्षेत्र से बालू उठाकर बंगाल का चालान दिखाते हैं। फिलहाल खनन विभाग द्वारा जब्त बालू और वाहन से संबंधित कागजातों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

देवघर पुलिस ने बेटियों को किया जागरूक

देवघर। जिले में पुलिस प्रशासन लगातार समाज को जागरूक करने में जुटा है। इसी कड़ी में बुधवार को देवीपुर थाना क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने छात्राओं को साइबर फ्रॉड, पोक्सो एक्ट और ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं को बताया गया कि साइबर ठग कैसे ओटीपी, केवाईसी अपडेट और लॉटरी जैसे झांसे देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक से सावधान रहने और जरूरत पड़ने पर 1930 हेल्पलाइन पर तुरंत संपर्क करने की सलाह दी गई। पोक्सो एक्ट के तहत बच्चियों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करते हुए बताया गया कि किसी भी तरह का गलत स्पर्श या छेड़छाड़ एक गंभीर अपराध है। ऐसी स्थिति में बिना डर के तुरंत परिजनों, शिक्षकों या पुलिस को सूचित करें। ट्रैफिक नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट पहनने, मोबाइल का उपयोग न करने और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की अपील की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आत्मसुरक्षा और कानून के प्रति जागरूक बनाना था। विद्यालय प्रबंधन ने भी पुलिस के इस प्रयास की सराहना की।

पश्चिमी सिंहभूम में अवैध महुआ शराब भट्टी ध्वस्त 4000 किलो जावा महुआ नष्ट, आरोपित फरार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लतारसीका में उत्पाद विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित महुआ शराब भट्टी को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरणों को भी नष्ट कर दिया गया तथा करीब 4000 किलोग्राम जावा महुआ को विनष्ट किया गया। यह छापेमारी बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर की गई। उत्पाद निरीक्षक निर्भय कुमार सिन्हा ने बताया कि सहायक आयुक्त उत्पाद को सूचना मिली थी कि लतारसीका गांव में बड़े पैमाने पर अवैध महुआ शराब का निर्माण किया जा रहा है। इसके बाद विशेष टीम का गठन कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके से कई अस्थायी भट्टियां, ड्रम, पाइप, प्लास्टिक कंटेनर और अन्य उपकरण बरामद हुए, जिनका उपयोग अवैध शराब बनाने में किया जा रहा था। साथ ही भारी मात्रा में जावा महुआ भी मिला, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया, ताकि उसका दोबारा इस्तेमाल न हो सके। हालांकि, कार्रवाई की भनक लगते ही अवैध कारोबार में शामिल लोग मौके से फरार हो गए। विभाग द्वारा उनकी पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चाकुलिया नगर परिषद की नई अध्यक्ष ने ली शपथ

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। चाकुलिया नगर परिषद की नई अध्यक्ष ने ली शपथ, विकास को प्राथमिकता देने का संकल्प जमशेदपुर पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला अनुमंडल सभागार में बुधवार को आयोजित एक गरिमामय समारोह में चाकुलिया नगर परिषद की नव निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती सोमवारी सरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। यह शपथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने दिलाई। समारोह के दौरान उपायुक्त ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे नगर क्षेत्र के विकास, जनहित और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगी। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए निष्पक्ष और जनोन्मुखी कार्यशैली अपनाना आवश्यक है।

सरहुल की पूर्व संध्या पर पुलिस लाइन में उत्सव का माहौल

लोहरदगा। सरहुल की पूर्व संध्या पर पुलिस लाइन बक्सीडीपा में उत्सव का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ आम लोगों ने पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य के साथ खुशियां साझा की। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, अपर समाहर्ता जितेंद्र कुमार मुंडा, जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव, संदीप साहू समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। सभी ने सरहुल की उमंग में सराबोर होकर एक साथ झूमते-गाते हुए सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया। पुलिस लाइन परिसर में पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-नगाड़ों और लोकगीतों की गूंज ने पूरे माहौल को उत्सवी बना दिया। अधिकारियों ने भी स्थानीय संस्कृति के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए नृत्य में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में मौजूद लोगों का उत्साह और बढ़ गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आस्था, समाज की एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से प्रशासन और आमजनो के बीच बेहतर संबंध स्थापित होते हैं तथा सामाजिक सौहार्द को मजबूती मिलती है।

जमशेदपुर में घर के अंदर गिरने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र स्थित भुइयांडीह छायानगर में मंगलवार रात एक हादसे में 55 वर्षीय रवींद्र प्रसाद की मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक के परिजनों के अनुसार, रवींद्र प्रसाद रात करीब आठ बजे अपने घर में पलंग पर बैठकर टीवी देख रहे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जैसे ही वे टीवी बंद करने के लिए उठे और नीचे उतरने लगे, अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे जोर से जमीन पर गिर पड़े। गिरते ही उनकी हालत गंभीर हो गई और उन्हें खून की उल्टियां होने लगीं, जिससे घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तुरंत उन्हें इलाज के लिए लेकर निकले और करीब रात दस बजे एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनो ने बताया कि रवींद्र प्रसाद पिछले डेढ़ साल से डायबिटीज और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे, जिसके कारण उनका स्वास्थ्य पहले से ही कमजोर था। अचानक हुई इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। घर में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि रवींद्र प्रसाद गोलगप्पा बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं, जिनकी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी।

शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहारों को मनाने का की अपील

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। जिला में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी, ईद एवं सरहुल पर्व सम्पन्न कराने को लेकर बुधवार को समाहरणालय भवन के सभागार में उपायुक्त गढ़वा, दिनेश यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शान्ति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार समेत जिले के अन्य संबंधित वरीय पदाधिकारी एवं शांति समिति के सदस्यों के रूप में विभिन्न प्रखंडों से आए जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।

बैठक में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी पर्व संपन्न कराने की बात कही गई। साथ ही ईद एवं सरहुल पर्व को भी शांतिपूर्ण माहौल में आपसी भाईचारे से मनाने की बात कही एवं मौके पर उपस्थित शांति समिति के सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की कार्रवाई प्रारंभ की गई। बैठक में विभिन्न प्रखंडों से आए शांति समिति के सदस्यों ने एक-एक कर पूर्व के दिनों में मनाए गए त्योहारों की जानकारी दी। सभी ने जिला प्रशासन को भरोसा दिलाया कि पूर्व के दिनों में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना गढ़वा जिला में घटित नहीं हुई है। किसी भी त्योहार में हम सभी जाति, धर्म, समुदाय के लोग आपसी भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में हंसी खुशी से हर पर्व को मनाते आ रहे हैं एवं एक दूसरे के त्योहारों में आपसी सहयोग एवं समन्वय स्थापित करने की भी जानकारी दी। उपायुक्त ने खुशी व्यक्त करते हुए शांति समिति के सदस्यों से आगे भी इसी प्रकार प्रेम और भाईचारा का संदेश देते हुए जिले का उदाहरण प्रस्तुत करने की बात कही।

मझीआंव नगर पंचायत के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने ली शपथ

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त (नगरपालिका) दिनेश यादव ने बुधवार को अनुमंडल सभागार में आयोजित समारोह में मझीआंव नगर पंचायत की नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुमित्रा देवी एवं सभी वार्ड पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि वे संविधान के अनुरूप अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्य करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि मझीआंव के विकास के लिए प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

शपथ ग्रहण के उपरांत नगर पंचायत के उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस चुनाव में दो अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिसमें सुमन विश्वकर्मा को 6 मत प्राप्त हुए। विकास कुमार सिंह को 5 मत मिले। एक मत अमान्य घोषित किया गया।

निवार्ची पदाधिकारी-सह-गढ़वा भूमि सुधार उपसमाहर्ता रविश राज सिंह ने सुमन विश्वकर्मा को विजयी घोषित करते हुए जीत का प्रमाणपत्र प्रदान किया। इसके बाद नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष को नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में मझीआंव नगर पंचायत अध्यक्ष पद के निवार्ची पदाधिकारी रविश राज सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, बीडीओ कुमार नरेन्द्र नारायण, अंचल अधिकारी सफी आलम सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हरिहरगंज नगर पंचायत के अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों ने ली शपथ, सुशील बने उपाध्यक्ष

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त (नगरपालिका) समीरा एस ने बुधवार को हरिहरगंज नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी और सभी वार्ड पार्षदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपायुक्त ने नगरवासियों को शान्तिपूर्ण मतदान कराने में सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधि संविधान का पालन करते हुए अपने क्षेत्राधिकार का उपयोग विकास कार्यों के लिए करें। इसके लिए सभी सार्थक सहयोग प्रशासन देगा। उपायुक्त ने कहा कि हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए बेहतर क्रियान्वयन को लेकर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष पद के निवार्ची पदाधिकारी विजय केरकेट्टा, वार्ड पार्षद पद के निवार्ची पदाधिकारी बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी और सीओ मनीष कुमार सिंहा सहित अन्य मौजूद थे। अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों के शपथ ग्रहण के बाद उपाध्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। उपाध्यक्ष के चुनाव में दो अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिसमें सुशील कुमार रवि को कुल 10 मत मिले, जबकि बृजनंदन साव को मात्र 06 वोट प्राप्त हुए। इस तरह निवार्ची पदाधिकारी ने सुशील कुमार रवि को जीत का प्रमाणपत्र सौंपा। वहीं नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष को अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मौके पर सीओ मनीष कुमार सिन्हा, बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी सहित अन्य कई संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बाद में नगर पंचायत कार्यालय में कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी की अध्यक्षता में समारोह आयोजित कर नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी वार्ड पार्षदों को कानून की किताबें, बैग और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्कूल में हंगामा कर रहे युवक को किया पुलिस के हवाले

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र स्थित जोजोगुटू गांव के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक स्कूल परिसर में घुसकर हंगामा करने लगा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों ने मिलकर युवक को काबू में किया और रस्सी से बांध दिया, जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार युवक अचानक स्कूल में घुस आया और बेवजह उत्पात मचाने लगा। उसने प्रधानाध्यापक गुरेश दाराय के साथ हाथापाई की और शिक्षक-शिक्षिकाओं व छात्रों के साथ अभद्र व्यवहार किया। इससे स्कूल में पढ़ रहे बच्चों के बीच दहशत फैल गई। स्थिति बिगड़ती देख शिक्षकों और कुछ छात्रों ने साहस दिखाते हुए युवक को पकड़ लिया। काफी मशक्कत के बाद उसे काबू कर रस्सी से बांधा गया, ताकि वह किसी को नुकसान न पहुंचा सके। बाद में युवक की पहचान रमेश गुड़िया (20) के रूप में हुई, जो इसी विद्यालय का पूर्व छात्र बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार घटना के समय वह नशे की हालत में था। प्रधानाध्यापक ने बताया कि वह पहले भी इस तरह की हरकत कर चुका है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। विद्यालय की शिक्षिका नीता चेरूवा ने बताया कि रमेश पहले पढ़ाई में अच्छा था, लेकिन नशे की लत ने उसका जीवन प्रभावित कर दिया।

संक्षिप्त

फंदे से लटक कर किशोरी ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। टेल्को थाना क्षेत्र अंतर्गत जेम्को मनीफीट इलाके में बुधवार की सुबह में 16 वर्षीय किशोरी ने अपने घर में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान सरस्वती विश्वकर्मा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय घर पर कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था। सुबह जब परिजन घर लौटे तो उन्होंने सरस्वती को कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत टेल्को थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में किसी तरह के संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं, जिससे प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना के पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किशोरी ने यह कदम क्यों उठाया। साथ ही उसके मोबाइल और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

शपथ ग्रहण समारोह में नए जनप्रतिनिधियों ने संभाली जिम्मेदारी

धनबाद। धनबाद समाहरणालय के मुख्य सभागार में बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने अपने पद और कर्तव्यों की शपथ ली। धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित मेयर संजीव सिंह को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही नगर निगम के सभी 55 वार्डों के पार्षदों को भी शपथ दिलाई गई। सभी जनप्रतिनिधियों ने शहर के विकास, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में चिरकुंडा नगर परिषद की अध्यक्ष सुनीता देवी को उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने शपथ दिलाई। उन्होंने अपने क्षेत्र के समग्र विकास और जनहित में कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर कई प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने मेयर व वार्ड पार्षदों को दिलाई शपथ

मेयर ने नवनिर्वाचित उप महापौर अरुण कुमार चौहान को दिलाई शपथ

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी नगरपालिका सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 में धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित मेयर श्री संजीव सिंह एवं सभी 55 वार्ड पार्षदों को समाहरणालय के प्रथम तल पर स्थित सभागार में शपथ दिलाई। सर्वप्रथम उपायुक्त ने धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित मेयर संजीव सिंह को शपथ दिलाई। इसके बाद धनबाद नगर निगम के सभी 55 वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद धनबाद नगर निगम के उप महापौर के लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया। मतदान और मतगणना के बाद अरुण कुमार चौहान विजय घोषित किए गए। अरुण कुमार चौहान को 50 वोट प्राप्त हुए। दूसरे स्थान पर श्रीमती मेनका सिंह को 5 वोट प्राप्त हुए। नगर निगम चुनाव में महापौर के निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने नवनिर्वाचित उप महापौर को प्रमाण पत्र सौंपा। इसके बाद धनबाद नगर निगम के मेयर संजीव सिंह ने उप महापौर को शपथ दिलाई। इस मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी नगरपालिका मुकेश कुमार बाउरी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी बाल किशोर महतो, विशाल कुमार पांडेय, संजय झा, राम विलास राम, रूपेश मिश्रा, सुशील सिन्हा, आनंद पटेल, प्रशांत झा, विजय कुमार, मनीष कुमार, संतोष कुमार, अंशु देव, उमेश प्रमाणिक, नाविक कुमार के साथ सभी 55 वार्ड पार्षद उपस्थित थे।

आईसीटी चैंपियनशिप में मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड ई-शिक्षा महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित आईसीटी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं और आईसीटी समन्वयकों को बुधवार को जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया। यह समारोह मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के सभागार में आयोजित हुआ, जहां प्रतिभाओं का उत्साह देखने लायक था। झारखंड एजुकेशन प्रोजेक्ट काउंसिल के राज्य परियोजना निदेशक के निर्देश पर आयोजित इस प्रतियोगिता को चरणबद्ध तरीके से विद्यालय, प्रखंड, जिला और राज्य स्तर पर संपन्न कराया गया। विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता 23 से 27 सितंबर 2025, प्रखंड स्तर 06 से 08 नवंबर को जिला स्तर 18 से 19 नवंबर और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 05 दिसंबर 2025 को आयोजित हुई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की भागीदारी काफी उत्साहजनक रही। प्रखंड स्तर पर 988 छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जबकि जिला स्तर पर 157 चयनित प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 8 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर तक अपनी जगह बनाई। समारोह में जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शिवकुमार मल्लिक, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सुभाष हेम्ब्रम और विद्यालय प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारियों ने विजेता छात्र-छात्राओं को मेडल, प्रमाण पत्र, स्कूल बैग और स्मार्ट वॉच देकर सम्मानित किया।

अदाणी फाउंडेशन ने 80 टीबी मरीजों को दिया पोषण किट

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। अदाणी फाउंडेशन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़कागांव स्थित गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत बुधवार को टीबी मरीजों के लिए पोषण वितरण शिविर का आयोजन किया। शिविर में लगभग 80 मरीजों को निशुल्क पोषण किट दिया गया। शिविर के दौरान मरीजों को उनके स्वास्थ्य सुधार के लिए विशेष पोषण किट उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर बड़कागांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल ऑफिसर डॉ मिथु हल्दर ने मरीजों को टीबी उपचार में संतुलित आहार के महत्व को समझाया। उन्होंने दवा के दौरान बरती जाने वाली जरूरी सावधानियों और नियमित इलाज के महत्व पर भी जोर दिया। वहीं सीएसआर टीम ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय करते हुए किट वितरण को सुचारु रूप से संपन्न कराया। साथ ही मरीजों को पोषण किट के लाभों के बारे में जागरूक किया गया और उन्हें उपचार के प्रति निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। उल्लेखनीय है कि बड़कागांव क्षेत्र में अदाणी फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी लगातार सीएसआर गतिविधियां चलाई जा रही हैं।

हिंदू बंटा, हिंदू कटा, इसलिए हिंदू एक रहे : डॉ. तोगड़िया

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

दुमका। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ प्रवीण तोगड़िया बुधवार को दुमका पहुंचे। हिंदू समाज के लोगों ने डॉ प्रवीण तोगड़िया का दुधानी में भव्य स्वागत किया। इसके बाद शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाला गया। शोभा यात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से होकर कार्यक्रम स्थल यज्ञ मैदान पहुंची। जहां तोगड़िया ने कहा कि हिंदू बंटा, हिंदू कटा, इसलिए हिंदू एक रहे। उन्होंने कहा कि भारत के कई राज्यों असम, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार में काफी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए बसे हुए हैं। खासकर उत्तर बिहार तो बांग्लादेशियों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार और जनता को मिलकर इन्हें भगाना होगा, अन्यथा ये हमें भगा देंगे। उन्होंने यह विश्वास जताते हुए कहा कि वर्तमान की केंद्र सरकार ने जिस तरह धारा 370 हटाया है उसी तरह देश से बांग्लादेशियों को भी भगाने का काम करेगी। डॉ तोगड़िया ने रामनवमी के अवसर पर झारखंड में डीजे पर लगे बैन पर कहा कि झारखंड का हिंदू हिम्मतवाला है और वो रास्ता निकालेगा और ऐसा रास्ता निकालेगा कि लोग देखते रह जाएंगे। जहां तक हजारीबाग में अक्सर रामनवमी में होने वाले विवाद का विषय है तो प्रशासन को चाहिए कि इस पर्व में खलल डालने वालों पर पहले से कानूनी कार्रवाई करें। तोगड़िया ने खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इतिहास में यह पहला मौका है जब ईरान, इराक, कुवैत, दुबई सभी एक-दूसरे से लड़ रहे हैं और एक-दूसरे को मार रहे हैं। हां, इस वजह से रसोई गैस सिलेंडर की समस्या आ रही है, पर इसका समाधान सरकार जरूर निकालेगी। वहीं, इसके पूर्व प्रवीण तोगड़िया के स्वागत में दुमका में एक रैली निकाली गई। जो शहर के विभिन्न मार्गों से होकर यज्ञ मैदान में एक सभा के रूप में तब्दील हो गई।

डीजीपी ने किया रामनवमी जुलूस मार्ग का निरीक्षण

कहा – छोटी बातों को महत्व देने के बजाय शांति जरूरी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में विश्व विख्यात रामनवमी पर्व की प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में झारखंड की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा बुधवार को हजारीबाग पहुंचीं। उन्होंने रामनवमी सहित अन्य आगामी त्योहारों के लिए सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं डीजीपी के आगमन से प्रशासनिक महकमे में सक्रियता बढ़ गई। अपने दौरे के दौरान डीजीपी ने रामनवमी जुलूस के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने इंद्रपुरी चौक, झंडा चौक, बड़ा अखाड़ा और जामा मस्जिद रोड सहित कई संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान, डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों और जिला प्रशासन के पदाधिकारियों से व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली, जहां भी उन्हें व्यवस्था में कमी या सुधार की आवश्यकता लगी, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिया और जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा, मौके पर डीजीपी ने जोर देकर कहा कि पर्व-त्योहारों के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हजारीबाग की रामनवमी अपनी भव्यता और परंपरा के लिए पूरे देश में विख्यात है। यह पहली बार है जब झारखंड की डीजीपी खुद हजारीबाग पहुंचकर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा ले रही हैं। यह दशार्ता है कि राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय इस पर्व को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरतना चाहता। वहीं मौके पर डीजीपी तदाशा मिश्रा ने मीडिया से भी बातचीत करते हुए कहा कि पर्व-त्योहारों के दौरान छोटी बातों को अनावश्यक महत्व देने के बजाय शांति और भाईचारे का माहौल बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि हजारीबाग की रामनवमी हमेशा से आपसी सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक रही है और प्रशासन इस परंपरा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोनों समुदायों से मिल-जुलकर शांतिपूर्वक त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि वे रामनवनी को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं। डीजीपी के रामनवमी रूट के निरीक्षण के दौरान उनके साथ बोकारो रेंज के आईजी सुनील भक्कर, डीआईजी अंजनी झा , हजारीबाग उपयुक्त शशि प्रकाश सिंह, हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन सहित जिले के पुलिस विभाग के सभी वरीय पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

धनबाद नगर निगम के अरुण बने उप महापौर विजय बने चिरकुंडा नगर परिषद उपाध्यक्ष

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद नगर निगम में डिप्टी मेयर और चिरकुंडा नगर परिषद उपाध्यक्ष के लिए बुधवार को चुनाव प्रक्रिया पूरी हो गई। धनबाद नगर निगम के डिप्टी मेयर अरुण चौहान तो चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष विजय यादव चुने गए हैं। अरुण चौहान ने भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 50 पार्षदों का समर्थन मिला, जबकि उनकी प्रतिद्वंदी मेनका सिंह को मात्र 05 मत प्राप्त हुए। डिप्टी मेयर अरुण चौहान झामुमो के महानगर उपाध्यक्ष हरेंद्र चौहान के छोटा भाई हैं। चुनाव के दौरान झामुमो के नेता कार्यकर्ता भी चुनाव के दौरान उपस्थित थे। वहीं मतगणना के दौरान निगम परिसर में खासा उत्साह देखने को मिला। अरुण चौहान के समर्थक लगातार नारेबाजी करते नजर आए और जीत की उम्मीद में जश्न का माहौल बना रहा। मतपत्रों की गिनती पारदर्शी तरीके से की गई, जिसे एलईडी स्क्रीन पर लाइव दिखाया जा रहा था, ताकि सभी पार्षद और समर्थक पूरी प्रक्रिया को देख सकें। जैसे ही अंतिम परिणाम घोषित हुआ, समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने एक-दूसरे को बधाई दी। वहीं, चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नगर निगम में नई टीम के गठन के बाद अब विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कार से बकरी चोरी करनेवाले गिरोह का एक आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र में बुधवार को बकरी चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का नाटकीय अंदाज में पदार्फाश हुआ। हितकू गांव के निवासी लाल बाबू सिंह की सतर्कता और सूझबूझ से इस पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। उनकी पहल पर न सिर्फ चोरी की वारदात उजागर हुई, बल्कि कार से 12 बकरियां भी बरामद की गईं। बताया जाता है कि सुंदरनगर के हितकू निवासी लाल बाबू सिंह की कुछ दिन पहले दो बकरियां चोरी हो गई थीं। घटना के समय उन्होंने एक संदिग्ध कार का नंबर जेएच 05डीए4481 नोट कर लिया था। इसके बाद से वे लगातार उस कार पर नजर बनाए हुए थे और अपने स्तर पर भी जानकारी जुटा रहे थे। बुधवार सुबह जब वही कार दोबारा गांव के आसपास घूमती दिखी, तो लाल बाबू सिंह को शक गहरा गया। उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी निकाली और कार का पीछा करना शुरू कर दिया। हितकू से परसुडीह तक कई किलोमीटर तक यह उन्होंने कार का पीछा कियाा। इस दौरान लाल बाबू सिंह रास्ते भर चोर-चोर चिल्लाते हुए लोगों को सतर्क करते रहे, जिससे आसपास के ग्रामीण भी सक्रिय हो गए। पीछा किए जाने का एहसास होते ही कार चालक ने तेजी से भागने की कोशिश की, लेकिन जल्दबाजी में परसुडीह के शीतला चौक के पास एक वाहन को टक्कर मार दिया। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर रुक गई। कार रुकते ही उसमें सवार तीन में से दो आरोपित मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए, जबकि एक युवक को ग्रामीणों ने घेरकर पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपित की पहचान मानगो आजादनगर निवासी मोहम्मद इंजमाम के रूप में हुई है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी और कार को भी नुकसान पहुंचाया। इसके बाद जब ग्रामीणों ने कार की तलाशी ली, तो अंदर का नजारा चौंकाने वाला था। कार की डिक्की और पिछली सीट में ठूंस-ठूंस कर 12 बकरियां भरी हुई थीं। बकरियों की हालत देखकर लोगों का गुस्सा और भड़क उठा। इसी बीच सूचना मिलने पर परसुडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित को किसी तरह भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने मौके से कार को भी जब्त कर लिया और सभी बकरियों को सुरक्षित बाहर निकाला। परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित मोहम्मद इंजमाम एक सक्रिय और संगठित बकरी चोर गिरोह का सदस्य है। प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि यह गिरोह घाटशिला, सुंदरनगर, पोटका, कपाली और आसपास के ग्रामीण इलाकों में लगातार सक्रिय था और सुनसान या कम निगरानी वाले क्षेत्रों को निशाना बनाता था। गिरोह की कार्यप्रणाली भी काफी सुनियोजित थी। सदस्य पहले इलाके की रेकी करते थे और फिर रात या सुबह के समय पहुंचकर बकरियों को ब्रेड खिलाकर अपने पास बुलाते थे। जैसे ही बकरियां पास आतीं, उन्हें तुरंत कार में डालकर फरार हो जाते थे। लग्जरी कार का इस्तेमाल इसलिए किया जाता था ताकि लोगों को शक न हो और वे आसानी से मुख्य सड़कों से निकल सकें। पुलिस के अनुसार, चोरी की गई बकरियों को आजादनगर, कपाली और आसपास के बाजारों में ऊंचे दामों पर बेच दिया जाता था। गिरोह का नेटवर्क काफी बड़ा होने की आशंका है और इसमें कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं।

रेड़मा में एसबीआई शाखा के पुनः संचालन का मामला लोकसभा में उठा

पलामू। सांसद विष्णु दयाल राम ने बुधवार को लोकसभा में मेदिनीनगर के रेड़मा में भारतीय स्टेट बैंक शाखा के पुनः संचालन से संबंधित मामले को उठाया। इसके अलावा सांसद ने गढ़वा जिले के बरगढ़ और बिशुनपुरा प्रखंड मुख्यालय में भारतीय स्टेट बैंक की नई शाखा खोलने का मामला रखा। सांसद ने बताया कि पलामू संसदीय क्षेत्र के पलामू और गढ़वा आकांक्षी जिलों में सम्मिलित है। आकांक्षी जिलों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन भारतीय स्टेट बैंक की सेवाओं की अनुपलब्धता से गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गयी हैं। उल्लेखनीय है कि मेदिनीनगर के रेडमा क्षेत्र में पूर्व में संचालित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा को बंद कर दिया गया है, रेडमा जिला मुख्यालय पलामू का एक घनी आबादी वाला और व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस शाखा के बंद होने से हजारों खाताधारकों, पेंशनभोगियों और व्यापारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी ग्राहकों को मेदिनीनगर स्थित मुख्य शाखा में स्थानांतरित कर दिया गया है, जो पहले से ही अत्यधिक भीड़भाड़ का सामना कर रही है, जिससे लंबी कतारें और बैंक सेवा गुणवत्ता में गिरावट देखी जा रही है।

संपादकीय

युद्ध की आग में तेल ठिकाने

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने वैश्विक शांति और स्थिरता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों ने इस युद्ध को और खतरनाक मोड़ दे दिया है। विशेष रूप से तेल ठिकानों को निशाना बनाए जाने से यह आशंका गहरा गई है कि इसका असर केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाएगा। तेल संसाधन किसी भी देश की आर्थिक रीढ़ होते हैं। ऐसे में खर्ग द्वीप जैसे महत्वपूर्ण केंद्रों पर हमले न केवल ईरान की अर्थव्यवस्था को झटका देते हैं, बल्कि पूरी दुनिया में ऊर्जा आपूर्ति को अस्थिर कर सकते हैं। इससे तेल की कीमतों में उछाल, महंगाई और आर्थिक संकट जैसी स्थितियां उत्पन्न होना तय है। चिंता का विषय यह भी है कि इस युद्ध में मानवीय मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की लगातार अनदेखी हो रही है। नागरिक ठिकानों और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों पर हमले यह दशार्ते हैं कि युद्ध अब केवल सैन्य ताकत का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विनाश की अंधी दौड़ बनता जा रहा है। पर्यावरणीय नुकसान इस संघर्ष का एक और भयावह पहलू है। तेल ठिकानों पर हमले से फैलने वाला प्रदूषण, जहरीली गैसें और संभावित तेल रिसाव आने वाले वर्षों तक प्रकृति और मानव जीवन को प्रभावित कर सकते हैं। युद्ध क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए यह एक दीर्घकालिक त्रासदी साबित हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया भी इस स्थिति की गंभीरता को दशार्ती है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने इन हमलों पर चिंता जताई है, जबकि रूस ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों के कमजोर होते प्रभाव पर सवाल उठाए हैं। इसके बावजूद, संघर्ष को रोकने के लिए ठोस कदमों की कमी साफ नजर आती है। अंततः, इस युद्ध का सबसे बड़ा बोझ आम जनता पर ही पड़ रहा है। उनकी जिंदगी, स्वास्थ्य और भविष्य इस संघर्ष की कीमत चुका रहे हैं। यह समय है जब विश्व शक्तियों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना चाहिए और युद्ध के बजाय शांति, संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। अन्यथा, यह आग केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले सकती है।

अगले दस साल में बीमारियां खत्म कर देगी एआई

ज्योति सिडाना

इसमें कोई दोराय नहीं है कि कृत्रिम बुद्धि यानी एआइ एक दोधारी तलवार है, जिसे सही नियमों और नैतिक दिशा-निर्देशों के साथ इस्तेमाल किया जाए, तो मानवता के लिए वरदान है। दूसरी तरफ इसकी अनियंत्रित वृद्धि सामाजिक और नैतिक ताने-बाने के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। क्या मानव समाज में एआइ की सच में इतनी जरूरत है? मनुष्य ने मशीनों का आविष्कार किया अपने काम को सरल बनाने और कम समय में अधिक काम पूरा करने के लिए, ताकि बचे हुए समय में अपनों के साथ एक खुशहाल जीवन जी सके। मगर यह नहीं सोचा गया होगा कि एक दिन मशीनें ही मनुष्यों का स्थान लेने लगेंगी और उनके अस्तित्व के समक्ष चुनौती उत्पन्न हो जाएगी। जब तक मनुष्य प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चल रहा था, एक खुशहाल जीवन जी रहा था। जैसे ही उसने विकसित तकनीक का प्रयोग करके प्रकृति के नियम को तोड? और तकनीकी व आभासी वातावरण बनाने की कोशिश शुरू की, समाज अनेक तरह के जोखिमों का सामना करने लगा। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित वैज्ञानिक डेमिस होसाबिस का तर्क है कि जहां एआइ के विकास से संभावनाएं बढ़ी हैं, वहीं उसके खतरे भी उभरे हैं। एआइ की दौड़ में कुछ देश या कंपनियां सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज कर सकती हैं। ऐसा करने पर यह तकनीक मानवता के लिए विनाश का कारण बन सकती है। उनका तर्क है कि एआइ को बच्चों की तरह ही नैतिकता और इंसानियत सिखाने की जरूरत है। वे चाहते हैं कि ऐसी एआइ विकसित हो, जो न सिर्फ बुद्धिमान हो, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार भी हो।

माना जा रहा है कि 2030 तक इतना सोचने वाली मशीन आ जाएगी, जो इंसानी क्षमता से अधिक तेज और ज्ञानवान होगी। वह हमारे आसपास की दुनिया को गहराई से समझेगी और हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में घुलमिल जाएगी। यह भी कहा जा रहा है कि एआइ अगले दस साल में बीमारियों को खत्म कर देगा। सवाल यह है कि प्राकृतिक वातावरण में इतनी बीमारियां तो नहीं थीं, जितनी आज के डिजिटल वातावरण में विकसित हुई हैं, तो क्या ये बीमारियां विकसित तकनीक के अधिक उपयोग के कारण ही उभर रही हैं? पहले मशीन एक सहायक के रूप में प्रयुक्त होती थी और मुख्य भूमिका मनुष्य की होती थी, लेकिन अब मुख्य भूमिका में एआइ (विकसित मशीन) है और मनुष्य केवल सहायक की भूमिका निभा रहा है। ऐसे में मनुष्य का शरीर और दिमाग, दोनों ही शिथिल पड़ने लगते हैं और अनेक तरह की बीमारियों का घर बन जाते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि 2030 तक करोड़ों नौकरियां चली जाएंगी, क्योंकि एआइ मनुष्य से अधिक कुशलता से काम कर सकती है। ऐसे में समाज में एक नए प्रकार का विभाजन उभरेगा–श्रेष्ठ बौद्धिक जनसंख्या और कम बौद्धिक जनसंख्या। मशीन मनुष्य से अधिक संपूर्णता से काम करती है, इसलिए लोग उस पर ज्यादा विश्वास करने लगते हैं। इस कारण से हर क्षेत्र के विशेषज्ञों और उनके कौशल को चुनौती मिल रही है।

> ***डाक्टर की जगह एआइ बहुत गहनता से मेडिकल रपट की जांच करती है और बीमारी का कारण व निदान बताने लगी है। शिक्षकों की जगह एआइ से पढ? में विद्यार्थी अधिक रुचि लेने लगे हैं। वास्तुविद, काउंसलर, फैशन, प्रशिक्षक, कोच, व्यायाम–सभी क्षेत्रों में एआइ ने अपना प्रभुत्व जमाना शुरू कर दिया है। ऐसे में युवाओं को लगता है कि अब उन्हें परिवार, मित्र या अन्य किसी की जरूरत नहीं है। सभी की कमी एआइ से पूरी की जा सकती है। एआइ युवा पीढ़ी की विश्लेषण करने और अलग तरह से सोचने की क्षमता को प्रभावित कर रही है। मसलन, पहले कुछ भी लिखने के लिए सोचना और पढ़ना पड़ता था, लेकिन अब अधिकांश विद्यार्थी और युवा चैट–जीपीटी पर विषय लिख देते हैं और वह कुछ ही सेकंड में उत्तर तैयार करके दे देता है। यहां तक कि पसंद न आने पर अनेक अन्य विकल्प भी देता है। सवाल यह भी है कि क्या उसके द्वारा प्रस्तुत सूचनाएं सौ फीसद सही होंगी। यह एक कृत्रिम यंत्र ही है, जो मनुष्य द्वारा निर्मित है। फिर इसकी निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यहां यह स्पष्ट हो जाता है कि एआइ का शिक्षा के क्षेत्र पर सबसे खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है।***

डाक्टर की जगह एआइ बहुत गहनता से मेडिकल रपट की जांच करती है और बीमारी का कारण व निदान बताने लगी है। शिक्षकों की जगह एआइ से पढ? में विद्यार्थी अधिक रुचि लेने लगे हैं। वास्तुविद, काउंसलर, फैशन, प्रशिक्षक, कोच, व्यायाम–सभी क्षेत्रों में एआइ ने अपना प्रभुत्व जमाना शुरू कर दिया है। ऐसे में युवाओं को लगता है कि अब उन्हें परिवार, मित्र या अन्य किसी की जरूरत नहीं है। सभी की कमी एआइ से पूरी की जा सकती है। एआइ युवा पीढ़ी की विश्लेषण करने और अलग तरह से सोचने की क्षमता को प्रभावित कर रही है। मसलन, पहले कुछ भी लिखने के लिए सोचना और पढ?ा पड़ता था, लेकिन अब अधिकांश विद्यार्थी और युवा चैट-जीपीटी पर विषय लिख देते हैं और वह कुछ ही सेकंड में उत्तर तैयार करके दे देता है। यहां तक कि पसंद न आने पर अनेक अन्य विकल्प भी देता है। सवाल यह भी है कि क्या उसके द्वारा प्रस्तुत सूचनाएं सौ फीसद सही होंगी। यह एक कृत्रिम यंत्र ही है, जो मनुष्य द्वारा निर्मित है।

फिर इसकी निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यहां यह स्पष्ट हो जाता है कि एआइ का शिक्षा के क्षेत्र पर सबसे खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है। विशेष रूप से समाज विज्ञान के क्षेत्र में इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिल सकता है। एआइ ने उपयोग के लिए तैयार सामग्री उपलब्ध कराकर बच्चों को बंधक मस्तिष्क (कैप्टिव माइंड) में बदल दिया है। चाहे कोई प्रोजेक्ट बनाना हो, आवेदन लिखना हो, लेख लिखना हो या फिर किसी शोधार्थी को कोई शोध कार्य करना हो, सभी चैट-जीपीटी और अन्य एआइ ऐप के माध्यम से अपने कार्य को करने लगे हैं। इससे समय की बचत तो होती है, लेकिन विद्यार्थियों की विश्लेषणात्मक क्षमता और आलोचनात्मक समझ भी प्रभावित हो रही है। समय अगर किसी उचित काम के लिए बचाया जाना है, तो कुछ हद तक इसे सही कहा जा सकता है, लेकिन बच्चे और युवा उस समय को स्मार्टफोन स्क्रॉल करने, रील बनाने या ऑनलाइन गेम खेलने और यहां तक कि कुछ अपराध में लगा रहे हैं। परिणामस्वरूप छोटी-सी उम्र में ही बच्चे अनेक गंभीर शारीरिक तथा मानसिक बीमारियों का शिकार बन रहे हैं। ऐसा लगने लगा है कि स्मार्टफोन तक ही लोगों का जीवन विश्व सिमट कर रह गया है।

हाल ही में इसरो के एक सेवानिवृत्त वैज्ञानिक ने इसलिए अपनी पत्नी की हत्या कर दी कि मेरे मरने के बाद इसकी देखभाल कौन करेगा। उनकी इकलौती बेटी अमेरिका में बस गई थी, जिससे उन्हें कोई उम्मीद नहीं थी। इसी तरह मुंबई के एक संभ्रांत इलाके में एक बुजुर्ग दंपति की सड़ी हुई लाश उनके आलीशान बंगले में मिली थी, जिनके दोनों बेटे विदेश में बसने के कारण अपने बुजुर्ग मां-बाप की देखभाल करने में असमर्थ थे। उनके पास अकूत धन-दौलत थी, लेकिन समय नहीं था। इन घटनाओं में परिवार हर दृष्टि से समृद्ध और संपन्न थे, लेकिन परिवार के सदस्यों में भावनात्मक लगाव और संवादहीनता की स्थिति थी। ऐसी भौतिक संपन्नता और तकनीकी विकास दृष्टि किस काम की, जब बुजुर्ग माता-पिता का अंतिम संस्कार लावारिस की तरह अनजान लोगों द्वारा किया जाए? क्या इसी दिन के लिए लोग अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाते हैं, उनका भविष्य बनाने के लिए अपने जीवन की हर इच्छा को त्याग देते हैं? एआइ निर्देशित मशीन से काम के घंटे कम हो सकते हैं, जिससे लोगों के पास अधिक समय रहता है और जिसे वे अपने परिवार के साथ बिताने में खर्च कर सकते हैं। मगर यह कितना संभव हो पा रहा है? एआइ के तंत्र ने व्यक्तिगत डेटा को सार्वजनिक कर दिया है, जिससे गोपनीयता की समस्या उभर रही है। समाज में आर्थिक असमानताओं में वृद्धि के कारण एआइ तंत्र का लाभ उठाने के लिए लोगों को तकनीकी ज्ञान और संसाधनों की आवश्यकता होती है, जिससे समाज में अन्य प्रकार की असमानताएं बढ़ सकती हैं। इसलिए लोगों को एआइ और नवीन तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ इससे होने वाले खतरों से अवगत करना होगा। सरकार या प्रशासन को भी एआइ प्रणालियों के उपयोग को नियंत्रित करना होगा, ताकि वे सुरक्षित और न्यायसंगत बन सके। तकनीक कितनी भी विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य का स्थान नहीं ले सकती। प्राकृतिक (वास्तविक) बुद्धि में कृत्रिम बुद्धि को विकसित करने की क्षमता है, लेकिन कृत्रिम बुद्धि कभी भी वास्तविक बुद्धि को उत्पन्न नहीं कर पाएगी और न ही उसे विस्थापित कर सकेगी, लेकिन मानव जीवन के समक्ष खतरे और चुनौतियां जरूर उत्पन्न कर सकती है। इस पर समय रहते नियंत्रण करने की जरूरत है।

(लेखक के अपने निजी विचार हैं)।

सत्य की खोज में विज्ञान का रोमांचक सफर

रामानुज पाठक

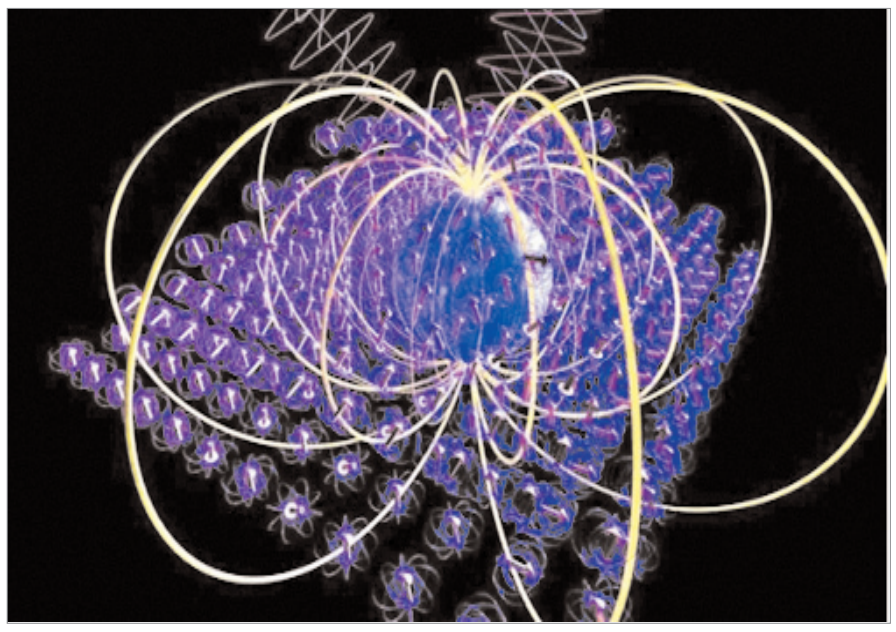

मनुष्य की जिज्ञासा जितनी पुरानी है, उतनी ही पुरानी है सत्य की खोज। आकाश में चमकते तारों, नदियों के प्रवाह और प्रकृति की अनगिनत घटनाओं को देखकर मनुष्य के मन में सदैव यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या इस संसार का कोई अंतिम सत्य भी है। विज्ञान इसी जिज्ञासा की संगठित और तर्कसंगत अभिव्यक्ति है। विज्ञान का इतिहास बताता है कि यह अंतिम सत्य की घोषणा करने के बजाय सत्य की निरंतर खोज की प्रक्रिया है। विज्ञान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह किसी भी ज्ञान को अंतिम नहीं मानता। हर सिद्धांत, नियम और निष्कर्ष को प्रमाण और प्रयोग की कसौटी पर परखा जाता है। इसलिए आज स्थापित धारणाएं भविष्य में नए प्रमाणों के सामने संशोधित या परिवर्तित हो सकती हैं। इतिहास के उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि विज्ञान में सत्य स्थिर नहीं बल्कि विकसित होने वाली अवधारणा है।

प्राचीन काल में यह माना जाता था कि पृथ्वी ब्रह्मांड का केंद्र है और सूर्य तथा अन्य ग्रह उसके चारों ओर घूमते हैं। बाद में खगोलीय अध्ययन और गणनाओं के आधार पर यह सिद्ध हुआ कि सूर्य केंद्र में है और पृथ्वी सहित अन्य ग्रह उसके चारों ओर परिक्रमा करते हैं। यह परिवर्तन मानव ज्ञान की दिशा ही बदलने वाला था। गति और बल के संबंध में न्यूटन के गति के नियम लंबे समय तक अंतिम नियम माने जाते रहे। मगर बीसवीं शताब्दी में अल्बर्ट आइंस्टीन ने सापेक्षता का सिद्धांत प्रस्तुत किया, जिससे यह पता चला कि अत्यधिक वेग या गुरुत्वाकर्षण में न्यूटन के नियम पूरी तरह पर्याप्त नहीं हैं। इसका मतलब यह नहीं कि न्यूटन गलत थे, बल्कि यह कि उनके नियम एक विशेष सीमा तक ही लागू होते हैं।

जब वैज्ञानिकों ने परमाणु और उससे छोटे कणों की दुनिया को समझने का प्रयास किया, तो उन्हें पता चला कि सूक्ष्म स्तर पर प्रकृति का व्यवहार सामान्य अनुभव से भिन्न है। इसे समझाने के लिए क्वांटम मैकेनिक्स का विकास हुआ। इस सिद्धांत ने दिखाया कि सूक्ष्म जगत में कणों का व्यवहार संभावनाओं पर आधारित होता है और कभी-कभी एक ही कण तरंग और कण दोनों की तरह व्यवहार कर सकता है। रसायन विज्ञान में भी शुरूआत में चार तत्त्व–पृथ्वी, जल, वायु और अग्नि–मूल आधार माने जाते थे। बाद में प्रयोग और विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि पदार्थ असंख्य तत्त्वों और परमाणुओं से बना है। आज आधुनिक रसायन विज्ञान में आवर्त सारणी पदार्थ की संरचना को समझने का वैज्ञानिक आधार देती है। जीव विज्ञान में भी यही क्रम दिखाई देता है। पहले माना जाता था कि जीवों की प्रजातियां स्थायी और अपरिवर्तनीय हैं। मगर उन्नीसवीं शताब्दी में चार्ल्स डार्विन ने थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन प्रस्तुत की, जिसके अनुसार जीवित प्रजातियां समय के साथ परिवर्तित होती रहती हैं। इस सिद्धांत ने जीवविज्ञान की समझ को मूल रूप से बदल दिया और जीवन की विविधता को समझने का आधार दिया।

विज्ञान में सत्य कोई स्थिर और अंतिम स्थिति नहीं है। यह निरंतर विकसित होने वाली प्रक्रिया है, जिसमें नए प्रयोग, तकनीक और खोजें पुराने विचारों को चुनौती देती रहती हैं। विज्ञान की यही विशेषता उसे अन्य ज्ञान प्रणालियों से अलग बनाती है। कई विचारधाराएं अपने सिद्धांतों को अंतिम मानती हैं, जबकि विज्ञान अपनी सीमाओं को स्वीकार करता है।

विज्ञान का वास्तविक लक्ष्य अंतिम सत्य घोषित करना नहीं, बल्कि प्रकृति के नियमों को अधिक स्पष्टता और सटीकता के साथ समझना है। प्रत्येक नई खोज इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाती है। आधुनिक खगोल विज्ञान आज भी सौरमंडल की उत्पत्ति, डार्क मैटर और डार्क एनर्जी जैसे रहस्यों को समझने का प्रयास कर रहा है। इस प्रकार, विज्ञान को एक अनंत यात्रा के रूप में देखा जा सकता है। यह यात्रा प्रश्नों से शुरू होती है, प्रयोगों से आगे बढ़ती है और नए निष्कर्षों तक पहुंचती है। हर निष्कर्ष नए प्रश्नों को जन्म देता है। विज्ञान में अंतिम सत्य की अवधारणा उतनी महत्वपूर्ण नहीं है, जितनी सत्य की खोज की प्रक्रिया। विज्ञान हमें यह सिखाता है कि ज्ञान का मार्ग खुला होना चाहिए, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और नए प्रमाणों के सामने पुराने विचार बदलने का साहस होना चाहिए। यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण है जिसने मानव सभ्यता को अज्ञानता से ज्ञान की ओर निरंतर बढ़ाया है। विज्ञान में अंतिम सत्य कोई स्थिर बिंदु नहीं, बल्कि सत्य की अनवरत खोज ही उसका वास्तविक स्वरूप है। यही खोज मानव बुद्धि को आगे बढ़ाती है और प्रकृति के रहस्यों के द्वार धीरे-धीरे खोलती है।

– लेखक के निजी राय हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

19 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.53 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	07.27 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.07 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.19 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.35 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	17.47 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	19.57 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.12 ब.से
		धनु	00.28 बजे से
		मकर	02.33 बजे से
		कुंभ	04.20 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 78 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र(दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 06.53 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 04.53 बजे प्रात: को समाप्त **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 04.05 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 01.17 बजे रात्र को समाप्त। **करण** नाग 06.53 बजे, किंस्तुघ्न 17.56 बजे तदनन्तर बव 04.53 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 38' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872653 **जूलियन दिन** 2461118.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 29 **विशेष** गुड़ी पड़वा, युगादी, चैत्र नवरात्रि, ज्योतिष दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8804

1			2	■	■	3		4
	■	■	5	6	7		■	
8	9	■	■	10		■	■	
■	11	12	■		■	■	13	
■	14			■	15	16		■
17		■	■	18	■	19		■
	■	■	20		■	■	21	22
	■	23			24	■	■	
25			■	■	26			

बाएँ से दाएँ

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

शब्द पहेली - 8803 का हल

फि	त	र	त	■	स	ला	म	त
रं	■	त	ल	ब	गा	र	■	मी
गी	ला	■	■	द	■	■	ह	ज
■	ल	■	क	न	क	■	म	■
ध	कि	या	ना	■	या	या	व	र
■	ता	■	त	म	स	■	त	■
ऐ	ब	■	■	ना	■	■	न	न
न	■	ख	ल	ना	य	क	■	क
क	र	त	ब	■	म	ल	म	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7738 सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7737 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

10 साल की मेहनत के बाद

दंगल गर्ल ने खरीदा अपने सपनों का महल

गृहप्रवेश पर कराया 'होम टूर'

अपना खुद का घर लेना हर किसी के लिए गर्व से भर देने वाला पल होता है। खासकर जब आप अपने माता-पिता के रहते हुए उन्हें खुद के खरीदे आलीशान घर में लाएं। ऐसी ही खुशी से भरी फीलिंग सान्या मल्होत्रा महसूस कर रही हैं, जिन्होंने 10 साल की मेहनत के बाद अपना खुद का आलीशान घर लिया है और अपने फैंस को अपने घर का होम टूर भी कराया है। 'दंगल' से करियर की शुरुआत करने वाली सान्या को इंडस्ट्री में आए 10 साल हो चुके हैं। प्रोफेशनल फ्रंट पर अभिनेत्री ने अपनी मजबूत पहचान बनाई है, और अब इसी मेहनत के बलबूते पर खुद का बड़ा और खूबसूरत घर खरीदकर अपने एक और सपने को पूरा कर लिया है। अभिनेत्री ने अपने गृहप्रवेश की फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो अपने माता-पिता के साथ खुश दिख रही हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने घर के कोने-कोने की खूबसूरती की फोटो डाली है, जिसका इंटीरियर बहुत एलिगेंट और कूल वाइब दे रहा है। नए घर के साथ अभिनेत्री ने अपने इमोशंस को भी साझा किया है। उनका कहना है कि यह उनकी सालों की मेहनत का फल है, जो आज आकर मिला है। उन्होंने अपने परिवार और दोस्तों को अपनी सबसे बड़ी ताकत भी बताया। उन्होंने लिखा, 'हर हर महादेव। सालों के सपने, मेहनत, सीखना और विकास। इस घर की हर दीवार मुझे याद दिलाएगी कि धैर्य और विश्वास का परिणाम कितना सुंदर हो सकता है और इन सबमें मेरे परिवार व दोस्तों का भरोसा हमेशा मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है। उन्होंने लिखा, 'यह सिर्फ एक घर से कहीं बढ़कर है। यह मेरी यात्रा का एक छोटा सा हिस्सा है। मेरे घर में आपका स्वागत है।

वामिका गब्बी से अक्षय कुमार भी मान गए हार

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी जबरदस्त एक्टिंग और फिटनेस के लिए चर्चा में रहते हैं। लेकिन, इस बार उन्हें अभिनेत्री वामिका गब्बी ने मजेदार तरीके से मात दी है। वामिका ने इंस्टाग्राम पर अक्षय कुमार के साथ एक फनी वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में अक्षय कुमार और वामिका प्लेन पर बैठकर पंजा लड़ा रहे हैं। दोनों जोर-शोर से एक-दूसरे को हराने की कोशिश कर रहे हैं। अक्षय अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं कि तभी वीडियो में ट्विस्ट देखने को मिलता है। दरअसल, मुकाबले के बीच अचानक से किसी ने उसी टेबल पर वामिका की लिपस्टिक रख दी थी, जिसे देखते ही अभिनेत्री जोर से चिल्लाती हैं, 'अरे मेरी लिपस्टिक। ये आवाज सुनते ही अक्षय इतने चौंक जाते हैं कि उनका ध्यान भटक जाता है, जिससे वे मुकाबला हार जाते हैं। वीडियो को दोनों स्टार्स ने हास्य अंदाज में पेश किया। वहीं, वीडियो के जरिए वामिका ने दिखाया कि लड़कियां अपने मेकअप प्रोडक्ट्स को लेकर कितनी सजग रहती हैं। छोटी-सी चीज भी उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। वीडियो पोस्ट करते हुए वामिका ने लिखा, '10 अप्रैल को 'भूत बंगला' में जाने से पहले थोड़ी सी 'खिलाड़ी' वाली एनर्जी। वैसे, मेरे पास वही एक लिपस्टिक थी, इसलिए वह मेरे लिए काफी जरूरी थी। वामिका के इस वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। वहीं, अक्षय कुमार ने कमेंट करते हुए लिखा, 'एक बात समझ में आ गई। कभी भी किसी लड़की और उसकी लिपस्टिक के बीच में मत आओ। उस लड़ाई में 'खिलाड़ी' भी हार जाएगा। '

सलमान खान की

'बैटल ऑफ गलवां' का बदल गया नाम

सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का नाम बदल गया है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से लगभग एक महीने पहले नाम बदला है। जानिए अब किस नाम से रिलीज होगी फिल्म और क्या रिलीज डेट भी बढ़ गई आगे... सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लेकिन अब फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का नाम ही बदल दिया है। अब सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से रिलीज नहीं होगी। इसकी जानकारी देते हुए मेकर्स ने फिल्म के नए नाम की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स ने बताया नया नाम

फिल्म के लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सलमान खान ने आज फिल्म के नए नाम के साथ एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में सलमान खान सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक में सलमान खान की आंखें दिख रही हैं, जिनमें गुस्सा और जोश नजर आ रहा है। उनके चेहरे पर खून लगा हुआ और वो मोटी जंजीर से बंधी एक लकड़ी को पकड़े दिख रहे हैं।

उनके पीछे बैकग्राउंड में युद्ध के दौरान सैनिक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते ही मेकर्स ने फिल्म का नया नाम भी रिवील कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी।

आगे बढ़ गई रिलीज डेट?

'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि सलमान खान ने नाम बदलने वाली जो पोस्ट साझा की है, उसमें कहीं भी फिल्म की रिलीज डेट नजर नहीं आ रही है। न ही फिल्म के पोस्टर पर और न ही कैप्शन में कहीं भी 17 अप्रैल या कोई भी रिलीज डेट नहीं दिख रही है। इसके बाद अब सवाल ये भी उठता है कि क्या फिल्म की रिलीज डेट भी आगे बढ़ गई है?

शुरुआत में दिन-रात करता था लगातार काम

अब समझ आई जिंदगी में संतुलन की अहमियत : हितेन तेजवानी

टीवी इंडस्ट्री की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार दिखाई देती है, उसके पीछे उतनी ही मेहनत और संघर्ष छिपा होता है। कलाकारों को लगातार शूटिंग करनी पड़ती है और कई बार दिन-रात काम करना पड़ता है। इस कड़ी में टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अपने करियर के शुरुआती सालों की मेहनत और आज के बदले हुए नजरिए के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था, जब वह 24 घंटे में करीब 18 से 19 घंटे तक काम किया करते थे। बात करते हुए हितेन तेजवानी ने अपने पुराने दिनों को याद किया और कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में शुरुआत के समय मेरा पूरा ध्यान सिर्फ काम पर ही रहता था। उस समय मैं लगातार शूटिंग में बिजी रहता था, नींद के लिए बहुत कम समय मिल पाता था और बाकी किसी चीज के बारे में सोचने का समय भी नहीं होता था। कई बार तो ऐसा होता था कि मैं 24 घंटे में 18 से 19 घंटे तक लगातार काम करता रहता था और मुश्किल से कुछ घंटे ही सो पाता था। हितेन ने कहा, ''उस समय मेरे अंदर काम को लेकर जबरदस्त जुनून था। मैं सिर्फ यही सोचता था कि मैं अपने काम को और बेहतर कैसे करूं। वही मेहनत और लगातार काम करने का जज्बा मुझे आज इस मुकाम तक लेकर आया है। अगर मैंने उस समय इतनी मेहनत न की होती, तो शायद आज मैं यहां तक नहीं पहुंच पाता और इतने लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक भी नहीं पाता। अभिनेता ने कहा, ''समय के साथ इंसान का नजरिया बदलता है। दो दशक से ज्यादा समय तक इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब मुझे यह महसूस होता है कि जिंदगी में सिर्फ काम ही सब कुछ नहीं होता। लंबे समय तक लगातार काम करने के बाद एक ऐसा दौर आता है, जब इंसान को संतुलन की अहमियत समझ आने लगती है। अब मैं कोशिश करता हूं कि काम के घंटे सीमित हों, ताकि मुझे आराम और परिवार के लिए भी पर्याप्त समय मिल सके।''

कैंसर मरीजों के लिए रैंप पर उतरे इब्राहिम, प्रतिभा रांटा और कुब्रा सैत

अभिनेता इब्राहिम अली खान, प्रतिभा रांटा और कुब्रा सैत हाल ही में 'केयरिंग विथ स्टाइल 2026' नामक एक चैरिटी फैशन इवनिंग में रैंप पर वॉक करते नजर आए। यह वार्षिक कार्यक्रम हर वर्ष कैंसर पेशेंट एड असोसिएशन द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य कैंसर मरीजों के लिए जागरूकता बढ़ाना और उनके समर्थन के लिए पहल को प्रोत्साहित करना है। इस खास मौके पर तीनों कलाकार फैशन लेबल 'आईटीआरएच' के लिए शोस्टॉपर बने थे। डिजाइनर मोहित रायऔर ऋद्धि बंसल द्वारा स्थापित इस लेबल ने इस कार्यक्रम में अपनी पांच साल की यात्रा का जश्न मनाते हुए एक विशेष कलेक्शन पेश किया। रैंप पर अपनी अलग-अलग शैली और मौजूदगी के साथ इब्राहिम, प्रतिभा और कुब्रा ने इस शाम को और भी खास बना दिया।

अरिजीत सिंह के बाद अब श्रेया घोषाल भी लेंगी सिंगिंग से ब्रेक ! कहा -

कभी कभी मेरा भी मन करता है

बॉलीवुड के फैंस के लिए एक और चौंकाने वाली खबर आई है। अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने के फैसले पर जहां अभी तक फैंस को यकीन नहीं हो रहा, वहीं अब सिंगर श्रेया घोषाल ने भी इस कदम की ओर इशारा किया है। 42 साल की श्रेया ने एक नए इंटरव्यू में इस बात पर जोर दिया कि लाइव सिंगिंग में स्टेज पर लिप-सिंकिंग करना ऐसी चीज है, जिस पर वह कभी निर्भर नहीं रहना चाहेंगी। अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से ब्रेक लेने के फैसले पर फैंस के बीच चर्चा छिड़ने के बाद, अब श्रेया घोषाल ने कहा है कि जिस दिन उन्हें ऐसा कुछ करना पड़ा, वह गाना बंद कर देंगी। 5 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकीं श्रेया घोषाल ने कहा कि कभी-कभी उनका मन भी ब्रेक लेने का करता है।

आलिया भट्ट ने अपने बर्थडे पर शुरू की नई पहल, बच्चों के लिए लॉन्च किया नया सेगमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अपना 33वां बर्थडे मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने अपने फैंस और खासकर बच्चों के लिए एक नई पहल की घोषणा कर सबको सरप्राइज दे दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अपना 33वां बर्थडे मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने अपने फैंस और खासकर बच्चों के लिए एक नई पहल की घोषणा कर सबको सरप्राइज दे दिया। आमतौर पर जन्मदिन पर सितारों को तोहफे मिलते हैं, लेकिन आलिया ने इस बार अपने बर्थडे को खास बनाते हुए छोटे बच्चों के लिए एक नई पहल शुरू करने का फैसला किया है।

बर्थडे पर शुरू की नई पहल

आलिया भट्ट ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी के तहत बच्चों के लिए एक नया सेगमेंट लॉन्च किया, जिसका नाम 'Eternal Kids' रखा गया है। इस पहल के जरिए वह बच्चों के लिए मजेदार, भावनात्मक और कल्पनाशील कहानियों पर आधारित कंटेंट तैयार करेंगी। आलिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस नए सेगमेंट के तहत कई प्रोजेक्ट्स पर पहले से काम शुरू हो चुका है। उनके अनुसार, 'Eternal Kids' बच्चों के लिए दिल को छू लेने वाली कहानियां और रोचक किरदार लेकर आएगा, जो उन्हें मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरणा भी देगा।

मुश्किल वक्त को खुद पर हावी नहीं होने देता : राजपाल यादव

मुश्किल दौर से हाल ही में निकले कमीडियन व अभिनेता राजपाल यादव ने मुश्किल समय में अपनी भावनात्मक मजबूती और सकारात्मक सोच के बारे में खुलकर बात की। पिछले कुछ महीनों से चल रहे कानूनी मामलों और निजी परेशानियों के बावजूद एक्टर ने हिम्मत नहीं हारी और काम पर पूरा फोकस रखा। बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखी। राजपाल यादव से पूछा गया कि क्या ये चुनौतियां उनके काम और मनोबल पर असर डालती हैं। तो उन्होंने बताया, 'हर दिन एक नई शुरुआत होती है। हर दिन काम का दिन होता है। हर दिन एक नया दिन होता है। एक्टर ने कहा कि वह मुश्किलों को खुद पर हावी नहीं होने देते, बल्कि हर सुबह नई उम्मीद के साथ उठते हैं और अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बातचीत में सकारात्मकता के लिए ईश्वर का आभार भी जताया। राजपाल यादव ने कहा, 'भगवान सबका भला करे। आजादी से सब सांस लें। ' इससे पहले एक्टर ने बताया था कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने बताया कि ऐसी खबरें फैलाने वाले ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं। राजपाल ने इस दौरान मुश्किल समय में मिले सहारे की भी बात की। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में इंडस्ट्री के कई लोग उनके साथ खड़े हुए और उनकी मदद की। गौरतलब है कि राजपाल यादव को हाल ही में चेक बाउंस के एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। कोर्ट ने उन्हें अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए 18 मार्च तक की अंतरिम बेल दी। सुनवाई के दौरान राजपाल के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि एक्टर ने 1.5 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा कर दिया है। साथ ही, उन्हें अपना पासपोर्ट भी सरेंडर करने का निर्देश दिया गया। इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित है।

यूजीसी रेगुलेशन लागू करने की मांग को लेकर पटना में प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

एजेंसी

पटना। यूजीसी रेगुलेशन लागू करने की मांग को लेकर बुधवार को आईसा के बैनर तले छात्र पटना की सड़कों पर उतरे। छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हालात उस समय बिगड़ गए, जब पुलिस ने उन्हें जेपी गोलबंर से आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस के रोकने के बाद भी छात्र नहीं माने। उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने की कोशिश की। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। डाकबंगला इलाके में पुलिस ने फिर से बैरिकेडिंग कर छात्रों को रोकने की कोशिश की। कुछ छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। वहीं कई छात्र सड़क पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच हल्की नोकझोंक हुई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने कहा कि कॉलेजों में भेदभाव और अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक छात्र ने कहा कि वे अपने भविष्य के लिए लड़ रहे हैं। इस प्रदर्शन में छात्र संगठन आईसा और भीम सेना के कार्यकर्ता शामिल थे। माले नेता दिव्या गौतम भी समर्थकों के साथ मौके पर मौजूद रहीं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि बिहार में यूजीसी के नये नियमों को पूरी तरह लागू किया जाए। साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी, ईबीसी और बीसी वर्गों के लिए 65 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। छात्र नेताओं का कहना है कि शिक्षा और रोजगार में आरक्षण का सही पालन जरूरी है। उनका आरोप है कि कई संस्थानों में यूजीसी गाइडलाइंस लागू नहीं हो रही हैं। उल्लेखनीय है कि 29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने यूजेसी के नए नियमों पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि नियमों के प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका है। यूजीसी ने 13 जनवरी 2026 को संशोधित नियम जारी किए थे। एक वर्ग इन्हें जरूरी मान रहा है, जबकि दूसरा वर्ग विरोध में है।

स्थाई समाधान और चाहरदीवारी निर्माण के संबंध में सौंपा मांग पत्र

एजेंसी

समस्तीपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समस्तीपुर का एक प्रतिनिधिमंडल समस्तीपुर नगर निगम के नगर आयुक्त से मिलकर अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय समस्तीपुर के मैदान में जल जमाव की समस्या की स्थाई समाधान एवं चारदीवारी निर्माण के संबंध में मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर विद्यार्थी परिषद के प्रदेश सहमंत्री अनुपम कुमार झा ने बताया कि विगत 4 - 5 वर्षों से अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय एक महाविद्यालय नहीं बल्कि कचरा डंपिंग जोन बन गया है। इस महाविद्यालय में पूरे मोहल्ले का गंदा पानी बहता है और वर्ष भर महाविद्यालय के मैदान में

जलजमाव रहता है जिस कारण महाविद्यालय के भौतिक एवं अवसंरचना विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है।

यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक एवं नगर निगम प्रशासन की कार्य प्रणाली पर प्रश्न खड़ा करने वाली है, एक शिक्षण संस्थान के परिसर का इस प्रकार उपेक्षित एवं अस्वच्छ बने रहना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी सकारात्मक पहल नहीं होने पर विद्यार्थी परिषद् आंदोलन का मार्ग चुनेगी। वहीं जिला सहसंयोजक शुभम कुमार एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निक्कू आर्या ने अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय के मैदान में हो रहे जल जमाव की समस्या की स्थाई समाधान शीघ्र करने की मांग की। वही नगर सह मंत्री कमलेश कुमार एवं विकासार्थ विद्यार्थी संयोजक अभिषेक कोहली ने कहा कि आसपास के मुहल्ले के जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ताकि महाविद्यालय के मैदान में पानी के प्रवाह को पूर्णता रोका जा सके। अगर आयुक्त ने विद्यार्थी परिषद की मांगों को जायज ठहराते हुए 4 महीने के अंदर नाली निर्माण प्रारंभ करवाने का सकारात्मक आश्वासन दिया तथा महाविद्यालय के समीप स्थल चिन्हित करे बड़े कूड़ेदान को रखवाने के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया।

संक्षिप्त समाचार

केमिस्टस एसोसिएशन के चुनाव में दाखिल सभी नामांकन पत्र वैध

अररिया। फारबिसगंज केमिस्टस एंड ड्रगिस्टस एसोसिएशन के सत्र 2026-29 के लिए 5 अप्रैल को होने वाले चुनाव के तहत नामांकन पत्रों की जांच एवं संविक्षा करने के बाद विभिन्न पदों के लिए कुल 12 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए गए। 6 पदों के लिए होने वाले इस संगठनात्मक चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए अवधेश कुमार साह एवं मो. इम्तियाज, सचिव पद के लिए शंकर प्रसाद साह, कुंदन कुमार एवं मनोज कुमार भारती, कोषाध्यक्ष पद के लिए सुनील गुप्ता एवं सुधीर कुमार जायसवाल, संगठन सचिव के लिए मुकेश जायसवाल एवं मणिशंकर कुमार, उपाध्यक्ष पद के लिए गोपाल कृष्ण सोनु एवं मनोज मेहता जबकि संयुक्त सचिव पद के लिए गणेश यादव प्रत्याशी हैं। सचिव पद के लिए त्रिकोणात्मक मुकाबला होगा। वहीं अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष संगठन सचिव, उपाध्यक्ष के बीच सीधी टक्कर होगी। जबकि संयुक्त सचिव पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार होने के कारण गणेश यादव निर्विरोध चुने जाएंगे। आशय की जानकारी मुख्य चुनाव पदाधिकारी संदीप डाबरीवाला, मार्गदर्शक विनोद सरावगी एवं सहायक चुनाव पदाधिकारी अजीत कुमार झा एवं मो. जासीम द्वारा दी गई। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सिद्धसागर भवन में 5 अप्रैल को चुनाव होगा और उसी दिन परिणाम की घोषणा भी की जाएगी।

नालंदा जिले में परित्यक्त बालिका को मिली ममता की छांव

बिहारशरीफ। जिले में कल्याण बिगहा ओपी थाना पुलिस द्वारा परित्यक्त अवस्था में मिली 10 दिन की बालिका तन्वी कुमारी को आज बुधवार को बाल कल्याण समिति, नालंदा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के निदेर्शानुसार समुचित चिकित्सीय देखभाल के उपरांत बालिका को विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, नालंदा में सुरक्षित रूप से आवासित किया गया। महाराष्ट्र राज्य, पुणे निवासी दम्पति सचिन शाम पाटिल एवं सुजाता सचिन पाटिल संस्थान में बालिका से मिलने पहुंचे। आवश्यक प्रक्रिया एवं विधिक औपचारिकताओं को पूर्ण करने के उपरांत आज बुधवार को उक्त दम्पति द्वारा बालिका को विधिवत दत्तक ग्रहण किया गया। इस अवसर पर कुंदन कुमार,जिलाधिकारी नालंदा के कर-कमलों द्वारा उक्त दंपति को दत्तक ग्रहण आदेश पत्र प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने जमुई में 914 करोड़ की 370 योजनाओं का किया उद्घाटन

एजेंसी

जमुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को समृद्धि यात्रा के दौरान जमुई जिले के लघुआड़ में आयोजित कार्यक्रम में 914 करोड़ रुपये की लागत से कुल 370 विकास योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इन योजनाओं में 602 करोड़ रुपये की लागत से 181 योजनाओं का उद्घाटन तथा 312 करोड़ रुपये की लागत से 189 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने जिले में 27031.47 लाख रुपये की लागत से बनी कुंडघाट जलाशय योजना का शिलापट्ट अनावरण कर उसका उद्घाटन भी किया और संबंधित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के तहत घोषित योजनाओं की प्रस्तुति का

अवलोकन किया और उनके क्रियान्वयन की स्थिति पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कई कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सांकेतिक चेक वितरित किए। इसके तहत सतत जीविकोपार्जन योजना में 1073 लाभार्थियों को 5 करोड़ से अधिक की राशि, 12,814 जीविका स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण के रूप में 114 करोड़ से अधिक की राशि तथा 578 समूहों को परिक्रमी और प्रारंभिक निवेश निधि के तहत लगभग 29.62 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने आयुष्मान कार्ड और बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के लाभुकों को भी सहायता प्रदान की।

सम्राट चौधरी का ऐलान, जमुई में 6 हजार करोड़ की लागत से बनेगा स्टील प्लांट

एजेंसी

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य में रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए जमुई जिले में 6 हजार करोड़ रुपये की लागत से स्टील प्लांट स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके साथ ही भीमबांध और कुंड घाट को इको टूरिज्म के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। वहीं नवादा में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ समृद्धि यात्रा के दौरान जमुई और नवादा पहुंचे उपमुख्यमंत्री चौधरी ने जमुई के लछुआर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में बुनियादी सुविधाओं का गंभीर अभाव था। उस समय सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं पर्याप्त नहीं थीं। उन्होंने कहा कि तब राज्य में केवल 6 हजार किलोमीटर सड़कें थीं, जो अब बढ़कर 1 लाख 40 हजार किलोमीटर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बिहार का बजट पहले लगभग 23 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये का हो चुका है। बिजली के क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव आया है। पहले जहां केवल 17 लाख बिजली उपभोक्ता थे, अब यह संख्या बढ़कर 2 करोड़ 16 लाख हो गई है। राज्य में 22 से 24 घंटे बिजली आपूर्ति हो रही है।

495 लीटर विदेशी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

कटिहार। जिले के रोशना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बंगाल से आ रही 495.12 लीटर विदेशी शराब को जब्त किया। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है। रोशना थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल से एक पिकअप सवार व्यक्ति महानंदा चेक पोस्ट की ओर अवैध शराब लेकर जा रहा है। इस सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस बल के साथ महानंदा चेक पोस्ट के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। वहन जांच के दौरान एक पिकअप सवार व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस बल ने पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम राजीव रविदास (35 वर्ष) पिता अतुल रविदास ग्राम - ओलांदर दिग्धिपाड़ा थाना बामनगोला जिला मालदा (पश्चिम बंगाल) बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 495.12 लीटर विदेशी शराब और एक पिकअप बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने राजीव रविदास को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिले के 57 पंचायतों में पैक्स चुनाव को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से हुआ मतदान

एजेंसी

अररिया। जिले के 57 पंचायतों में पैक्स चुनाव को लेकर बुधवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सुबह सात बजे से पैक्स चुनाव के लिए मतदाता मतदान के लिए मतदान केंद्रों पर पंक्तिबद्ध होकर खड़े हो गए।चुनाव को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।दंडाधिकारी के साथ पुलिस अधिकारियों और बलों की तैनाती मतदान केन्द्र पर की गई थी,ताकि

मतदाता निर्भीक होकर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कर सके। जिले के कुल 186 मतदान केंद्रों पर मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारियों और भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। मतदान सुबह सात बजे से शाम 4 बजकर 30 मिनट तक चली। जिला प्रशासन ने स्वच्छ, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक बूथ पर दंडाधिकारी और पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किया था।

सदर अस्पताल में नौकरी छोड़ चुके गार्डों की भी बनती रही हाजिरी, फर्जी भुगतान का खुलासा

एजेंसी

किशनगंज। सदर अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की तैनाती और भुगतान में बड़े पैमाने पर अनियमितता का मामला सामने आया है। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जो सुरक्षा गार्ड एक साल पहले ही नौकरी छोड़कर जा चुके थे, उनकी उपस्थिति चार दिन पहले तक रजिस्टर में दर्ज की जा रही थी और उनके नाम पर भुगतान भी किया जा रहा था। जांच टीम की रिपोर्ट के अनुसार सदर अस्पताल में तैनात रही सुरक्षा गार्ड रितु कुमारी और रतन कुमार को नौकरी छोड़े एक वर्ष से अधिक समय हो चुका है। इसके बावजूद आउटसोर्सिंग एजेंसी लगातार उनकी उपस्थिति दर्ज कर उन्हें ड्यूटी पर दिखाती रही। हालिया जांच में यह तथ्य सामने आने के बाद पूरे मामले में बड़े फजीर्वाड़े की आशंका और गहरा गई है। दरअसल, सुरक्षा गार्डों की तैनाती में अनियमितता को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के किशनगंज जिला

अध्यक्ष इमाम अली चिंटू ने जिलाधिकारी से शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कागजों में 47 सुरक्षा कर्मियों की तैनाती दिखाई जा रही है, जबकि वास्तविकता में अस्पताल परिसर में मुश्किल से 9 से 10 गार्ड ही ड्यूटी करते नजर आते हैं। शिकायत के बाद डीएम के निर्देश पर गठित जांच टीम ने जब उपस्थिति रजिस्टर और भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की जांच की तो कई चौंकाने वाली अनियमितताएं सामने आईं। जांच में यह भी सामने आया कि आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा जिन सुरक्षा कर्मियों को एक्स-सर्विसमैन बताया गया है, उनमें से अधिकांश वास्तव में पूर्व सैनिक नहीं हैं। एजेंसी इस संबंध में कोई वैध प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत नहीं कर सकी। जांच रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि कई सेमी-स्किल्ड गार्डों को स्किल्ड श्रेणी का भुगतान किया गया, जबकि एक गार्ड को सुपरवाइजर के बराबर वेतन दिया गया। इससे अतिरिक्त भुगतान होने की आशंका जताई जा रही है। मामले की पुष्टि के लिए जब सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई तो पता चला कि अस्पताल में चार महीने से अधिक पुराना फुटेज उपलब्ध ही नहीं है और केवल 11 दिनों का ही डेटा सुरक्षित रखा गया है। इससे वास्तविक उपस्थिति की पुष्टि करना मुश्किल हो गया है। सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि फर्जी उपस्थिति और भुगतान की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है, जो आउटसोर्सिंग एजेंसी को हुए अतिरिक्त भुगतान का आकलन करेगी।

कटिहार में गैस आपूर्ति की स्थिति सामान्य : डीएसओ

कटिहार। मध्य पूर्व में चल रहे विवाद के कारण गैस आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) सुशील कुमार ने बताया कि कटिहार में गैस की स्थिति सामान्य है और पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध हैं। कटिहार जिला के तीनों अनुमंडल क्षेत्रों में कुल 54 गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स हैं, जिनके पास 16149 घरेलू छढ्ढ़गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। कल 5658 सिलेंडर की आपूर्ति की गई है, जबकि बुकिंग 5121 थी। इसके अलावा, 979 व्यवसायिक गैस सिलेंडर भी उपलब्ध हैं। जिला प्रशासन ने गैस आपूर्ति की गहन निगरानी के लिए 16 धावा दल गठित किए हैं और अफवाहों से बचने की अपील की है। जरूरतमंद संस्थानों को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। डीएसओ ने आम लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता होने पर ही गैस बुक करें। समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर 06452-239025 और 239026 पर संपर्क करें।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 में प्रयास एलिमेंट्री स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने लहराया परचम

भगवानपुर/बेगूसराय। नवोदय विद्यालय द्वारा कक्षा 6 में प्रवेश हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा 2026 में प्रखंड क्षेत्र स्थित प्रयास एलिमेंट्री स्कूल, बनवारीपुर के तीन विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के छात्र गौरव कुमार (पिता: श्री राम निवास चौरसिया, निवासी बनवारीपुर) एवं दिव्यांशु कुमार (पिता: श्री जितेंद्र कुमार, निवासी चंन्दौर) ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में क्रमश: प्रथम एवं द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। वहीं, नव्या आनंद (पिता: श्री नरेश कुमार राय, निवासी अतरुआ) ने भी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विद्यालय के निदेशक राजकुमार ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि पिछले कई वर्षों से विद्यालय के छात्र-छात्राएं नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में लगातार उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को नवोदय, सैनिक स्कूल एवं सिमुलतला जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी कराई जाती है, जिससे उन्हें सफलता हासिल करने में मदद मिलती है।विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रामनवमी, चैती दुर्गा पूजा व ईद को लेकर भगवानपुर थाना व तेयाय ओपी में शांति समिति की बैठक आयोजित

भगवानपुर/बेगूसराय। चैती दुर्गा पूजा, चैती छठ, रामनवमी एवं ईद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को भगवानपुर थाना एवं तेयाय ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।तेयाय ओपी परिसर में प्रभारी ओपी अध्यक्ष पंकज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इस दौरान पंकज कुमार ने सभी से सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि डीजे पर प्रतिबंध रहेगा तथा किसी भी प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए एसडीएम से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा।बैठक में मुखिया सुरेंद्र कुमार, पैक्स अध्यक्ष रितेश सिंह, पूर्व सरपंच रामसेवक साह, देवाली पासवान, रामबाबू यादव, मुहम्मद मुतुर्जा, बिस सूत्री अध्यक्ष हेमंत चौधरी, सरपंच अरविंद सिन्हा, काजीरसलपुर चैती दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रामबाबू साह, चितरंजन पासवान, अवकाश प्राप्त कर्मी दशरथ पाठक सहित अन्य लोग एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे। वहीं, प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित मनरेगा भवन के सभागार में थानाध्यक्ष नीरज कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में एक अन्य शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थानाध्यक्ष ने सभी से आपसी भाईचारे और शांति के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार के निदेर्शानुसार डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य होगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अशांति फैलाने या अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी धर्मवीर कुमार प्रभाकर, पूर्व जिला पार्षद रासोगारथ साह, कांग्रेस नेता इन्द्रदेव राय, लोजपा नेता अनिल पासवान, मुखिया प्रतिनिधि शिवनारायण सुमन, सरपंच खुर्शीद आलम, पसस आनंदकांत चौरसिया, यशवंत चौधरी सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

प्रो. राधाकृष्ण चौधरी समृति व्यख्यान का आयोजन

एजेंसी

बेगूसराय। गणेशदत्त महाविद्यालय बेगूसराय में महाविद्यालय के स्नातकोत्तर प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की ओर से विज्ञान भवन के सभागार में प्रोफेसर राधाकृष्ण चौधरी स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ आगत अतिथियों द्वारा प्रधानाचार्य प्रो भूपेन्द्र नारायण की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर आगत अतिथियों का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ अनिल कुमार

और डॉ अमिय कृष्ण द्वारा किया गया।इस अवसर पर बीज वक्तव्य करते हुए महाविद्यालय के पूर्व प्राचीन इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो.फुलेश्वर प्रसाद सिंह प्रोफेसर राधाकृष्ण चौधरी से जुड़े संस्मरण सुनाते हुए भाव विह्वल होते रहे। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर राधाकृष्ण चौधरी विभागाध्यक्ष के साथ उप प्राचार्य भी थे, इसलिए इतिहास अध्यापन के साथ शैक्षणिक अनुशासन के प्रति वे सतत चौकस रहते थे। गरीब और मेधावी छात्रों के लिए उनका दरवाजा सदा खुला रहता था। उनके अध्ययन, अध्यापन की गुणवत्ता और स्तरयिता से महाविद्यालय के हर विभाग के अध्यापन का स्तर प्रभावित होता था। इस महाविद्यालय और शहर का उनके व्यक्तित्व से चुंबकीय आकर्षण था। प्रोफेसर राधाकृष्ण चौधरी स्मृति व्याख्यान के मुख्य वक्ता इतिहासविद एवं पूर्व पुलिस महानिरीक्षक उमेश कुमार सिंह ने अपने गुरु प्रोफेसर चौधरी की अध्ययनशीलता, शोध की बेचैनी और छात्रों से लगाव की चर्चा करते हुए उन्हें दुर्लभ व अद्वितीय शिक्षक बताया। वे इतिहास पढ़ाते हुए इतिहास पढ़ने - जानने के लिए इस तरह प्रेरित करते थे कि अध्ययनशीलता हमारे जीवन का हिस्सा हो गया। अपने गुरु के गुरुत्व से प्रभावित प्रोफेसर चौधरी के व्यक्तित्व पर अपने संभाषण द मैन विद मिशन में श्री सिंह ने प्रोफेसर चौधरी के जीवन निर्माण, सामाजिक सरोकार और उनके व्यक्तित्व के विविध आयाम को प्रतिबिम्बित करने की कोशिश की।

संगठन सृजन अभियान को गति देने के लिए जिला पर्यवेक्षकों और बीपीसीसी कनेक्ट सेंटर की बैठक

एजेंसी

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में संगठन सृजन अभियान के तहत नियुक्त जिला पर्यवेक्षकों एवं बीपीसीसी कनेक्ट सेंटर की एक आवश्यक बैठक बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी का स्पष्ट निर्देश है कि संगठन में सेकंड लाइन और थर्ड लाइन के

नेताओं को अवसर दिया जाए, साथ ही वरिष्ठ नेताओं का सम्मान भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी स्तरों पर संतुलन और सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने बताया कि संगठन सृजन अभियान के तहत 163 जिला पर्यवेक्षकों को विभिन्न जिलों में नियुक्त किया गया है, जो जनवरी माह से ही सक्रिय रूप से संगठनात्मक कार्यों में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रखंड स्तर के नेताओं को जिला स्तर तक और जिला स्तर के नेताओं को प्रदेश स्तर तक आगे बढ़ाना है, ताकि संगठन को नई ऊर्जा मिल सके। राजेश राम ने बीपीसीसी कनेक्ट सेंटर एवं सभी जिला पर्यवेक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने अत्यंत ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य किया है।

सेवानिवृत्ति अंत नहीं, नई जिम्मेदारियों की शुरूआत: राधाकृष्णन

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आगामी अप्रैल से जुलाई के बीच अपना कार्यकाल पूरा कर सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति को अंत नहीं, बल्कि नई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की शुरूआत के रूप में देखना चाहिए। सभापति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के प्रावधानों के अनुसार हर दो वर्ष में सदन के एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं, जिससे सदन की कार्यप्रणाली में निरंतरता बनी रहती है और नए सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जो अनुभव और नई ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखती है। सेवानिवृत्ति अंत नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों की शुरूआत है। यह परंपरा नए सदस्यों को अवसर देने के साथ-साथ अनुभवी सदस्यों के मार्गदर्शन को भी बनाए रखती है। सेवानिवृत्त सदस्य अपने अनुभव और ज्ञान के माध्यम से आगे भी सार्वजनिक जीवन में योगदान देते रहेंगे। विदाई भाषण में सभापति ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों और ग्रामीण भारत से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन में उठाया। उनके अनुभव और किसानों एवं ग्रामीण समुदायों के प्रति प्रतिबद्धता ने सदन की चर्चाओं को समृद्ध किया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की भूमिका को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खरगे ने संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया।

इसके साथ ही उपसभापति हरिवंश के कार्यकाल की सराहना करते हुए सभापति ने कहा कि उन्होंने सदन का संचालन गरिमा, निष्पक्षता और धैर्य के साथ किया और सभी दलों का सम्मान अर्जित किया। सभापति ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे सदस्य अपने-अपने राज्यों और समुदायों की आकांक्षाओं के सशक्त प्रतिनिधि रहे हैं और उन्होंने महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में उठाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत किया है। उन्होंने तमिल के एक भावपूर्ण वाक्य का उल्लेख करते हुए कहा कि अच्छे कार्य समय के बाद भी जीवित रहते हैं और सदस्यों का योगदान सदन की विरासत का हिस्सा बना रहेगा। सभापति ने सभी सेवानिवृत्त सदस्यों के स्वस्थ, सुखद और सफल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे आगे भी राष्ट्रसेवा में सक्रिय रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिलने पहुंचे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली। नई दिल्ली में बुधवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और औद्योगिक बैठक देखने को मिली, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव और सांसाद प्रियंका गांधी वाड्रा अचानक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने संसद भवन पहुंचे। दरअसल, राजस्थान से बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार की सुबह राहुल गांधी से मिलने आया था। राजस्थान से आए इस डेलिगेशन ने व्यापार से जुड़ी नीतिगत चुनौतियों, नए नियमों के कारण बढ़ती कठिनाइयों और उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव को विस्तार से बताया। प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्काल पहल की और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ उन्हें लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उद्योग से जुड़े मुद्दों को सीधे संबंधित मंत्री के सामने रखने का प्रयास किया गया, ताकि समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। बैठक हालांकि कुछ ही मिनटों तक चली, लेकिन इसमें कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से बस और ट्रक बॉडी निर्माण उद्योग पर नए नियमों के प्रभाव, नीतिगत बदलावों की आवश्यकता और कारोबार में आ रही बाधाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों के अनुसार, डेलिगेशन ने केंद्र सरकार से नियमों में राहत और स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की है, जिससे उद्योग को स्थिरता मिल सके। वहीं, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने भी समस्याओं को सुनकर उन्हें सकारात्मक रूप से देखने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को उद्योग और राजनीति के बीच समन्वय के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जहां जनप्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर व्यापारिक समुदाय की आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम किया। आने वाले समय में इस बैठक के परिणामस्वरूप नीतिगत स्तर पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा - यूएई एयरबेस के पास हुआ ईरानी हमला, पर सभी सुरक्षित

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण बयान में पुष्टि की कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों की तैनाती वाले एयरबेस के समीप एक ईरानी मिसाइल गिरी है। गनीमत यह रही कि इस हमले में किसी भी ऑस्ट्रेलियाई सैन्य कर्मी को चोट नहीं आई है और सभी सुरक्षित हैं। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि ईरानी मिसाइल ने दुबई के दक्षिण में स्थित अल मिनहाद एयरबेस की ओर जाने वाले एक मुख्य मार्ग को प्रभावित किया। बता दें सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मध्य पूर्व में अभी भी लगभग 1,15,000 ऑस्ट्रेलियाई नागरिक मौजूद हैं, जिनमें से अकेले संयुक्त अरब अमीरात में 24,000 लोग रह रहे हैं। विदेश मामलों और व्यापार विभाग की छह संकट प्रतिक्रिया टीमें लगातार वहां फंसे नागरिकों को वाणिज्य दूतावास सहायता प्रदान कर रही हैं। एयरबेस के पास हुए इस हमले के बाद अब वहां तैनात कर्मियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। मिसाइल गिरने के बाद वहां आग लग गई, जिससे एक आवास ब्लॉक और एक चिकित्सा केंद्र को मामूली नुकसान पहुंचा है। हालांकि, किसी बड़े जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल वर्ष 2003 से अल मिनहाद एयरबेस का उपयोग अपने संचालनात्मक मुख्यालय के रूप में कर रहा है। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के बाद से यहाँ वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया की एक छोटी सैन्य टुकड़ी तैनात है। प्रधानमंत्री ने खाड़ी क्षेत्र में ईरानी शासन की गतिविधियों पर चिंता जताते हुए कहा कि वे लगातार इस तरह के हमलों में शामिल हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है।इससे पहले 5 मार्च को, ऑस्ट्रेलिया ने मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के मद्देनजर अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए अतिरिक्त सैन्य साधन तैनात किए थे।

इंदौर-दिल्ली में आग का कहर, 17 लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली/इंदौर। इंदौर और नई दिल्ली में बुधवार को हुए दो अलग-अलग भीषण अग्निकांडों ने देश को झकझोर कर रख दिया। इन हादसों में कुल 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। इंदौर के ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी में तड़के एक घर के बाहर चार्ज हो रही इलेक्ट्रिक कार में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि घर में रखे 4 गैस सिलेंडर एक के बाद एक धमाके के साथ फट गए। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के 8 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जिनमें एक मासूम बच्चा भी शामिल है।

हादसे के दौरान बिजली कटने से घर के डिजिटल लॉक जाम हो गए, जिससे अंदर मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके। पड़ोसियों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता के आगे सब बेबस नजर आए। तीन घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना पर प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गहरा दुख जताते हुए मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

वहीं नई दिल्ली के पालम इलाके में चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग में 9 लोगों की जान चली गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरी इमारत धुएं और लपटों से घिर गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 25 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में दोनों घटनाओं में शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण माना जा रहा है। पुलिस और प्रशासन ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जा रही है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि बढ़ती तकनीक के साथ सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज करना कितना खतरनाक साबित हो सकता है। अब जरूरत है कि इलेक्ट्रिक वाहनों, भवन निर्माण और अग्नि सुरक्षा को लेकर सख्त नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

एनआईए ने छह यूक्रेनी नागरिकों को पकड़ा हिरासत में एक अमेरिकी नागरिक भी

इन लोगों पर म्यांमार के आतंकी ग्रुप को ड्रोन वॉरफेयर सिखाने का है आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। एनआईए ने छह यूक्रेनी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इन पर अवैध रूप से मिजोरम में प्रवेश करने और फिर पड़ोसी देश म्यांमार जाकर उग्रवादियों को लड़ाई की ट्रेनिंग देने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक एनआईए ने दिल्ली और लखनऊ समेत कई प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट्स से इन छह यूक्रेनी नागरिकों को पकड़ा है। इसके अलावा एक अमेरिकी नागरिक को कोलकाता एयरपोर्ट से हिरासत में लिया है, जिसकी पहचान मैथ्यू वैनडाइक के रूप में हुई है। इन सभी के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसियों का दावा है कि ये सभी विदेशी नागरिक मिजोरम पहुंचे थे, जो कि सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्य माना जाता है। यह राज्य म्यांमार के साथ करीब 510 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इस क्षेत्र में विदेशी नागरिकों के प्रवेश के लिए ह्यारिस्ट्रिक्टेड एरिया परमिटह्व अनिवार्य है, लेकिन आरोप है कि इन लोगों ने बिना अनुमति के इस क्षेत्र में प्रवेश किया। इतना ही नहीं, एजेंसियों का यह भी कहना है कि इन विदेशी नागरिकों ने म्यांमार के अंदर सक्रिय कुछ जातीय सशस्त्र समूहों से संपर्क किया और उन्हें कथित तौर पर प्रशिक्षण और उपकरण उपलब्ध कराए। पकड़े गए ये सभी नागरिक ड्रोन तकनीक में माहिर बताए जा रहे हैं।

खुफिया सूत्र बताते हैं कि ये लोग म्यांमार के आतंकी ग्रुप को ड्रोन वॉरफेयर सिखाने आए थे। अगर म्यांमार के आतंकी समूह आधुनिक ड्रोन से लैस हो गए, तो इसका सीधा असर भारत के मिजोरम, मणिपुर और नगालैंड की सुरक्षा पर पड़ेगा। इस पूरे मामले पर यूक्रेन ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्सैंडर पोलिशचक ने विदेश मंत्रालय को औपचारिक विरोध पत्र सौंपा है। यूक्रेन का कहना है कि उसके नागरिकों के खिलाफ अब तक किसी भी आपराधिक गतिविधि के ठोस सबूत सामने नहीं आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने यह भी आरोप लगाया है कि हिरासत में लिए गए नागरिकों की जानकारी उन्हें समय पर नहीं दी गई, जो कि वियना संधि के प्रावधानों का उल्लंघन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भेजा अपना खास दूत कहा- पता करें नेतन्याहू जिंदा है या नहीं

वॉशिंगटन। बीते कई दिनों में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत और उनके एआई जनरेटेड वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों पर अब विराम लग गया है। नेतन्याहू ने एक नया और दिलचस्प वीडियो साझा किया है, जिसमें वे न केवल जीवित और स्वस्थ नजर आ रहे हैं, बल्कि अपनी मौत की अफवाहों पर तंज भी कस रहे हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कथित तौर पर अपने दूत माइक हकाबी को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए भेजा था कि इजरायली नेता सुरक्षित हैं। वीडियो में हकाबी मजाक में कहते दिख रहे हैं, मिस्टर प्राइम मिनिस्टर, राष्ट्रपति ने मुझे यहाँ यह पक्का करने के लिए भेजा था कि आप ठीक हैं। इस पर नेतन्याहू ने दृढ़ता से जवाब दिया, हाँ माइक, मैं जिंदा हूं। हाल ही में मंगलवार को पोस्ट किए गए इस वीडियो में नेतन्याहू अमेरिका के नवनियुक्त दूत माइक हकाबी के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो की शुरूआत में इजरायली प्रधानमंत्री मुस्कुराते हुए कहते हैं, मैं जिंदा हूं।

रेलवे का मेगा प्लान : मुंबई लोकल मजबूत गुजरात में बुलेट ट्रेन दौड़ने को तैयार

अहमदाबाद। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि मुंबई उपनगरीय नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए 238 नई उपनगरीय ट्रेनों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम की सुविधा होगी। उन्होंने यह भी बताया कि मुंबई उपनगरीय सेवाओं में यात्रियों को राहत देने के लिए सरकार द्वारा लगभग रु. 3,000 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है। रेल मंत्री ने

गुजरात से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना पर तेजी से कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना के अंतर्गत 300 किमी से अधिक वायाडक्ट निर्माण पूरा हो चुका है तथा पियर निर्माण, ट्रैक बिछाने और स्टेशनों के विकास का कार्य जारी है। साथ ही, भारत की पहली अंडरसी रेल सुरंग पर भी कार्य प्रगति पर है। उन्होंने आगे बताया कि परियोजना में 435 किमी फाउंडेशन कार्य, 338 किमी गिर्डर इंस्टॉलेशन, 168 किमी ट्रैक बिछाने के साथ ओएचई इंस्टॉलेशन का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। इसके साथ ही वापी, बिलिमोरा, सूरत तथा बीकेसी स्टेशन सहित कई स्टेशनों का कार्य तेजी से पूर्णता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत कई नदियों पर पुलों का निर्माण पूरा किया जा चुका है तथा भरूच, वडोदरा, आनंद, नडियाद, अहमदाबाद और साबरमती क्षेत्रों में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेल मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि सीमा क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नए रेलवे लाइनों के सर्वे किए जा रहे हैं, जिनमें कच्छ क्षेत्र में देशलपार से हाजीपीर तथा वायोर से लखपत तक कनेक्टिविटी विकसित करने की योजना शामिल है।उन्होंने कहा कि इन पहलों से आधुनिक कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा और यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट में ममता सरकार का तर्क, ईडी को याचिका दाखिल करने का अधिकार नहीं

नई दिल्ली। बंगाल की राजधानी कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ऑफिस और उसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर पर रेड मामले में दाखिल प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने सवाल खड़े किए हैं। ईडी की याचिका में दावा किया गया है कि रेड के वक्त मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आला पुलिस अधिकारियों के साथ पहुंचीं और छापेमारी में बाधा डालकर सबूत नष्ट किए। याचिका में रेड में बाधा डालने और सबूत नष्ट करने पर ममता और सीनियर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग की गई है। इस याचिका पर बुधवार को बंगाल सरकार के वकील श्याम दीवान ने कहा कि ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल नहीं कर सकती है, यह अनुच्छेद मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए है और ईडी कोई व्यक्ति नहीं है इसलिए उसके मौलिक अधिकार नहीं हो सकते। वकील दीवान ने कहा कि क्या ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल कर सकती है, यह एक संवैधानिक प्रश्न है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 145 के तहत इसतरह के मामलों की सुनवाई करीब 5 जजों की बेंच में होनी चाहिए। इस पर ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बंगाल सरकार खुद आर्टिकल 32 के तहत रिट पिटीशन दाखिल कर चुकी है और केरल सरकार भी ऐसा कर चुकी है। इन्होंने राज्य के तौर पर याचिका दाखिल की थी। बात दें कि इस मामले में ईडी का आरोप है कि 8 जनवरी 2026 को कोयला घोटाले से जुड़े मामले में जब वे आई-पैक के दफ्तर में छापेमारी कर रहे थे, तब ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया, सबूतों को गायब किया और उनके काम में बाधा डाली। इस मामले में ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से ममता और बंगाल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग की है। जबकि ममता सरकार ने दलील दी कि ईडी की याचिका दुर्भावनापूर्ण है और इसका उद्देश्य 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को निशाना बनाना है। राज्य सरकार के वकील श्याम दीवान ने तर्क दिया कि क्या कोई केंद्रीय एजेंसी अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर कर सकती है, और इस मामले को 5 जजों की संवैधानिक बेंच के पास भेजा जाना चाहिए।

रिपोर्ट में जताई चिंता : ईरान की चाबहार परियोजना के भविष्य पर मंडराने लगे संकट के बादल

नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया क्षेत्र में ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण युद्ध के दौर में भारत में चाबहार बंदरगाह के मुद्दे की गूंज सुनाई दी है। जिसका जिक्र इस बार सरकार की तरफ से नहीं बल्कि विदेश मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति द्वारा मंगलवार को संसद में

पेश की गई एक रिपोर्ट में किया गया है। जिसमें ये कहा गया है कि हालिया घटनाक्रम की वजह से बंदरगाह विकास की परियोजना खतरे में है। देश के लिए चाबहार रणनीतिक रूप से एक बेहद महत्वपूर्ण बंदरगाह है। उक्त संघर्ष, अमेरिका की ओर से बीते वक्त में इसके निर्माण कार्य पर लगाई गई पाबंदी और टैरिफ जैसे कुछ निर्णयों का इस पर खासा असर देखने को मिला है। वहीं, समिति ने मामले के प्रभावों को लेकर सरकार द्वारा सभी भागीदार पक्षों से संवाद के क्रम को लगातार बनाए रखने के कदम का स्वागत किया है। यहां बता दें कि मंत्रालय की वर्ष 2026-27 की अनुदान मांगों पर समिति की यह 12वीं रिपोर्ट थी। जिसे 17 मार्च को संसद में पेश किया गया था। समिति की अध्यक्षता कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार में विदेश राज्य मंत्री और मौजूदा वरिष्ठ सांसद शशि थरूर कर रहे हैं। समिति ने रिपोर्ट में ये भी कहा कि चाबहार बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण बंदरगाह है। जिससे उसे अफगानिस्तान और मध्य- एशिया में सीधे प्रवेश करने का अवसर मिलेगा। साथ ही यह बंदरगाह अंतरराष्ट्रीय नार्थ साउथ कॉरिडोर के साथ जुड़ने के लिए भी काफी अहम भूमिका निभाता है। इस संबंध में तमाम योजनाओं और प्रगति को लेकर समिति ने मंत्रालय से उसे लगातार जरूरी जानकारी साझा करने के लिए कहा है। इसके अलावा पिछले साल सितंबर महीने में अमेरिका द्वारा 2018 में लगाई गई पाबंदियों को वापस लेने के एक निर्णय का भी उल्लेख किया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा कि वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान में चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए विदेश मंत्रालय ने 100 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की थी।

भारतीय नौसेना ने तैयार किया अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच

कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को मिल रही पूरी सुरक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति पर मंडराते खतरों को देखकर भारतीय नौसेना ने देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच तैयार कर लिया है। इस रणनीतिक मिशन के तहत, नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो विशेष टास्क फोर्स तैनात की हैं, जो भारत आने वाले कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को संवेदनशील मार्गों से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए निरंतर एस्कॉर्ट प्रदान कर रही हैं। यह अभियान न केवल व्यापारिक जहाजों को संभावित हमलों या अवरोधों से बचाता है, बल्कि वैश्विक शिपिंग गलियारों में अनिश्चितता के बीच भारत की एनर्जी लाइफलाइन को बनाए रखता है। 2019 से इस क्षेत्र में अपनी सक्रिय उपस्थिति रख रही भारतीय नौसेना की यह त्वरित तैनाती भारत के उस कड़े संकल्प को दिखाती है, जहाँ वह अपनी अर्थव्यवस्था को किसी भी बाहरी दबाव या आपूर्ति में होने वाली रुकावट से सुरक्षित रखने के लिए हर स्तर पर तैयार है।

नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो टास्क फोर्स तैनात की हैं, ताकि भारत आने वाले व्यापारिक जहाजों और टैंकरों का सुरक्षित आवागम मिल सके। सुरक्षा अभियान पिछले सप्ताह शुरू हुए थे, जिसमें नौसैनिक जहाज संवेदनशील हिस्सों से गुजरते समय जहाजों के साथ चलते हैं और फिर उन्हें भारतीय बंदरगाहों की ओर निर्देशित करते हैं। नौसेना वाणिज्यिक शिपिंग को पूरी सुरक्षा प्रदान कर रही है, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास बढ़ते जोखिमों के बीच आपूर्ति में किसी भी रुकावट को रोकना है। यह तैनाती भारत की ऊर्जा जीवनरेखाओं को सुरक्षित करने के प्रयास का हिस्सा है, क्योंकि देश के कच्चे तेल और गैस आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर जाता है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान मिशन व्यापक समुद्री सुरक्षा ग्रिड का हिस्सा है, इस प्रमुख समुद्री मार्गों की रक्षा करने और ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया है।

अमेरिका ने एच-1बी वीजा देने की प्रक्रिया में किया बदलाव

अब सैलरी के आधार पर चयन, 1 अप्रैल से नया फार्म आई-129 होगा लागू

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका ने एच-1बी वीजा प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। अब तक इस वीजा के लिए उम्मीदवारों का चयन रैंडम लॉटरी सिस्टम से किया जाता था, लेकिन नए नियमों के तहत चयन वेतन के आधार पर किया जाएगा। अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी ने इसके लिए फार्म आई-129 का नया सिस्टम तैयार किया है, जिसे 1 अप्रैल 2026 से अनिवार्य कर दिया जाएगा। नए सिस्टम के तहत कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के लिए दाखिल याचिका में नौकरी से जुड़ी विस्तृत जानकारी देनी होगी। इससे पहले की तुलना में ज्यादा अनुभवी और अधिक वेतन पाने वाले प्रोफेशनल्स के चयन की संभावना बढ़ जाएगी। नई प्रक्रिया में आवेदकों को चार वेतन स्तरों में बांटा जाएगा। जिस पद का वेतन स्तर जितना ऊंचा होगा, चयन की संभावना उतनी अधिक होगी। उदाहरण के लिए, लेवल-4 के उम्मीदवार को चयन के चार मौके मिलेंगे, जबकि लेवल-1 के उम्मीदवार को केवल एक मौका मिलेगा। फार्म आई-129 का उपयोग अस्थायी कामगारों को अमेरिका बुलाने के लिए किया जाता है।

अमेरिका का श्रम विभाग हर पेशे और शहर के लिए एक मानक वेतन तय करता है, जिसके आधार पर नौकरी को लेवल-1 से लेवल-4 तक वर्गीकृत किया जाता है। नए सिस्टम के अनुसार वेतन स्तर और चयन की संभावना इस प्रकार होगी। एंट्री लेवल की सैलरी लगभग 69 से 83 लाख रुपये के बीच मानी गई है। पहले लॉटरी सिस्टम में इसकी संभावना लगभग 29.59 प्रतिशत थी, जो नई प्रक्रिया में घटकर करीब 15.29 प्रतिशत रह जाएगी।

10 जुलाई से शुरू होंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एथेंस (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरू होंगे। ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे। वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे। इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है। वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था। आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे। इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा। फुटबॉल टूनार्मेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा। ओलंपिक 2028 में फुटबॉल टूनार्मेंट में बड़ा बदलाव इसलिए किया जा रहा है जिससे यह टूनार्मेंट पहले से ज्यादा रोमांचक बन सके।

आईपीएल 2026: आरसीबी टीम से जुड़े विराट, भुवनेश्वर और क्रुणाल

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली, अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पांड्या और देवदत्त पडिक्कल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले टीम से जुड़ गए हैं। आईपीएल के इस सीजन की शुरूआत 28 मार्च से हो रही है। आरसीबी अपने अभियान की शुरूआत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में करेगी। आरसीबी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए इन स्टार खिलाड़ियों के पहुंचने की पुष्टि की। आरसीबी ने एक्स पर विराट के आगमन के बारे में पोस्ट करते हुए लिखा, ₹उन्हें देखने की जरूरत नहीं है.. यह जानने के लिए कि वे आ रहे हैं। कैलेंडर देखें। संकेत मिल जाएंगे। 'स्विंग किंग' भुवनेश्वर भी टीम में शामिल हो गए हैं। आरसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया कि वह शांति लाते हैं, लेकिन उनका प्रभाव जबरदस्त है। भुवी घर लौट आए हैं और यह अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर जिम्मेदारियां संभालने के लिए तैयार हैं। हमारे स्विंग किंग को अपना प्यार दिखाएं। पडिक्कल भी टीम से जुड़ गए हैं, जिन्होंने पिछले सीजन में नंबर तीन पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आरसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया कि 2020 में पदार्पण किया। 2026 में भी हमारे ही। बेंगलुरु के अपने स्टार बॉय, देवदत्त पडिक्कल आईपीएल 2026 के लिए पूरी तरह तैयार हैं। क्रुणाल के टीम से जुड़ने पर फ्रेंचाइजी ने पोस्ट कर लिखा कि औरा 'के' से शुरू होता है और 'एल' पर खत्म होता है। वह वापस आ गया है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि बेंगलुरु का मौसम आज थोड़ा और ठंडा हो गया है। 12वीं मैन आर्मी, हमारे 'क्लच गॉड' क्रुणाल पांड्या पर अपना प्यार बरसाना शुरू कर दो। पिछले सीजन में विराट कोहली ने 15 पारियों में 54.75 के औसत और 144.71 के स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे, जिसमें आठ अर्धशतक शामिल थे।कोहली 267 आईपीएल मैचों में आठ शतक और 63 अर्धशतकों के साथ 8,661 रन बना चुके हैं। पिछले सीजन भुवनेश्वर आरसीबी के लिए तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, जिन्होंने 14 मैचों में 28.41 के औसत से 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट ले चुके हैं। वहीं क्रुणाल ने आरसीबी के लिए पिछले सीजन में 15 मैचों में 17 विकेट लेने के साथ बल्ले से 109 रन भी बनाए थे।

बल्लेबाज ओली पोप को भरोसा

एशेज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी दिखाएंगे अपना सर्वश्रेष्ठ

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप का मानना है कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी आना बाकी है। इस सीरीज में इंग्लैंड को 4-1 से हार मिली थी और खराब फॉर्म के चलते पोप को टीम से बाहर भी होना पड़ा था। 28 वर्षीय बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया में खेले शुरूआती तीन टेस्ट मैचों में कुल 125 रन बनाए, जो उनके स्तर के हिसाब से काफी निराशाजनक रहा। दौरे के बाद जब इंग्लैंड टीम की प्रतिबद्धता पर सवाल उठे तब पोप ने इसे आत्ममंथन और नए सिरे से तैयारी का मौका माना। अब उनका पूरा ध्यान खुद को बेहतर बनाने पर है, ताकि आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम में वापसी कर सकें। एशेज के दौरान छह पारियों में से एक में भी पोप पचास रन नहीं बना पाए और चौथे व पांचवें टेस्ट में उन्हें बेंच पर बैठा दिया गया था। उनकी जगह प्लेइंग इलेवन में जैकब बेथेल को शामिल किया गया था। आईसीसी के अनुसार सरे के प्री-सीजन मीडिया डे पर पोप ने कहा कि मुझे अपनी स्थिति का पता था। टीम से बाहर होना मुश्किल था, लेकिन उस समय यह सही फैसला था। उन्होंने आगे कहा कि बातचीत का मकसद बस यही था कि वापस जाकर खूब रन बनाऊं और अगर इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में जगह न मिले तो यह सुनिश्चित करूं कि मैं देश का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज साबित होऊं। अगर कुछ होता है तो यह सुनिश्चित करना है कि मेरी जगह लेने के लिए मैं ही सही खिलाड़ी हूं। मैंने बहुत टेस्ट क्रिकेट खेला है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि मेरे बल्लेबाजी के सर्वश्रेष्ठ दिन अभी आने बाकी हैं। पोप ने 'इंग्लैंड एशेज जीतने को लेकर गंभीर नहीं था' आरोपों पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह एक लोकप्रिय टीम बनना चाहते हैं और दुर्भाग्य से ऑस्ट्रेलिया में हमारे प्रदर्शन ने ऐसा होने नहीं दिया। मैं समझ सकता हूं कि लोगों को ऐसा क्यों लगा। यह धारणा कि हम बेफिक्र थे, शायद सबसे मुश्किल बात थी। हर खिलाड़ी एशेज सीरीज के दबाव को संभालने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि हर कोई सिर्फ जीतना चाहता था। मुझे लगता है कि शायद कभी-कभी हमारे मन में यही बात थी कि हम टेस्ट मैच के दबाव को कम करने के लिए, जैसा कि हमने पिछले दौरों में किया था, इसे एक सामान्य सीरीज की तरह लें ताकि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हो पाया।

ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वे ग्रेग शिप्पर्ड की जगह लेंगे और जून से अपना कार्यभार संभालेंगे। ग्रेग का कार्यकाल उनके अनुबंध में एक साल शेष रहते हुए ही समाप्त कर दिया गया था। 48 वर्षीय हैडिन नवंबर 2014 में क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद पहली बार वापसी कर रहे हैं। हैडिन अपने साथ कोचिंग का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। हैडिन ने इससे पहले डैरेन लेहमैन और जस्टिन लैंगर के मार्गदर्शन में ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सहायक और फील्डिंग कोच के रूप में काम किया है। वह वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में रिकी पोंटिंग की कोचिंग वाली पंजाब किंग्स के सहायक कोच हैं और इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के भी सहायक कोच रह चुके हैं। हैडिन ने एक बयान में कहा, ₹एनएसडब्ल्यू क्रिकेट मेरे जीवन का एक अभिन्न अंग रहा है और मुख्य कोच के रूप में इस टीम में फिर से शामिल होना मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है।" उन्होंने कहा, 'मैं हमारे मौजूदा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं ताकि एनएसडब्ल्यू क्रिकेट में एक नई जान फूंकी जा सके और एक ऐसी टीम बनाई जा सके जिसकी खेल शैली दमदार और विशिष्ट हो, जिस पर हम सभी गर्व कर सकें।'

पंड्या की कप्तानी में खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी मुंबई : हरभजन सिंह

नई दिल्ली। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी। हरभजन के अनुसार पंड्या का लक्ष्य पिछले 5 सालों से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करना रहेगा। हरभजन के अनुसार जीत के लिए पंड्या को आगे बढ़कर आक्रामक अंदाज में कप्तानी करनी होगी। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि मुम्बई को सलामी जोड़ी को लेकर भी अपनी स्थिति साफ करनी चाहिये। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की भूमिका भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक को अपने स्वाभाविक अंदाज में ही खेलना चाहिये। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ गेम दिखाना होगा। उन्हें बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अहम भूमिका निभानी होनी। जिस प्रकार उन्होंने टी 20 विश्व कप में गेंदबाजी की थी वैसी ही उन्हें आईपीएल में भी करनी होगी। उन्होंने कहा, जब कोई कप्तान आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करता है और रास्ता दिखाता है, तो बाकी खिलाड़ी भी उसका साथ देते हैं। यह सब भरोसे पर निर्भर करेगा। अगर हार्दिक और उनकी टीम पहले दिन से ही तय कर ले कि उनका लक्ष्य खिताब जीतना है तो मुम्बई टीम को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पायेगा। वहीं रयान रिकल्टन और क्विंटन डी कॉक को अंतिक ग्यारह में रखे जाने के सवाल पर , हरभजन ने कहा कि दोनो को एकसा रखे जाने की संभावना नहीं है। इन दोनों में से कोई एक ही शुरूआत में रखा जाएगा। दोनों को एक साथ उतारना इसलिए संभव नहीं है क्योंकि टीम के पास रोहित शर्मा सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे शीर्ष बल्लेबाज हैं।

रायगढ़ स्टेडियम में 19 मार्च से शुरू होगा एमएसपी कार्डिनल कप सीजन 9

रायगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के टेनिस बॉल क्रिकेट के प्रेमियों के लिए इंतजार की घड़ियाँ अब खत्म होने वाली हैं। 19 मार्च से एमएसपी कार्डिनल कप सीजन 9 अपने पूरे वैभव और भव्यता के साथ लौटने के लिए तैयार है। यह केवल एक टूनार्मेंट नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने से आने वाले खिलाड़ियों के लिए अपनी किस्मत और हुनर को आजमाने का एक महामंच है। कार्डिनल कप आयोजन समिति ने प्रेसवार्ता में टूनार्मेंट के बारे में विस्तार से बताया। टूनार्मेंट नॉक आउट सिस्टम से खेला जाएगा। जिसमें कुल 32 मैच होंगे। हर दिन चार मैच होंगे और हर मैच 8-8 ओवर का होगा। सेमीफाइनल और फाइनल मैच 12 ओवर का खेला जाएंगे। प्रशासन 11 और पत्रकार 11 के मैच से टूनार्मेंट का उद्घाटन होगा।सीजन 9 की तैयारियों को लेकर आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि इस बार मैदान की सजावट, पिच की गुणवत्ता और प्रकाश व्यवस्था को पिछले सभी आठ सीजनों से बेहतर बनाया गया है। टूनार्मेंट में कुल 32 टीमें शिरकत कर रही हैं। इन टीमों का चयन काफी कड़े मापदंडों के आधार पर किया गया है। कार्डिनल कप की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसमें किसी एक क्षेत्र के नहीं, बल्कि भारत के कोने-कोने से खिलाड़ी आ रहे हैं। मुंबई के तेजतर्रार टेनिस क्रिकेट स्टार्स से लेकर उत्तर भारत के धाकड़ बल्लेबाजों और मध्य भारत के चतुर गेंदबाजों तक, यहाँ ह्यविविधता में एकताह्न का नजारा दिखेगा। एमएसपी कार्निडल कप की आयोजन समिति कार्डिनल रोटी बैंक ने इस बार इनामी राशि में भारी बढ़ोतरी की है । प्रथम पुरस्कार अपने नाम करने वाली टीम को दो लाख रुपये की भारी-भरकम नकद राशि और एक भव्य ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।फाइनल में कड़ी टक्कर देकर दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम को एक लाख रुपये से सम्मानित किया जाएगा। हर मैच में 'मैन ऑफ द मैच', सर्वश्रेष्ठ अनुशासित टीम, और टूनार्मेंट के अंत में 'मैन ऑफ द सीरीज' के लिए विशेष उपहार और नकद पुरस्कारों की व्यवस्था की गई है। मैदान में मैच का आनंद लेने आए दर्शकों के लिए आयोजन समिति ने आकर्षक उपहार रखें हैं। कार्डिनल रोटी बैंक के अध्यक्ष अरुण उपाध्याय कहते हैं कि खेल दर्शकों के बिना अधूरा है। इसलिए, मैदान में आने वाले दर्शकों के अनुभव को यादगार बनाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। बाउंड्री लाइन के बाहर बैठने वाले दर्शकों के लिए 'कैच पकड़ो, इनाम जीतो' जैसे कई छोटे कॉन्टेस्ट आयोजित किए जाएंगे।

वेस्टइंडीज सीरीज से पहले सोफी मोलिनक्स अपनी हर भूमिका निभाने के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी मोलिनक्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए खुद को तैयार बताया है। उन्होंने कहा है कि वह अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। टी-20 सीरीज से दोनों टीमें आगामी आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी तैयारियों को और तेज करने का लक्ष्य रखेंगी। ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में भारत, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स जैसी टीमों के साथ रखा गया है।

दूसरी ओर वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ग्रुप बी का हिस्सा हैं। मोलिनक्स पीठ की चोट के कारण घर पर भारत के खिलाफ खेले गए आखिरी वनडे मैचों में नहीं खेल पाईं थीं, लेकिन कैरेबियन चुनौती से पहले वह पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। आईसीसी के अनुसार मोलिनक्स ने मंगलवार को सेंट विंसेंट में कहा कि यह निश्चित है, मैं अपनी भूमिका निभाने और मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हूं। मैं लड़कियों के साथ मैदान में वापस आने के लिए उत्सुक हूं। हालांकि मोलिनक्स ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उपलब्धता के अलावा वह क्या भूमिका निभाएंगी। यह देखना बाकी है कि मोलिनक्स सभी छह व्हाइट-बॉल मैचों में खेलेंगी या नहीं। क्योंकि, उन्होंने संकेत दिया है कि टी-20 मैचों के बाद खेले जाने वाले 50 ओवर के मुकाबलों से उन्हें आराम दिया जा सकता है ताकि जून में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए उनका शरीर तैयार हो सके। मोलिनक्स ने आगे कहा कि यह हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण श्रृंखला है क्योंकि टी-20 विश्व कप से पहले हमारे पास ज्यादा मैच नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि हर मैच बहुत महत्वपूर्ण है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वेस्टइंडीज इस सीरीज को टी-20 विश्व कप की तैयारी के तौर पर देखेगी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैचों के लिए पूरी ताकत के साथ उतरेगी।

सीरीज का कार्यक्रम

पहला टी-20 मैच : 19 मार्च, सेंट विंसेंट।दूसरा टी-20 मैच: 21 मार्च, सेंट विंसेंट। तीसरा टी-20 मैच: 23 मार्च, सेंट विंसेंट। पहला वनडे: 27 मार्च, सेंट किट्स। दूसरा वनडे: 29 मार्च, सेंट किट्स तीसरा वनडे: 2 अप्रैल, सेंट किट्स।

आईसीसी रैंकिंग : टी-20 में सैंटनर की छलांग

वनडे ऑलराउंडर्स में दूसरे पायदान पर मेहदी हसन मिराज

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश वनडे टीम के कप्तान मेहदी हसन मिराज ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसका फायदा उन्हें नवीनतम आईसीसी प्लेयर रैंकिंग में मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान बांग्लादेश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में मेहदी भी शामिल थे। इस ऑलराउंडर ने तीनों मैचों में पांच विकेट लिए और उनकी टीम ने सीरीज 2-1 से जीत ली। इन प्रयासों की बदौलत मेहदी वनडे गेंदबाजों की नवीनतम रैंकिंग में नौ पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि वनडे ऑलराउंडर्स की सूची में दो पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस सप्ताह उल्लेखनीय सुधार करने वाले बांग्लादेश के खिलाड़ियों में मेहदी अकेले नहीं हैं। उनके साथी खिलाड़ी तंजीद हसन (31 पायदान ऊपर चढ़कर 55वें स्थान पर) और लिटन दास (10 पायदान ऊपर चढ़कर 82वें स्थान पर) ने वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में सुधार किया, जबकि तस्कीन अहमद (12 पायदान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर) और मुस्तफिजुर रहमान (13 पायदान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर) ने वनडे गेंदबाजों की सूची में बढ़त हासिल की। पाकिस्तान के सलमान अली आगा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नौ पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गए और वनडे ऑलराउंडरों की रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर आ गए। वहीं शाहीन शाह अफरीदी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर 17वां स्थान पर हासिल किया।

ताजा टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को बड़ा फायदा हुआ है। कीवी कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टी-20 ऑलराउंडरों की सूची में भी वे दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज के पहले दो मैचों में अच्छे प्रदर्शन के लिए यह फायदा मिला है।सैंटनर हाल ही में हुए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के दौरान भी न्यूजीलैंड के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। उन्होंने प्रोटियाज के खिलाफ शुरूआती दो मैचों में भी उसी फॉर्म को बरकरार रखा है, जिसमें उन्होंने तीन विकेट लिए और 35 रन बनाए, जिससे सीरीज 1-1 से बराबरी पर है और अभी तीन मैच शेष हैं। टीम के साथी लॉकी फर्ग्यूसन (18 पायदान ऊपर चढ़कर 51वें स्थान पर) ने भी टी-20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया है, जबकि डेवोन कॉनवे (चार पायदान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर) टी-20 बल्लेबाजों की सूची में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के जॉर्ज लिंडे ने 33 रनों की पारी के दम पर टी-20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 11 पायदान ऊपर चढ़कर 23वां स्थान हासिल किया है। उनके हमवतन ओटनेल बार्टमैन (23 पायदान ऊपर चढ़कर 73वें स्थान पर) टी-20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं।

सोना हुआ महंगा, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख नजर आ रहा है। बुधवार को कारोबार की शुरूआत में ही हाजिर सोने के भाव में 620 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 680 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,090 रुपये से लेकर 1,58,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,44,910 रुपये से लेकर 1,45,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,75,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,58,240 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,58,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,45,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर : पड़ोसी देशों में गहराया ईंधन संकट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और तेल सप्लाई में आई बाधाओं का असर अब वैश्विक स्तर पर दिखने लगा है। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव भारत के पड़ोसी देशों–श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश–पर पड़ा है, जहां ईंधन संकट गहराता जा रहा है। बढ़ती तेल कीमतें, सप्लाई में देरी और बढ़ते आयात खर्च ने इन देशों की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बना दिया है। आर्थिक संकट से उबर रहे श्रीलंका ने ईंधन खपत कम करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए 4 दिन का कार्य सप्ताह लागू किया गया है। इसके साथ ही दफ कोड आधारित फ्यूल राशनिंग सिस्टम जारी है, जिससे वाहनों को सीमित मात्रा में ही ईंधन मिल पा रहा है। सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देते हुए निजी वाहनों के इस्तेमाल पर भी नियंत्रण बढ़ाया है। बांग्लादेश सरकार ने ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सख्ती बढ़ा दी है। सरकारी दफ्तरों के काम के घंटे घटा दिए गए हैं और एयर कंडीशनिंग के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। गैर-जरूरी विदेशी दौरों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा डीजल आधारित पावर प्लांट्स की क्षमता घटाकर वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। पाकिस्तान ने भी इस संकट से निपटने के लिए कई कड़े फैसले लिए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान डे पर होने वाली परेड और अन्य बड़े कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। सरकारी अधिकारियों के लिए ईंधन आपूर्ति सीमित कर दी गई है और पेट्रोल-डीजल भत्ते में 50% तक कटौती की गई है। कई जगहों पर स्कूल-कॉलेज बंद किए गए हैं और सरकारी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी स्थगित कर दिए गए हैं।

'भारत विद्युत शिखर सम्मेलन' 19 से 22 मार्च तक यशोभूमि में होगा

सम्मेलन में देश के विकसित होते ऊर्जा तंत्र पर होगा विचार-विमर्श

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लगातार विकसित हो रहे विद्युत तंत्र को आकार देने वाली प्रमुख प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श के लिए ह्यभारत विद्युत शिखर सम्मेलनह्ल 19 से 22 मार्च तक नई दिल्ली के यशोभूमि में होगा। ये विद्युत और बिजली क्षेत्र के लिए एक प्रमुख वैश्विक सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी है। शिखर सम्मेलन में प्रमुख रूप से विद्युत और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक, केंद्र सरकार के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद, 10 देशों के ऊर्जा मंत्री, 25 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विद्युत मंत्री एवं सचिव, लगभग 60 देशों के राजदूत और सभी केंद्रीय विद्युत क्षेत्र उद्यमों के प्रमुखों सहित 100 से अधिक सीईओ शामिल होंगे। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक उच्च स्तरीय सम्मेलन सत्रों, 300 से अधिक वक्ताओं, 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, 100 से अधिक स्टार्टअप सहित 500 से अधिक प्रदर्शकों और 25,000 से अधिक आगंतुकों के शामिल होने की उम्मीद है।

निर्यात आधारित औद्योगिक समूहों को फिर से मजबूत करने के प्रयास तेज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने निर्यात आधारित औद्योगिक समूहों को फिर से मजबूत करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसलिए निर्यात उन्मुख औद्योगिक समूहों के साथ बैठक में क्षमताओं को बढ़ाने और निर्यात बाजारों में अधिक भागीदारी को सक्षम बनाने पर बल दिया गया. राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) ने निर्यात उन्मुख औद्योगिक समूहों के पुनरुद्धार पर हितधारकों के साथ वाणिज्य भवन में एक परामर्श बैठक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया की अध्यक्षता में की। बैठक में हितधारकों ने बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी अपनाने और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र क्लस्टर पुनरुद्धार का आह्वान किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक बैठक में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को क्लस्टर विकास प्रयासों के केंद्र में रखने पर व्यापक

सहमति बनी, जिसमें वित्त तक पहुंच में सुधार, क्षमताओं को बढ़ाने और निर्यात बाजारों में अधिक भागीदारी को सक्षम बनाने पर बल दिया गया। वैश्विक मांग के रुझानों के साथ क्लस्टर विकास को संरेखित करने और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि इस परामर्श बैठक ने उद्योग और सरकार के बीच रचनात्मक संवाद के लिए एक मंच प्रदान किया। औद्योगिक क्लस्टर पुनरुद्धार पर बजट घोषणा के कार्यान्वयन में सहयोग के लिए व्यावहारिक अनुशंसाओं को साझा करने में सहायता भी प्रदान की।

ये बैठक बजट प्राथमिकताओं को जमीनी कार्रवाई में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चर्चा का मार्गदर्शन एनआईसीडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक रजत कुमार सैनी ने किया, जिन्होंने क्लस्टर विकास ढांचे को परिष्कृत और कार्यान्वित करने के लिए हितधारकों की निरंतर भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। मंत्रालय के मुताबिक यह परामर्श बैठक ₹आर्थिक विकास को बनाए रखने और मजबूत करने₹ विषय पर आयोजित बजट पश्चात वेबिनार के अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में बुलाई गई थी, जिसका उद्देश्य क्लस्टर पुनर्जीवन पर विचार-विमर्श को आगे बढ़ाना और उद्योग जगत की निरंतर भागीदारी के माध्यम से बजट घोषणाओं को व्यावहारिक रणनीतियों में बदलना था। इस बैठक में निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी), उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों, अनुसंधान संगठनों और सरकारी हितधारकों के प्रतिनिधियों ने व्यापक भागीदारी दिखाई। इस परामर्श बैठक में एसोचैम, फिक्की, सीआईआई, पीएचडीसीसीआई, नैसकॉम, सिडबी, सीएसआईआर, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी), इंडियन डेयरी एसोसिएशन, अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी), ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए), इंडियन मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमटीएमए), इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाउंड्रीमैन, वेयरहाउसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया और सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स सहित कई प्रमुख उद्योग निकायों और संस्थानों ने भाग लिया।

इस्पात आयात से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए मंत्रालय 23 मार्च को करेगा खुली बैठक

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय 23 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के नेताजी नगर स्थित जीपीओए-3 की तीसरी मंजिल पर स्थित इस्पात कक्ष में एक खुली बैठक का आयोजन करेगा। इस बैठक में इस्पात आयात से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि कंपनियां और संगठन संबंधित अपने मुद्दों को इस बैठक में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस बैठक में भाग लेने के लिए tech-steel-at-nic-dot-in पर ईमेल भेजकर उपरोक्त तिथि के लिए निश्चित समय स्लॉट प्राप्त किया जा सकता है। मंत्रायल के मुताबिक ई-मेल भेजते समय निम्नलिखित जानकारी शामिल की जा सकती है:- कंपनी/एसोसिएशन का नाम, उद्योग और उत्पाद का प्रकार, जैसे ऑटोमोबाइल /एयरोस्पेस/दूरसंचार/रक्षा, आदि। यह समस्या एसआईएमएस/एसएआरएएल एसआईएमएस और क्यूसीओ छूट से संबंधित है। यदि कोई हो तो एसआईएमएस/एसएआरएएल एसआईएमएस/क्यूसीओ छूट आवेदन का संदर्भ दें। समस्या का संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 50 शब्द), प्रतिभागी का नाम और पदनाम (किसी तीसरे पक्ष का प्रतिनिधित्व स्वीकार्य नहीं है) और प्रतिभागी की संपर्क जानकारी (मोबाइल नंबर और ईमेल) शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक इस खुली बैठक का आयोजन सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक किया जाएगा और समय-सीमा की जानकारी ईमेल के माध्यम से दी जाएगी। व्यवस्था संबंधी परेशानियों के कारण बिना पूर्व बुकिंग के प्रवेश संभव नहीं होगा और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक संगठन से केवल एक प्रतिनिधि को ही अनुमति दी जाएगी।

इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन पर 31 तक ही मिलेगा सरकारी इंसेंटिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के पीछे सरकार की प्रोत्साहन नीतियां और सब्सिडी बड़ी वजह मानी जा रही हैं, जिसके चलते अब कई ग्राहक पारंपरिक पेट्रोल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर खरीदने वाले ग्राहकों के लिए मौजूदा समय काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इन वाहनों पर मिलने वाला डिमांड इंसेंटिव केवल 31 मार्च 2026 तक ही उपलब्ध रहेगा। इसके बाद यह सब्सिडी समाप्त हो जाएगी। हालांकि केंद्र सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन योजना पीएम ई-ड्राइव स्कीम 31 मार्च 2028 तक लागू रहेगी, लेकिन दो और तीन पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मौजूदा प्रोत्साहन सीमित अवधि के लिए ही है। ऐसे में जो लोग इलेक्ट्रिक स्कूटर या बाइक खरीदने की योजना बना रहे हैं, उनके लिए अभी खरीदारी करना अधिक लाभदायक हो सकता है। यह योजना 1 अक्टूबर 2024 से शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना और स्वच्छ परिवहन को प्रोत्साहित करना है।

इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का फिलहाल मजबूत दबदबा बना हुआ है। टाटा मोटर्स के पास करीब 40 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। कंपनी की सफलता के पीछे उसका बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो भी प्रमुख कारण है, जिसमें नेक्सन ईवी, पंच ईवी, टियागो ईवी, टिगोर ईवी, कर्व ईवी और हैरियर ईवी जैसे मॉडल शामिल हैं। हालांकि देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार अभी भी टाटा के पास नहीं है। टाटा की टियागो ईवी की शुरूआती कीमत 7.99 लाख

रुपये है, जबकि एमजी कॉमेट ईवी की कीमत 7.35 लाख रुपये से शुरू होती है।टाटा मोटर्स में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल्स के प्रोडक्ट लाइन हेड आनंद कुलकर्णी का कहना है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन अब कीमत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच रहे हैं। कुछ मॉडल ऐसे हैं जो इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) कारों के करीब कीमत पर उपलब्ध होने लगे हैं। उन्होंने बताया कि बैटरी तकनीक में तेजी से सुधार हो रहा है, जिससे ज्यादा एनर्जी-डेंस बैटरी, तेज चार्जिंग और बेहतर सुरक्षा संभव हो पाई है।

बीच समुद्र बदला रूट, चीन जा रहा रूसी तेल अचानक भारत की ओर मुड़ा, ड्रैगन को झटका!

नई दिल्ली। वैश्विक तनाव के बीच कच्चे तेल के बाजार में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस से लाखों बैरल कच्चा तेल लेकर चीन जा रहे कई तेल टैंकरों ने बीच समुद्र में ही अपना रास्ता बदल लिया है और अब वे भारत के बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। इसे वैश्विक ऊर्जा व्यापार में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक एक्वा टाइटन नाम का एक विशाल टैंकर जनवरी के अंत में रूस के बाल्टिक सागर से यूराल्स कच्चा तेल लेकर चीन के रिझाओ बंदरगाह के लिए निकला था लेकिन मार्च के मध्य में दक्षिण-पूर्व एशियाई जलक्षेत्र में पहुंचने के बाद इसने अचानक दिशा बदल ली। अब यह 21 मार्च को भारत के न्यू मैंगलोर बंदरगाह पहुंचने वाला है। यह अकेला मामला नहीं है। डेटा के अनुसार, कम से कम सात टैंकर ऐसे हैं जिन्होंने चीन की बजाय भारत की ओर रुख कर लिया है। वहीं जौजू एन नाम का एक अन्य टैंकर, जो कजाकिस्तान का सीपीसी ब्लेंड क्रूड लेकर चीन जा रहा था, उसने भी बीच रास्ते से मुड़कर भारत आने का फैसला किया है और इसके 25 मार्च को गुजरात के सिक्का बंदरगाह पहुंचने की संभावना है। इस बड़े बदलाव की मुख्य वजह मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव और तेल आपूर्ति पर उसका असर है। ईरान से जुड़े संघर्ष के चलते भारत को मिलने वाली पारंपरिक तेल सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत ने तेजी से वैकल्पिक स्रोतों की ओर रुख किया है। बताया जा रहा है कि इस स्थिति को देखते हुए अमेरिका ने भी भारत को अस्थायी तौर पर रूस से तेल खरीद बढ़ाने की छूट दी है। इसके बाद भारतीय रिफाइनरियों ने तेजी दिखाते हुए एक ही हफ्ते में करीब 3 करोड़ बैरल तेल खरीद लिया।

घरेलू सौर विनिर्माण को मजबूत करने के लिए एएलएमएम ढांचे का विस्तार : जोशी

सौर इंगोट्स और वेफर्स के लिए एएलएमएम प्रारूप का विस्तार 1 जून, 2028 से होगा प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सौर सिल्लियों और वेफर्स के लिए अनुमोदित मॉडल और निमार्ता सूची (एएलएमएम) फ्रेमवर्क का विस्तार किया है, जो 1 जून, 2028 से प्रभावी होगा। यह कदम सौर आपूर्ति श्रृंखला में घरेलू मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया है। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को बताया कि यह भारत के सौर विनिर्माण पारिस्थितिकी

तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि इस कदम से घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती बढ़ेगी, आयात पर निर्भरता कम होगी और सौर मूल्य श्रृंखला में उच्च गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित किया जा सकेगा। मंत्रालय के मुताबिक एएलएमएम आदेश का विस्तार करते हुए इंगोट्स और वेफर्स के लिए एएलएमएम सूची-3 को शामिल किया गया है, जो 1 जून से प्रभावी होगा। पहले से चल रही परियोजनाओं की सुरक्षा के लिए उपयुक्त प्रावधान किए गए हैं। एमएनआरई के इस आदेश के तहत मॉड्यूल और सेल के लिए पहले से लागू एएलएमएम सूचियों से अनिवार्य सोर्सिंग आवश्यकताओं को सौर आपूर्ति श्रृंखला में एक कदम आगे बढ़ाते हुए इंगोट्स और वेफर्स को भी शामिल किया गया है, जो वर्तमान में आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। एएलएमएम की शुरूआत के बाद से घरेलू सौर ऊर्जा के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एएलएमएम सूची-क (सौर पीवी मॉड्यूल) 2021 में 8.2 गीगावाट से बढ़कर वर्तमान में लगभग 172 गीगावाट हो गया है। एएलएमएम सूची-कक (सौर पीवी सेल), जिसे हाल ही में शुरू किया गया है, ये सात महीनों के भीतर ही 27 गीगावाट तक पहुंच गया है.

स्टॉक मार्केट मे एप्सिस एयरोकॉम की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के फील्ड में काम करने वाली कंपनी एप्सिस एयरोकॉम के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 110 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 43 रुपये के प्रीमियम यानी 39.09 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 153 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का सपोर्ट मिलने के कारण ये शेयर थोड़ी ही देर में उछल कर 160.65 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 50.65 रुपये यानी 46.05 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। एप्सिस एयरोकॉम का 35.77 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 मार्च से 13 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 129.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 99.96 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 236.61 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 100.24 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32.52 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

सरकार ने हवाई यात्रा को और आसान बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश किये जारी

अब 60 फीसदी मनपंसद सीटें चुन सकेंगे यात्री, अतिरिक्त शुल्क वसूली पर भी लगाम

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बुधवार को हवाई यात्रा को और आसान बनाने के लिए कुछ नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सरकार विमानन कंपनियों से कहा कि किसी भी फ्लाइट में कम से कम 60 फीसदी सीटें अतिरिक्त शुल्क के बगैर उपलब्ध करानी होंगी, ताकि सभी यात्रियों को बराबरी का मौका मिले। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एयरलाइन यात्रियों के लिए पारदर्शी और सुविधाजनक हो। नए दिशा-निदेर्शों में यह भी कहा गया है कि एक ही पीएनआर (पैसेंजर नेम रिकॉर्ड) पर यात्रा करने वाले यात्रियों को साथ में बैठाया जाए। इसके तहत यह कोशिश की जाए कि वे पास-पास की सीटों पर बैठ सकें। इससे परिवार या समूह में सफर करने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। ये निर्देश घरेलू उड़ानों पर लागू होंगे। ये कदम ऐसे समय में उठाए गए हैं, जब सीट चयन सहित विभिन्न सेवाओं के लिए विमानन कंपनियां

अधिक शुल्क वसूल रही हैं। डीजीसीए ने विमानन कंपनियों को निर्देश दिया है कि हर उड़ान में कम से कम 60 फीसदी सीट बिना अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएं, ताकि निष्पक्ष पहुंच सुनिश्चित हो सके। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को और बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए निदेर्शों में 60 फीसदी सीट बिना अतिरिक्त शुल्क, परिवारों के लिए साथ बैठने की व्यवस्था और खेल उपकरण, संगीत वाद्ययंत्र एवं पालतू जानवरों के परिवहन के लिए स्पष्ट तथा पारदर्शी नियम शामिल है। मंत्री ने बताया कि देरी और टिकट रद्द कराने की स्थिति में भी यात्री अधिकारों के प्रवर्तन को मजबूत किया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि एयरलाइन वेबसाइटों, मोबाइल एप्लिकेशनों, बुकिंग प्लेटफॉर्मों और हवाई अड्डे के काउंटरों पर यात्रियों के अधिकारों का प्रमुखता से प्रदर्शन के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा यात्रियों के अधिकारों की स्पष्ट जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में दी जाने को कहा गया है, ताकि व्यापक पहुंच और जागरूकता सुनिश्चित हो सके। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने, शिकायतों को कम करने और विमानन तंत्र में सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीसीएल मुख्यालय में सरहुल पूर्ब संध्या समारोह कर करल गेलक आयोजन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीसीएल मुख्यालय इस्थित गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर में सरहुल पूर्ब संध्या कर अवसर में सांस्कृतिक समारोह कर आयोजन करल गेलक। ई अवसर में गोटा परिसर में उत्साह आउर पारंपरिक उल्लास कर माहौल देखेक ले मिललक। समारोह कर सुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाज कर संगे भेलक। इकर बाद बिभिन्न सांस्कृतिक कार्जकरम कर मनमोहक प्रस्तुति देल गेलक। इकर में स्थानीय कलाकारमन द्वारा झारखंड कर समरिध आदिवासी संस्कृति, लोकनृत्य आउर लोकगीत कर आकरसक परदरसन करल गेलक। समारोह में आवल अधिकारीमन आउर करमचारीमन ई प्रस्तुति कर भरपूर आनंद लेलयं। कलाकारमन कर उत्साहबर्धन करलयं। कार्जकरम कर माध्यम से सरहुल परब कर सांस्कृतिक आउर सामाजिक महत्व के रेखांकित करते प्रकृति कर प्रति सम्मान आउर सामुदायिक एकता कर संदेस देल गेलक। ई अवसर में सीसीएल कर महाप्रबंधक, बिभागाध्यछ, बरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी आउर उनकर परिजन बड़ संख्या में पहुंचल रहयं। समारोह सउब कर बीच पारंपरिक संस्कृति कर प्रति जुड़ाव आउर गर्ब कर भावना के आउर मजबूत करलक।

राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव कर समापन, यादगार रहे बिदाई

प्रातः नागपुरी संवाददाता

देवघर। राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव, 2026 कर तीसर दिन कलाकारमन के सम्मान आउर सानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति कर संगे सुरू भेलक। देवघर कर ई पावन धरती में कला आउर संस्कृति कर ई बिदाई बेहद यादगार रहे। आखरी दिन कर सुरुआत संभव कला जत्था द्वारा झूमर नृत्य से भेलक । मानसी तिवारी आउर स्निग्धा यादव कर प्रस्तुति में लोक कला कर झलक दिसलक। बॉलीवुड गायिका मधुबंती बागची आपन सुरीली आवाज से महोत्सव कर समापन करलयं।

नवरात्र महोत्सव में महिलामन निकलालयं कलस जात्रा

सुन्दर कांड कर सामूहिक पाठ मंदिर प्रांगन में करल गेलक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। श्री राधाकृष्ण मंदिर, कृष्ण नगर कॉलोनी कर तत्वावधान में 18 मार्च के पावन चैत्र नवरात्र महोत्सव में कलस जात्रा निकलाल गेलक। कलस जात्रा बिहाने 7 बजे शिव दुर्गा मन्दिर (मेट्रो गली कर सामने) से सुरु भेलक। कलस जात्रा में 108 गो महिलामन कलस उठालयं। कलस जात्रा कर संगे मां कर जीवांत झांकी भी निकलाल गेलक। कलस जात्रा सउब से पहिले हरी ओम मंदिर आउर सनि मंदिर से गुजरलक, जहां संजुक्त रूप से पुजारीमन जात्रा कर सोवागत करलयं।

कलस जात्रा कर भक्ति चौक, शक्ति चौक, झंडा चौक, ऋषिकेश भवन, नरेश पपनेजा, हरविंदर सिंह बेदी, डॉ अजय छाबड़ा, स्वर्गीय गोपाल दास सरदाना आउर हरगोविंद सिंह कर गली कर चौराहा में पुस्पा बरसा आउर प्रसाद बितरन कइर के सरधालुमन कर सरधा भाव से सोवागत करल गेलक। कृष्णा नगर कॉलोनी कर बिभिन्न चौक चौराहा से होते कलस जात्रा बिहाने 10:30 बजे श्री राधा कृष्ण मंदिर पहुंइच के सिराय गेलक। मंदिर परिसर में पहुंचेक बाद मां कर बिसाल भंडारा कर आयोजन श्री राधा कृष्ण मंदिर कमेटी कर द्वारा करल गेलक। मंदिर कमेटी कर मीडिया प्रभारी अरुण जसूजा बतालयं कि सांझ कर चाइर बजे भक्तमन कर द्वारा सुन्दर कांड कर सामूहिक पाठ मंदिर प्रांगन में करल गेलक। संगे बतालयं कि नवरात्र कर दिन में 19 से 27 मार्च तक बिहाने सात बजे से दस बजे तक भक्त द्वारा श्री दुर्गा सप्तशती कर सामूहिक रूप से पाठ करल जाई। महाअष्टमी कर दिन 26 मार्च के राइत कर नौ बजे से 1008 ज्योत प्रज्वलित करल जाई। भजन-कीर्तन कर कार्जकरम राइत कर 11 बजे तक होवी। 27 मार्च सुकरवार के रामनवमी कर पावन अवसर में बिहाने 11 बजे से दूपहर 3 बजे तक दिल्ली से आवल सुपरसिध भजन सम्राट सुमित सैनी आउर श्री दुर्गा जागरण मंडली कर गायकमन कर द्वारा भजन कर गंगा बोहाल जाई। ई अवसर में श्री राधा कृष्ण मंदिर कमेटी द्वारा बिसाल भंडारा कर आयोजन भी करल जाए हे। आयोजन के भव्य बनायेक ले कोलकाता कर परसिध मालाकार आउर कारीगर द्वारा मंदिर परिसर के फूल से बिसेस तौर से सजाल जाई। दसमी कर दिन बिहाने दस बजे से हवन आउर ज्योत बिसर्जन कर कार्जकरम होवी।

बसंत मेला कर दूसर दिन खूब भेलक खरीदारी

गणगौर सिंधारा कर भेलक आयोजन, महिलामन खूब करलयं मस्ती

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच कर बसंत मेला कर दूसर दिन 18 मार्च के महिलामन जइम के खरीदारी करलयं। स्टॉल में बिहने से हे रौनक रहे। हाथ से बनल सामान कर सउब ढेइरे तारीफ करलयं। हाथ कर बनल केक, पेस्टी, चॉकलेट पॉप्स छउवामन महिलामन के ढेइरे पसिंद आलक। लड्डू गोपाल कर लुगा आउर गहना कर महिलामन खूब सराहना करलयं।

सांझ के गणगौर कर उपलछ में बहू बेटीमन कर सिंधारा करल गेलक। इकर में सृजन साखा कर बहू बेटीमन गणगौर कर उपलछ में एगो गणगौर पूजा के दरसाल गेलक। सउब एके संगे मिइल के गणगौर कर पूजा करलयं। पारंपरिक राजस्थानी बेसभूसा में महिलामन राजस्थानी गीत में नृत्य करलयं।

महिलामन एक दूसर के सिंधारा अर्पित करलयं। बसंत कर मौसम कर आनंद लेलयं। ई मौका में सउब एकजुट होए के पारिवारिक आउर सामाजिक संबंध के मजबूत करलक। पुरना रीति रिवाज के जिन्दा राखलयं। सृजन साखा कर अध्यछ नेहा सरावगी आपन टीम कर संगे उपस्थित रहयं।

ई कार्जकरम के सफल बनायेक में रूपा अग्रवाल, नैना मोर, मधु सर्राफ, उर्मिला पाड़िया, अनुसूया नेवटिया, रीना सुरेखा, बीना मोदी, मंजू केडिया, प्रीति? बंका, मंजू गाड़ोदिया, प्रीति? पोद्दार, छाया अग्रवाल, सीमा पोद्दार, सरिता मोदी, सुनीता सरावगी, सीमा टाटिया, सरिता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, लक्ष्मी पाटोदिया, प्रीति फोगला,शोभा हेतमसरिया, करुणा अग्रवाल, मीना अग्रवाल, कमला विजयवर्गीय, ललिता नारसरिया संगे अन्य सदस्यमन कर भरपूर सहजोग रहे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा देलयं।

कुछो नखे राखल

संतोष महली,
ईटा, लोहरदगा।

कुछो नखे राखल
झुठो कर सान में,
मोइर जाएक पड़ी
सउब के हे समसान में,
कुछो नखे राखल
झुठो कर सान में।

इ जवानी इ पदक गुमान
पोइड़ के राख होइ जाइ
राखु तनी धेयान में,
कुछो नखे राखल
झुठो कर सान में।

धन दौलत से जिनगी तो चलेला
मुदा पेरेम जरूरी है इंसान में,
जे करेला बुराइ उकरो होवी बुरा
बिसवास राखु प्रकृति या भगवान में।

समइ आवी तो अपने पता चइल जाइ,
अगम सकती होवेला हामरे कर इमान में,
कुछो नखे राखल
झुठो कर सान में।

कुछो नखे राखल
झुठो कर सान में,
मोइर जाएक पड़ी
सउब के हे समसान में,
कुछो नखे राखल
झुठो कर सान में।
***

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह,
प्रबंध संपादक : रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर :** शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड :** कुमार राजेश। **फोन नंबर :** 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी :** jharkhandwanitaudyog@gmail.com